@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 11 नवंम्बर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 20 अंक 3 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

गृह मंत्री अमित शाह ने देखी रणबीर कपूर की रामायण

नई दिल्ली(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने परिवार के साथ रणबीर कपूर की फिल्म रामायणः पार्ट-1 देखी। इस दौरान उनके बेटे जय शाह और पूरा परिवार साथ नजर आया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमित शाह 8 नवंबर को दिवाली के मौके पर अपने परिवार के साथ अहमदाबाद के एक सिनेमाघर में फिल्म रामायण देखने पहुंचे थे। वे शहर के पी स्क्वायर थिएटर में फिल्म देखने गए थे।

वायरल वीडियो में अमित शाह और उनके बेटे जय शाह थिएटर से बाहर निकलते दिखाई दे रहे

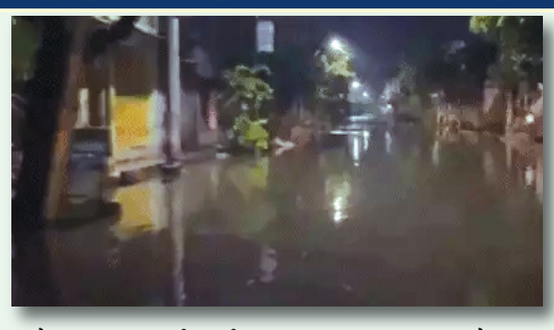


हैं। इस दौरान अमित शाह को वहां मौजूद लोगों और प्रशंसकों से बातचीत करते हुए भी देखा गया।6 दिनों में फिल्म ने बनाया रिकॉर्ड, 2026 की दूसरी हाईएस्ट ग्रॉसिंग हिंदी फिल्म बनी रामायणः पार्ट- 1 ने सोमवार को वर्ल्डवाइड 107 करोड़ का कलेक्शन किया है। इसी के साथ इसका 6 दिनों में वर्ल्डवाइड कलेक्शन 684 करोड़ हो चुका है। इसी के साथ ये महज 6 दिनों में इस साल की दूसरी सबसे बड़ी फिल्म बन चुकी है। इसने द्यधम 3 के ऑलटाइम कलेक्शन (575 करोड़ रुपए) को भी पछाड़ दिया है। रामायण को हिट करवाने के लिए हिंदी में ही कलेक्शन 900-1000 करोड़ होना चाहिए और वर्ल्डवाइड इसे 2500 करोड़ कमाने होंगे। अगर ये फिल्म सोमवार-मंगलवार को 100-100 करोड़ नहीं कमाती, तो इसका कुल हिंदी कलेक्शन 600-700 करोड़ ही रहेगा।

दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों में 49 भारत के

दिल्ली-भोपाल में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 पार; यूपी के चार शहरों की हवा भी बेहद खराब

नई दिल्ली(एजेंसी)। दुनिया के 50 सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में 49 शहर भारत के शामिल हैं। वायु गुणवत्ता के ताजा आंकड़े देश में बढ़ते प्रदूषण की गंभीर स्थिति को उजागर कर रहे हैं। वायु गुणवत्ता सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक, सुबह 9:54 बजे राजस्थान का श्रीगंगानगर दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 821 दर्ज किया गया। इस सूची में भारत के अलावा केवल पाकिस्तान का लाहौर शामिल था, जो 430 अंक के साथ



14वें स्थान पर रहा। दीपावली के बाद दिल्ली से लेकर मध्य प्रदेश तक प्रदूषण का स्तर लगातार गंभीर बना हुआ है। दिल्ली में मंगलवार सुबह छह बजे चांदनी चौक का वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंच गया, जबकि कई इलाकों में वायु गुणवत्ता 300 से ऊपर दर्ज की गई। मध्य प्रदेश के भोपाल और उज्जैन के साथ हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी प्रदूषण का स्तर 400 के पार पहुंच गया। वहीं, उत्तर प्रदेश के नोएडा में 332, बुलंदशहर में 331, गाजियाबाद में 324 और बागपत में 305 अंक दर्ज किए गए। इन आंकड़ों ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सहित कई इलाकों में लोगों की चिंता बढ़ा दी है। वायु गुणवत्ता सूचकांक के मानकों के अनुसार, 201 से 300 तक का स्तर खराब, 301 से 400 तक बेहद खराब और 401 से 500 तक गंभीर श्रेणी में माना जाता है। गंभीर प्रदूषण का असर केवल पहले से बीमार लोगों पर ही नहीं, बल्कि स्वस्थ व्यक्तियों पर भी पड़ सकता है। ऐसे में लगातार बिगड़ती हवा लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। दूसरी ओर, तमिलनाडु के थूथुकुडी समेत कई इलाकों में लगातार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने उत्तराखंड के उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ में बारिश की संभावना जताई है। वहीं, आंध्र प्रदेश, केरल और लक्षद्वीप में तेज हवाएं चलने के आसार हैं। मौसम में बदलाव के बीच देश के अलग-अलग हिस्सों में कहीं बारिश तो कहीं प्रदूषण की समस्या बनी हुई है।

ममता के कोलकाता वाले घर पहुंची दिल्ली पुलिस, नोटिस दिया

नई दिल्ली(एजेंसी)। दिल्ली पुलिस का एक कर्मी पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कोलकाता स्थित आवास 30इ, हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर पहुंचा। संसद मार्ग थाने के कर्मचारी ने CrPC की धारा 160 के तहत नोटिस दिया। दरअसल, इस केस में ममता आरोपी नहीं, बल्कि बतौर गवाह/पीड़ित बुलाई गई हैं। CrPC 160 धारा के तहत पुलिस किसी भी व्यक्ति को- जिसे केस के बारे में जानकारी हो, बयान देने के लिए थाने बुला सकती है।

दिल्ली के योजना भवन में प्लानिंग कमीशन का दफ्तर था। ममता यहां बंगाल के सालाना प्लान के लिए मीटिंग करने के लिए वित्त मंत्री अमित मित्रा के साथ गई थीं। SFI और CPI(M) के करीब 125-150 कार्यकताओं ने उन्हें घेर लिया। ये लोग कोलकाता में SFI नेता सुदीप्तो गुप्ता की पुलिस हिरासत में मौत का विरोध कर रहे थे।

पुलिस ने ममता को श्क्ढ गेट से



जाने को कहा था, लेकिन वो मेन गेट से पैदल ही भीड़ के बीच से गईं। भीड़ में अमित मित्रा को धक्का दिया गया, कुर्ता फाड़ दिया गया, सीने पर मुक्का मारा गया। उन्हें बाद में AIIMS में भर्ती कराना पड़ा। तब ममता बनर्जी ने कहा था - "मुझे लोहे की रॉड से मारने की कोशिश की गई, फिरहाद हाकिम ने बचाया।" इसी केस में SFI महासचिव ऋतब्रत बनर्जी, दिल्ली CPI(M) सचिव PMS ग्रेवाल समेत 6 लोगों को तब गिरफ्तार किया गया था।

13 साल बाद पुलिस ममता के घर क्यों गई

दरअसल, 13 साल पुराना केस अभी भी कोर्ट में चल रहा है।

सोनिया गांधी की किताब में पीएम मोदी का भी जिक्र

कहा- आमने-सामने आने पर नहीं मिलाते हैं आंखें; और क्या दावा

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ अपने संबंधों को लेकर कहा है कि दोनों के बीच कभी वास्तविक बातचीत नहीं हुई। उन्होंने दावा किया कि जब भी दोनों आमने-सामने आते हैं तो मोदी उनसे नजरें मिलाने से बचते हैं। सोनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने भारत के विचार के लिए लड़ रहे हैं और वह अपने विचारों के लिए। सोनिया गांधी ने ये बातें अपनी बहुप्रतीक्षित संस्मरण पुस्तक 'बिलॉन्गिंगः ए जर्नी ऑफ लव' में लिखी हैं। हार्परकॉलिन्स इंडिया की ओर से प्रकाशित यह किताब मंगलवार को बाजार में आई। सोनिया ने किताब में लिखा है कि नरेंद्र दामोदरदास मोदी 12 साल से अधिक समय से देश के प्रधानमंत्री हैं और अब उनका तीसरा कार्यकाल चल रहा है। इसके बावजूद उनकी मोदी से कभी



कोई वास्तविक बातचीत नहीं हुई। सोनिया गांधी ने बताया कि संसद के हर सत्र के बाद प्रमुख राजनीतिक दलों के नेता लोकसभा अध्यक्ष के कक्ष में मिलते हैं। वहां भी दोनों के बीच केवल औपचारिक अभिवादन होता है। सोनिया के मुताबिक, पहले अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेता आपस में शिष्टाचार और सौहार्द के साथ मिलते थे, लेकिन अब स्थिति अलग है। उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी आमने-सामने आने पर नजरें फेर लेते हैं और आंखों से संपर्क बनाने से बचते हैं। सोनिया गांधी ने लिखा कि कुछ मौकों पर जब वह अस्पताल में इलाज के बाद लौटीं तो पीएम मोदी ने उनसे पूछा, 'ठीक हैं आप?' इस पर उन्होंने जवाब दिया, 'जी, अब मैं ठीक हूं, शुक्रिया।' उन्होंने कहा कि इस तरह की छोटी बातचीत के अलावा दोनों के बीच कभी कोई संवाद नहीं हुआ। हालांकि, समय-समय पर जन्मदिन और नए साल की औपचारिक शुभकामनाओं का आदान-प्रदान जरूर हुआ है।'दोनों की भारत को लेकर सोच अलग'सोनिया गांधी ने अपनी किताब में लिखा है कि पीएम मोदी और उनके विचारों की दुनिया अलग-अलग है। उनके मुताबिक, उन्होंने भारत को अपने परिवार के सदस्यों के जीवन, सेवा और अनुभवों के जरिए समझा। उनके परिवार का विश्वास ऐसे देश में था, जिसमें अलग-अलग जातियों, संस्कृतियों, भाषाओं और धर्मों के लोगों के लिए जगह हो और सभी को स्वतंत्रता व समानता मिले। वहीं, सोनिया ने लिखा कि पीएम मोदी के भारत का विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के विचारकों और उनके अपने जीवन के अनुभवों से बना है।

CM चंद्रबाबू बोले- 500-2000 के नोट बंद हों

आंध्र प्रदेश (एजेंसी)। सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि 500 और 2,000 रुपए के नोट बंद कर देने चाहिए। सिर्फ 100 और 200 रुपए के नोट ही चलन में रहने चाहिए। बड़े नोटों का चलन कम करने और डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने से भ्रष्टाचार पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है।

उन्होंने कहा कि पहले भी डिजिटल करेंसी को लेकर एक रिपोर्ट तैयार कर पीएम नरेंद्र मोदी को सौंपी थी। अब वे फिर इस मुद्दे को उठाएंगे। नायडू ने यह मांग 9 नवंबर को अमरावती में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उठाई थी। यह बयान 8 नवंबर 2016 की नोटबंदी के 10 साल पूरे होने के अगले दिन आया था।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने 19 मई 2023 को 2000 के नोट चलन से वापस लेने का फैसला किया था, लेकिन ये नोट अभी भी कानूनी रूप से वैध हैं। यानी इनसे लेन-देन किया जा सकता है। 8 नवंबर 2016 को ₹500 और ₹1,000 के पुराने नोट बंद किए गए थे। आंध्र प्रदेश में हाल ही में हुए स्थानीय निकाय



चुनावों का जिक्र करते हुए नायडू ने कहा कि नतीजे नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (NDA) के प्रति जनता के बढ़ते समर्थन को दिखाते हैं। उन्होंने दावा किया कि गठबंधन ने चुनावों में धनबल के प्रभाव को कम करने में कामयाबी हासिल की है।सीएम की ओर से साझा किए गए आंकड़ों के मुताबिक, शहरी स्थानीय निकाय और परिषद चुनावों में NDA को 58.9% वोट मिले। यह 2024 के लोकसभा चुनाव में मिले 55.3% वोटों से 3.6 प्रतिशत अंक ज्यादा है। वहीं, वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (YSRCP) का वोट शेयर 2024 के 39.81% से घटकर स्थानीय निकाय चुनावों में 33.56% रह गया। इसमें 6.25 प्रतिशत अंक की गिरावट आई है। नायडू के मुताबिक, दोनों दलों के बीच वोट शेयर का अंतर 25.34 प्रतिशत अंक रहा।

योगनगरी में बनेगा गोसदन, नंदीशाला और एबीसी सेंटर भी बनेंगे, मुख्यमंत्री धामी ने की ये घोषणाएं

ऋषिकेश(एजेंसी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऋषिकेश के विकास को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। नगर निगम क्षेत्र में गोसदन, नंदीशाला और निराश्रित कुत्तों के लिए एबीसी (पशु जन्म नियंत्रण) केंद्र स्थापित किया जाएगा। वहीं संजय झील के सुंदरीकरण और सफाई के लिए वन विभाग के माध्यम से दो करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। झील क्षेत्र में चार कक्षों का विश्राम गृह बनाने की दिशा में भी कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री धामी न ने कहा कि ऋषिकेश क्षेत्र में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए वाटर ड्रेनेज प्लान तैयार किया गया है।



इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बन चुकी है। जल्द ही इसे स्वीकृति के लिए प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जलभराव की समस्या से वह भलीभांति परिचित हैं और इसके समाधान के लिए सरकार गंभीरता से प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री धामी ने वर्ष 2027 में प्रस्तावित कुंभ मेले के मद्देनजर ऋषिकेश और आसपास के क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की बात कही। उन्होंने कहा कि हरिद्वार और ऋषिकेश में गंगा कॉरिडोर का निर्माण कराया जा रहा है। इसके साथ ही सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत से आइकॉनिक सिटी विकसित की जा रही है। कुंभ के दृष्टिगत क्षेत्र के पुराने और नए घाटों का पुनर्निर्माण एवं नवनिर्माण भी कराया जाएगा। इसके लिए धनराशि उपलब्ध कराई जाएगी।

राष्ट्रीय सुरक्षा में जनता की अहम भूमिकापूर्व सीडीएस अनिल चौहान बोले- सतर्कता, जागरूकता और कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली(एजेंसी)। पूर्व चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि जिस देश के नागरिक जागरूक और जानकारी रखने वाले होते हैं, उसकी सीमाओं को कोई ताकत खतरा नहीं पहुंचा सकती। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सशस्त्र बलों और सरकारी अधिकारियों तक सीमित नहीं रह सकती, बल्कि इसमें आम नागरिकों की भी अहम भूमिका है।जनरल अनिल चौहान (सेवानिवृत्त) ने तीन नवंबर को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 'भारत की रणनीतिक संस्कृति और राष्ट्रीय सुरक्षा' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में यह बात कही। पूर्व सीडीएस ने कहा, "राष्ट्रीय सुरक्षा सतर्कता, जागरूकता और कार्रवाई से जुड़ी है। यह केवल सशस्त्र बलों और सरकारी अधिकारियों तक सीमित रहने वाला विषय नहीं हो सकता। लोकतंत्र में लोग वह माहौल तैयार करते हैं, जिसमें सरकार फैसले लेती है।"



उन्होंने कहा कि जागरूक और जानकारी रखने वाले नागरिक किसी भी देश की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉन्गिंग' की बिक्री शुरू

544 पेज में 7 चैप्टर; राजीव से प्यार, इटली का पासपोर्ट छोड़ने और PM पद ठुकराने की कहानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। हार्पर कॉलिन्स इंडिया से प्रकाशित इस किताब में 544 पेज हैं और इसे 7 चैप्टर में बांटा गया है। पहले एडिशन के लिए एक लाख कॉपियां छापी गई हैं।किताब के कवर पर सोनिया का फोटो है, जिसे 1966 में राजीव गांधी ने क्लिक किया था। शुरूआती पेज पर लिखा है- मेरे बेटे राहुल, बेटी प्रियंका और पोते-पोतियों रेहान और मिराया के नाम।इसके बाद एक पेज पर ऋग्वेद की ऋचाएं ली गई हैं। सोनिया ने किताब को निजी मेमॉयर बताया है और कहा है कि यह राजनीतिक किताब नहीं है। इसमें गांधी परिवार के साथ हुई त्रासदियों और 2004 के राजनीतिक घटनाक्रम का जिक्र है।किताब के 7 चैप्टर में राजीव से मुलाकात, प्यार-शादी, भारत आना, राजीव के निधन के बाद कांग्रेस का नेतृत्व करने और पार्टी को बहुमत मिलने के बावजूद प्रधानमंत्री न बनने के फैसले का जिक्र किया गया है।सोनिया 19 साल की उम्र में इटली से अंग्रेजी सीखने कैम्ब्रिज पहुंची थीं। वहां एक ग्रीक रेस्टोरेंट में उनकी नजर राजीव गांधी पर पड़ी। जनवरी के एक दिन दोस्त क्रिश्चियन वॉन स्टिगलिट्ज ने दोनों की मुलाकात कराई।सोनिया के मुताबिक, पहली मुलाकात में ही दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो गया। राजीव दिल्ली से कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज में इंजीनियरिंग की



पढ़ाई करने आए थे। धीरे-धीरे दोनों की मुलाकातें बढ़ने लगीं। साथ घूमना, दोस्तों के साथ पार्टियों में जाना और छुट्टियां बिताना उनकी जिंदगी का हिस्सा बन गया।राजीव पहली बार सोनिया को वैलेंटाइन डे पर एक पार्टी में ले जाने पहुंचे थे। सोनिया के मुताबिक, उन्हें देखकर राजीव कुछ पल के लिए ठिठक गए थे। दोनों को लगने लगा था कि वे हमेशा साथ रहना चाहते हैं।2. पिता के गुस्से के डर से परिवार को नहीं बताया सोनिया राजीव से अपने रिश्ते के बारे में परिवार को बताने से डरती थीं। उनके पिता स्टेफानो मैनो काफी सख्त स्वभाव के थे। सोनिया को डर था कि पता चलने पर वे उन्हें तुरंत इटली वापस बुला लेंगे।3. पिता ने रूस में गरीब परिवार की मदद की, बेटियों के नाम उनकी बच्चियों के नाम पर सोनिया के पिता अनुशासन पसंद थे, लेकिन जरूरतमंदों की मदद के लिए भी हमेशा तैयार रहते थे। वे दूसरे विश्वयुद्ध में इटली की सेना से रूस के मोर्चे पर लड़े थे। वहां उन्होंने एक गरीब परिवार के बच्चों को खाना दिया था।उस परिवार की दो बच्चियों के नाम अनूश्का और सोनिया थे। उन्होंने अपनी बेटियों के नाम भी उन्हीं बच्चियों के नाम पर रखे। हालांकि, चर्च में उनके नाम एलेसांद्रा और एंटोनिया दर्ज हुए, लेकिन परिवार में वे अनूश्का और सोनिया के नाम से ही जानी गईं।सोनिया ने किताब में बताया कि उन्होंने काफी समय तक अपना इटली का पासपोर्ट संभालकर रखा था, क्योंकि वह उनकी पहचान का हिस्सा था, जिसे वे इटली से भारत लेकर आई थीं। इस पासपोर्ट के जरिए उन्हें अपने माता-पिता से मिलने के लिए कई तरह के फॉर्म और स्पॉन्सरशिप लेटर की औपचारिकताएं नहीं करनी पड़ती थीं। हालांकि, समय के साथ इटली जाना कम हो गया और वहां की जीवनशैली से उनका जुड़ाव भी पहले जैसा नहीं रहा।

बांग्लादेश में बसें फूंकीं, थानों के बाहर बम धमाके

बांग्लादेश की राजधानी ढाका में पिछले कुछ दिनों से हिंसा की घटनाएं बढ़ गई हैं। 8 और 9 नवंबर को कई जगह धमाके और आगजनी हुई है।

(एजेंसी)। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के वकीलों ने भारत में उनके नए पासपोर्ट और राष्ट्रीय पहचान पत्र (NID) के लिए आवेदन किया है। हसीना ने कहा है कि वे दिसंबर में बांग्लादेश लौटेंगी। उनके लौटने से पहले ही देश में राजनीतिक तनाव बढ़ने लगा है।ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (DMP) के डिप्टी कमिश्नर मोहम्मद अख्तर हुसैन के मुताबिक, रविवार 8 नवंबर की शाम से देर रात तक राजधानी के करीब 10 इलाकों में 15 से 20 घटनाएं हुईं। इनमें देसी बम फेंकने और गाड़ियों में आग लगाने की घटनाएं शामिल हैं। ढाका यूनिवर्सिटी में ही देसी बम धमाके की 6 घटनाएं हुईं। धमाके नीलखेत चौराहे, यूनिवर्सिटी के मुख्य गेट, सीनेट बिल्डिंग के सामने, इंस्टीट्यूट ऑफ मॉडर्न लैंग्वेजेज के पास, TSC के नजदीक मेट्रो स्टेशन के पास और सुफिया कमाल हॉल के बाहर हुए। पुलिस ने 3 लोगों को हिरासत में लिया। पुलिस आंकड़ों के मुताबिक, 1 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच देशभर में देसी बम धमाके की 31 और गाड़ियों में आग लगाने की 14 घटनाएं दर्ज की गईं। इनमें



2 लोग घायल हुए, जबकि 51 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस बोली- पैसे देकर लोगों से हमले कराए जा रहे पुलिस ने इन हमलों के पीछे शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के लोगों का हाथ होने का शक जताया है। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी शुरूआती दौर में है। अख्तर हुसैन ने बताया कि जांच में ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ लोगों को पैसे देकर हमले करने के लिए तैयार किया गया था। अवामी लीग ने पुलिस के आरोपों को खारिज किया है। पार्टी के प्रवक्ता मोहम्मद अली आराफात ने दावा किया कि विरोधी गुट पार्टी को बदनाम करने और हमलों का आरोप उस पर डालने के लिए ये घटनाएं करवा रहे हैं। बांग्लादेश पुलिस ने कहा कि हालात से निपटने के लिए सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

पत्नी से अवैध संबंध के शक में युवक की हत्या, आरोपी पति समेत दो गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रसाद नगर थाना पुलिस और मध्य जिला के वाहन चोरी निरोधक दस्ता की संयुक्त टीम ने 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या करने में शामिल आरोपित कुणाल उर्फ मुकरी और उसके साथी पीयूष उर्फ मेंटल को गिरफ्तार कर लिया है। कुणाल को शक था कि मृतक युवक का उसकी पत्नी के साथ अवैध संबंध है, जिससे दोस्त के साथ मिलकर कुणाल ने युवक की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। अब वह अपनी पत्नी की भी हत्या करने की साजिश रच रहा था लेकिन पुलिस ने समय रहने दोनों को दबोच कर एक और संभावित हत्या की वारदात को रोक लिया। डीसीपी मध्य जिला रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक गिरफ्तार किए गए आरोपितों में कुणाल, करोल बाग और पीयूष शाहपुरा तिलक नगर का रहने वाला है। कुणाल 2019 में करोलबाग थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के एक केस में शामिल रहा है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी निगरानी और ठोस जांच के जरिए इस केस का पर्दाफाश किया। कुणाल की पत्नी की जान को खतरा देखते हुए पुलिसकर्मियों ने तिलक नगर स्थित उसके घर के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में गुप्त निगरानी रखी और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की। कुणाल की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल चाकू और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली गई है। चार नवंबर को प्रसाद नगर थाना पुलिस को करोलबाग के रहने वाले एक 19 वर्षीय युवक को चाकू मारे जाने की सूचना प्राप्त हुई थी। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, जिससे वारदात में दो लोगों की संलिप्तता का सुराग मिला। तकनीकी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के विश्लेषण से कुणाल और पीयूष की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि हत्या व्यक्तिगत रंजिश के कारण की गई। कुणाल के जेल में रहने के दौरान मृतक और कुणाल की पत्नी तीन महीने तक एक साथ रह रहे थे। इसी बात से नाराज होकर कुणाल ने बदला लेने की नीयत से अपने साथी के साथ मिलकर युवक की हत्या कर दी। पुलिस को सूचना मिली कि कुणाल अपनी पत्नी की भी हत्या करने की भी योजना बना रहा है। खतरे की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तिलक विहार, तिलक नगर स्थित उसकी पत्नी के आवास के आसपास 24 घंटे सादे कपड़ों में पैनी नजर रखी। जैसे ही दोनों तिलक विहार (तिलक नगर) में आए एडिशनल एसीपी शिवम कुमार के नेतृत्व में प्रसाद नगर के इंस्पेक्टर सुभाष, अनुज व संदीप डबास की टीम ने दोनों को दबोच लिया।

बुराड़ी में खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला महिला की शव

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में एक महिला की पत्थरों से बार-बार वार कर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। करीब 37 वर्षीय महिला का शव मंगलवार सुबह वेस्ट कमल विहार स्थित एक पंप हाउस के पास खाली प्लॉट में खून से लथपथ मिला। शव मिलने की सूचना से इलाके में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला को सोमवार शाम तक इलाके में घूमते हुए देखा गया था। ऐसे में पुलिस सोमवार शाम से मंगलवार सुबह के बीच की घटनाओं की कड़ियां जोड़ने में जुटी है। पुलिस यह भी पता लगा रही है कि महिला की किसी से रंजिश तो नहीं थी और वारदात को अंजाम देने वाला कोई परिचित था या नहीं। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच के रही है।

नोटबंदी के बाद अब वोटबंदी से लोकतंत्र को खतरा : आदेश भारद्वाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नोटबंदी के 10 वर्ष पूरे होने पर दिल्ली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं करावल नगर के पूर्व जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने केंद्र की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2016 में नोटबंदी से अर्थव्यवस्था और आम नागरिकों की आजीविका प्रभावित हुई थी, जबकि अब मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर किया जा रहा है। आदेश भारद्वाज ने कहा कि 8 नवंबर 2016 को सरकार ने 500 और 1000 रुपये के नोट बंद कर दिए थे, जो उस समय प्रचलित नकदी का लगभग 86 प्रतिशत हिस्सा थे। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, करीब 99.3 प्रतिशत प्रतिबंधित मुद्रा बैंकों में वापस आ गई। उन्होंने दावा किया कि नोटबंदी से छोटे व्यापारियों, असंगठित क्षेत्र और लघु उद्योगों को भारी नुकसान हुआ तथा रोजगार और उत्पादन प्रभावित हुए। भारद्वाज ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इस प्रक्रिया में बड़ी संख्या में पात्र मतदाताओं के नाम हटाए जा रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली की अनधिकृत कॉलोनियों, झुग्गी बस्तियों और मुस्तफाबाद जैसे क्षेत्रों में निवासरत लोगों के नाम भी मतदाता सूची से हटाए जाने की शिकायतें सामने आई हैं। उन्होंने निर्वाचन आयोग से मतदाता सूची में हटाए गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक करने और पुनरीक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। भारद्वाज ने कहा कि किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस लोकतंत्र और नागरिकों के मताधिकार की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भर बनेगी दिल्ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। वरिष्ठ भाजपा नेता एवं घोंडा के पूर्व विधायक दत्त शर्मा ने दिल्ली में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार के प्रयासों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से आम परिवारों को बिजली बिल में राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा। शर्मा के अनुसार, दिल्ली में एक लाख से अधिक लोगों का पंजीकरण योजना के प्रति बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने प्रत्येक वार्ड में जागरूकता अभियान चलाकर पात्र परिवारों तक योजना का लाभ पहुंचाने की अपील की।

मिशन सफाई : नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस का अतिक्रमण और अवैध पार्किंग पर शिकंजा, 8 दिन में 2,349 उल्लंघन पर कार्रवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भीड़भाड़-मुक्त सड़कों और सुरक्षित यात्रा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने 1 नवंबर से 8 नवंबर 2026 तक 'मिशन सफाई' के तहत विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इसमें सड़क किनारे अतिक्रमण, गलत पार्किंग और अन्य यातायात बाधाओं को निशाना बनाया गया। यह विशेष अभियान डीसीपी ट्रैफिक, नॉर्दर्न रेंज, डॉ. सचिन कुमार सिंघल, आईपीएस के निर्देश पर चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य खासकर त्योहारी सीजन के दौरान बिना रुकावट यातायात आवाजाही सुनिश्चित करना था। यातायात बाधाओं के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए ट्रैफिक पुलिस की टीमों ने अवैध रूप से खड़े वाहनों, अनधिकृत सड़क किनारे विक्रेताओं और अन्य अतिक्रमणों के खिलाफ लगातार प्रवर्तन कार्रवाई की, जो यात्रियों और पैदल चलने वालों को परेशान करते हैं। 1 से 8 नवंबर के बीच गलत पार्किंग के लिए 1,772 चालान जारी किए गए, बाधा वाली जगहों से 272 ई-रिक्शा



हटाए गए, अतिक्रमण वाले इलाकों से 238 रेहड़ी/पटरी हटाई गईं और गलत पार्किंग के लिए 67 वाहन टो किए गए। इस तरह कुल 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई नॉर्दर्न रेंज में मिशन सफाई के तहत की गई, जिससे सड़कों को अतिक्रमण से मुक्त किया गया। कुल मिलाकर इन 8 दिनों में 2,349 उल्लंघनों/बाधाओं पर कार्रवाई की गई। इन ठोस प्रयासों का उद्देश्य सार्वजनिक सड़कों को वापस हासिल करना, पैदल चलने वालों के लिए बिना रुकावट रास्ता सुनिश्चित करना, यातायात की भीड़ को कम करना और सड़क अनुशासन को मजबूत करना है। नॉर्दर्न रेंज ट्रैफिक पुलिस ने दोहराया कि सड़कें चलने के लिए हैं, अतिक्रमण या अनधिकृत पार्किंग के लिए नहीं। यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करने और सार्वजनिक सड़कों को सभी के लिए सुलभ बनाए रखने के लिए ऐसे विशेष अभियान लगातार तेज गति से जारी रहेंगे।

दिल्ली में यमुना पर पहली बार क्रूज सेवा शुरू, सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किमी की होगी यात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी।

पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने मंगलवार को यहां यमुना नदी पर 'नमो यमुना रिवर सफारी' सेवा का शुभारंभ किया जिसके तहत सोनिया विहार से जगतपुर तक छह किलोमीटर की राउंड ट्रिप में पर्यटक क्रूज यात्रा और विभिन्न मनोरंजन गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा, मंत्री प्रवेश वर्मा और अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे। उद्घाटन के बाद श्री सोनोवाल, श्रीमती गुप्ता और अन्य नेताओं ने यमुना नदी में क्रूज की सवारी भी की।

श्री सोनोवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मां यमुना के आशीर्वाद से दिल्ली में पहली बार इस तरह की पहल संभव हुई है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पूरी टीम ने अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ मिलकर इस पहल को सफल बनाने में सहयोग किया है। सोनिया विहार से जगतपुर तक की यात्रा में दिल्ली आने वाले देशी-विदेशी पर्यटक तीन से चार घंटे तक विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों का आनंद ले सकेंगे।

परियोजना को साकार करने में मंत्रालय को मिले पूरे सहयोग के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन, प्रेरणा और नेतृत्व से ही यह काम पूरा हो पाया है। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री ने पदभार संभालने के बाद देश के अंतर्देशीय जलमार्गों के अध्ययन और अनुसंधान की पहल की थी। पहले नदी क्रूज के लिए यूरोप और समुद्री क्रूज के लिए मियामी का उदाहरण दिया जाता था तथा यह धारणा थी कि भारत में ऐसी परियोजनाएं संभव नहीं हैं जबकि देश में गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी विशाल नदियां हैं। भारत ने दुनिया का सबसे लंबा नदी क्रूज पूरा कर वैश्विक मानक स्थापित किया है, जिसने 3,200 किलोमीटर की यात्रा में 27 नदी प्रणालियों को पार किया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यमुना में शुरू हुई 'नमो यमुना सफारी' केवल क्रूज, सफारी या नौका यात्रा नहीं बल्कि मां यमुना के प्रति लोगों की गहरी आस्था, प्रेम और श्रद्धा का प्रतीक है। यह दिल्लीवासियों के लिए नया अनुभव है जिसके लिए पहले उन्हें दूसरे शहरों और नदियों तक जाना पड़ता था। उन्होंने कहा कि यहां लाइट एंड साउंड शो, मनोरंजन गतिविधियों तथा बच्चों और वयस्कों के लिए विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना सफारी का आनंद लेने और अपने बच्चों को पवित्र यमुना तथा प्रकृति से परिचित कराने का आह्वान किया।

श्रीमती गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के सहयोग से दिल्ली में यातायात की भीड़ कम करने के लिए एक लाख 25 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं लागू की गयी हैं। इसके तहत बड़े फ्लाईओवर बनाये गये हैं और नये एक्सप्रेसवे तैयार किये गये हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने पिछले 21 महीनों में पर्यावरण के क्षेत्र में भी काम



किया है और लोगों को पर्यावरण संरक्षण के साथ त्योहार मनाने के अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व और गृह मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में दिल्ली लगातार आगे बढ़ रही है। इस दौरान राज्य सरकार में मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि उनकी सरकार की पहली प्राथमिकता यमुना रिवरफ्रंट का विकास करना है, जो पूरी नदी की सफाई के बाद ही संभव है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली सरकार ने 18-19 महीनों में दिल्ली से गुजरने वाली यमुना की 52 किलोमीटर लंबी धारा के आधे हिस्से की सफाई की है।

गोवर्धन पूजा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का संदेश देती है : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने मंगलवार को गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर इस्कॉन मंदिर ईस्ट ऑफ कैलाश दक्षिण दिल्ली में पारंपरिक विधि-विधान से गोवर्धन पूजा की और भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष शीश नवाकर पूजा-अर्चना की। उन्होंने कहा कि गोवर्धन पूजा भक्ति, विनम्रता, कृतज्ञता और प्रकृति के प्रति श्रद्धा जैसे शाश्वत मूल्यों का प्रतीक है। यह पर्व मानवता को प्राकृतिक पर्यावरण के सम्मान एवं संरक्षण के अपने दायित्व का स्मरण कराता है तथा अपनी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है।

मंदिर प्रवास के दौरान विजेंद्र गुप्ता ने मंदिर में आयोजित धार्मिक अनुष्ठानों एवं अन्नकूट उत्सव में भाग लिया, भगवान को अर्पित किए गए भव्य भोग के दर्शन किए तथा भगवान श्रीकृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पारंपरिक पूजा-अर्चना एवं भक्तिमय अनुष्ठानों के माध्यम से अपनी श्रद्धा अर्पित की और श्रद्धालुओं के साथ इस पावन अवसर के उत्सव में सहभागिता की। अध्यक्ष ने कहा कि ऐसे पर्व आस्था, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक निरंतरता के बंधनों को सुदृढ़ करते हैं तथा लोगों को करुणा, सद्भाव और निःस्वार्थ सेवा के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर विजेंद्र गुप्ता ने इस्कॉन कम्युनिकेशंस के निदेशक बृज नंदन दास को दिल्ली विधानसभा की आधिकारिक पत्रिका 'विधान चेतना' भेंट की। यह पहल आध्यात्मिक एवं सामाजिक संगठनों के साथ विधानसभा के विधायी, सांस्कृतिक और बौद्धिक योगदान को साझा करने के महत्व को दर्शाती है।



अध्यक्ष ने मंदिर के पदाधिकारियों एवं श्रद्धालुओं से भी संवाद किया तथा आध्यात्मिक परंपराओं के संरक्षण और भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाओं एवं दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए उनके प्रयासों की सराहना की। विधानसभा अध्यक्ष ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर समस्त दिल्लीवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह पर्व प्रत्येक परिवार के जीवन में शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आएगा। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी समाज को धर्म, कर्तव्य, भक्ति और सामूहिक कल्याण के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती हैं तथा उनकी प्रासंगिकता युगों-युगों से बनी हुई है।

दिल्ली में दूषित पानी से हाहाकार, 20 दिनों से हजारों लोग परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी दिल्ली के पटपड़गंज विधानसभा क्षेत्र में दूषित पेयजल की आपूर्ति ने हजारों लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। पश्चिम विनोद नगर सहित आसपास की कई कॉलोनियों में पिछले 20 दिनों से घरों के नलों में गंदा और दुर्गंधयुक्त पानी आ रहा है। पानी से सीवर जैसी तेज बदबू आने के कारण लोग इसका इस्तेमाल पीने और खाना बनाने के लिए तो दूर, घरेलू कार्यों में भी करने से बच रहे हैं। लगातार बनी इस समस्या से स्थानीय निवासियों में संक्रमण और पेट संबंधी बीमारियां फैलने की आशंका बढ़ गई है। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि घरों में पेयजल के नियमित कनेक्शन होने के बावजूद लोगों को अपनी जरूरत पूरी करने के लिए निजी जल संयंत्रों से पानी के जार खरीदने पड़ रहे हैं। इससे परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। दीपावली जैसे त्योहार पर भी क्षेत्र के लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो सका और उन्हें साफ-सफाई से लेकर भोजन तैयार करने तक के लिए पानी का अलग से प्रबंध करना पड़ा। स्थानीय निवासियों के अनुसार, पश्चिम विनोद नगर के ए, बी और ई ब्लॉक, नॉर्थ ब्लॉक तथा मंडावली के पाल मोहल्ले में दूषित पानी की समस्या लगातार बनी हुई है। लोगों का कहना है कि नल खोलते ही पानी से इतनी तेज दुर्गंध आती है कि आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो जाता है। पानी का रंग और उसकी गंध देखकर लोग उसे इस्तेमाल करने से डर रहे हैं।

रोजाना पानी खरीदने को मजबूर परिवार- दूषित जलापूर्ति के कारण लोगों को प्रतिदिन 30 से 40 रुपये खर्च करके पीने का पानी खरीदना पड़ रहा है। जिन परिवारों में छोटे बच्चे और बुजुर्ग हैं, उनकी चिंता और भी बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नियमित रूप से पानी का बिल चुकाने के बावजूद उन्हें स्वच्छ पेयजल के लिए बाजार पर निर्भर रहना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी राधेश्याम ने बताया कि क्षेत्र में 20 दिनों से अधिक समय से यह समस्या बनी हुई है। उनका आरोप है कि पेयजल और सीवर की पाइपलाइन आपस में मिल जाने के कारण घरों तक दूषित पानी पहुंच रहा है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया तो दूषित पानी के सेवन से लोगों को पेट संबंधी बीमारियों और संक्रमण का सामना करना पड़ सकता है।

बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ी चिंता- क्षेत्र में रहने वाले अभिभावकों को विशेष रूप से छोटे बच्चों के स्वास्थ्य की चिंता सता रही है। लोगों का कहना है कि दूषित पानी के कारण रोजमर्रा के कामकाज प्रभावित हो रहे हैं। त्योहार के दौरान भी घरों की सफाई, बर्तन धोने और खाना बनाने के लिए अलग से पानी खरीदना पड़ा। निवासियों ने सवाल उठाया कि जब वे जल बोर्ड को नियमित रूप से पानी का बिल देते हैं और उनके घरों में पेयजल के कनेक्शन भी हैं तो उन्हें स्वच्छ पानी उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी कौन निभाएगा।

सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

-मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 15 लाख से अधिक राशन कार्डधारक परिवारों को दीपावली के मौके पर भेजी बैंक खाते में 141.88 करोड़ की राशि

नई दिल्ली, एजेंसी।

दीपावली के मौके पर मंगलवार को दिल्ली सरकार ने 15 लाख से अधिक परिवारों को मुफ्त सिलेंडर की राशि उनके बैंक खाते में भेजी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में राशन कार्डधारक परिवारों को यह आर्थिक सहायता प्रदान की। मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे सहायता राशि भेजी। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा आदि मौजूद रहे।



इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार अपने घोषित संकल्पों को पूरा करने और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर आर्थिक सहायता देने की योजना इसी प्रतिबद्धता का हिस्सा है। सरकार का प्रयास है कि त्योहारों के अवसर पर परिवारों को आर्थिक सहयोग मिले और घरेलू खर्च का बोझ कम हो। सहायता राशि सीधे बैंक खातों में हस्तांतरित करने से लाभार्थियों तक आर्थिक सहयोग पहुंचाने की प्रक्रिया सरल और पारदर्शी बनती है।

जानकारी के अनुसार सरकार ने राशन कार्डधारक परिवारों को होली और दीपावली पर एलपीजी सिलेंडर के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना बनाई थी। इसी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष दीपावली के अवसर पर दिल्ली के 15,45,994 परिवारों के बैंक खातों में कुल 141.88 करोड़ रुपये की सहायता राशि डीबीटी के माध्यम से भेजी गई। इनमें प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के 1,24,964 परिवार और नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के 14,21,030 परिवार शामिल हैं। इनमें पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 642 रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। वहीं नॉन पीएमयूवाई श्रेणी के प्रत्येक परिवार को 942 रुपये की सहायता राशि दी गई।

माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना लक्ष्य : सिरसा

दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि दिल्ली सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली की माताओं-बहनों से किए गए संकल्प को पूरा करते हुए यह महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इससे पहले होली के अवसर पर भी पात्र परिवारों को इस योजना का लाभ दिया गया था। हमारा उद्देश्य केवल त्योहारों पर आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि महंगाई के इस दौर में परिवारों के घरेलू खर्च को कम करने का साथ माताओं-बहनों की बचत बढ़ाना है।

दिल्ली में प्रदूषण से सांसों पर संकट, सरकार पर बरसे अरुण तोमर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर आम आदमी पार्टी के घोंडा विधानसभा के पूर्व संगठन मंत्री अरुण तोमर ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दीपावली के बाद प्रदूषण के आंकड़ों ने सरकार के दावों की पोल खोल दी है। सरकार प्रदूषण नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाने के बजाय केवल प्रचार कर रही है। अरुण तोमर ने कहा कि दिल्ली में वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 के पार पहुंचने से राजधानी गैस चैंबर में तब्दील हो गई है। कई इलाकों में हालात बेहद गंभीर हैं और सरकार की शीतकालीन कार्ययोजना का जमीन पर कोई प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की तीन न्यायाधीशों की पीठ भी राजधानी में गंभीर होते प्रदूषण पर चिंता जताते हुए सरकार और संबंधित अधिकारियों के प्रयासों को नाकाफी बता चुकी है। इसके बावजूद प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। तोमर ने कहा कि जहरीली हवा के कारण बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। लाखों लोग दूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से शीतकालीन कार्ययोजना तत्काल प्रभावी ढंग से लागू करने और प्रदूषण नियंत्रण के लिए कठोर कदम उठाने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रचार से बाहर निकलकर जनता को राहत देने के लिए धरातल पर काम करना चाहिए।

दिल्ली में आगामी सीजन में लगेंगे तीन लाख ट्यूलिप, नेहरू पार्क में बनेगा ट्यूलिप गार्डन

-एनडीएमसी आयातित बल्बों पर निर्भरता घटाने की तैयारी में, पिछले सीजन में 40 हजार बल्ब किए गए तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के पार्क और सार्वजनिक स्थल आगामी वसंत में तीन लाख ट्यूलिप के फूलों से गुलजार होंगे। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) अपने क्षेत्र में आगामी सीजन में तीन लाख आयातित ट्यूलिप बल्ब लगाएगी। वहीं, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के क्षेत्र में भी 1.67 लाख ट्यूलिप लगाए जाने की योजना है। एनडीएमसी इस साल नेहरू पार्क में एक विशेष ट्यूलिप गार्डन भी विकसित करेगी।

दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने मंगलवार को लोधी गार्डन स्थित एनडीएमसी की हाईटेक नर्सरी का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने ट्यूलिप ग्रोथ-कम-स्टोरेज चैंबर, कम्पोस्टिंग सुविधा, कैक्टस हाउस और बागवानी में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक मशीनों का निरीक्षण किया। उन्होंने ट्यूलिप की स्थानीय स्तर पर खेती की क्षमता विकसित करने और आयातित बल्बों पर निर्भरता कम करने के एनडीएमसी के प्रयासों की सराहना की।

स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप बल्ब तैयार करने की पहल

एनडीएमसी ने वर्ष 2022 में स्थानीय स्तर पर ट्यूलिप उगाने की पहल शुरू की थी। पिछले सीजन में करीब 40 हजार ट्यूलिप बल्ब तैयार किए गए। इनमें से लगभग 24 हजार बल्ब आगामी सीजन में फूलों के लिए लगाए जाएंगे, जबकि शेष का इस्तेमाल ग्रोथ चैंबर में बल्बों का आकार बढ़ाने के प्रयोग में होगा। हालांकि, आगामी सीजन के लिए एनडीएमसी और डीडीए क्षेत्रों में कुल 4.67 लाख बल्ब खरीदने की योजना है। इनमें तीन लाख एनडीएमसी और 1.67 लाख डीडीए क्षेत्र के लिए होंगे। एनडीएमसी आम लोगों को गमलों में ट्यूलिप लगाने के लिए भी उपलब्ध कराएगी।

हर साल तैयार होंगे 80 हजार पौधे

करीब 300 वर्ग मीटर में फैली हाईटेक नर्सरी में एक चक्र में 18 से 20 हजार पौधे तैयार किए जा सकते हैं। साल में चार उत्पादन चक्रों के हिसाब से यहां करीब 80 हजार पौधे तैयार करने की क्षमता है। कैक्टस हाउस में कैक्टस और सक्यूलेंट्स की करीब 400 प्रजातियों के नमूने हैं।



पेड़ों के उपचार में ट्री एंबुलेंस की भूमिका उपराज्यपाल ने बीमार और पुराने पेड़ों के उपचार के लिए इस्तेमाल की जा रही ट्री एंबुलेंस का भी निरीक्षण किया। इसमें हाई प्रेशर जेटिंग मशीन और पेड़ों की छंटाई व उपचार के लिए विशेष उपकरण उपलब्ध हैं। यह खोखले तनों वाले पेड़ों की ट्री सर्जरी करने में भी सक्षम है।

सचिव नियमित वेतन के लिए लगा रहे दौड़, समितियों पर पड़े ताले; बुवाई के समय पर खाद के लिए भटक रहे किसान

आगरा। नियमित वेतन की मांग के लिए लखनऊ में चल रहे आंदोलन में बुधवार को समितियों के कर्मचारी शामिल होने पहुंचे। इस कारण पूरे दिन ताले लटके रहे। खेतों में चलने वाले ट्रैक्टरों की चाल थम गई। किसानों की बिना उर्वरक के बुवाई नहीं हो सकी। आज भी खाद मिलने के आसार कम हैं। जिले की 96 समितियों पर सचिव सहित कुल 92 कर्मचारी कार्यरत हैं। इस समय आलू, सरसों और गेहूं आदि रबी फसलों की बुवाई चल रही हैं। किसानों को उर्वरक की सख्त जरूरत है। जिले के करीब 70 कर्मचारी लखनऊ धरना में शामिल होने के लिए सुबह ही रवाना हो गए। इस वजह से जिलेभर में सभी पर ताले लटके रहे। किसान खाद के लिए समितियों के चक्कर लगाते रहे। करीब 80 हजार हेक्टेयर में आलू की खेती होती है। पहले से ही महंगे बीज और खाद की किल्लत के कारण फसल बुवाई में देरी हुई है। अभी 40 फीसदी भी बुवाई नहीं हो सकी है। जबकि जिले के 80 फीसदी किसान अक्तूबर माह में ही पूरी कर लेते हैं। सैंया के किसान छीतर प्रसाद ने बताया कि आलू का बीज चार दिन से उपचारित करके रखा है। बिना खाद के बुवाई नहीं हो पा रही है। फतेहाबाद के नगर चंद निवासी किसान दुर्ग सिंह ने बताया कि चार दिन पहले समिति पर कागज जमा किए हैं। आज आए तो ताला लटका मिला। बिना खाद के कैसे बुवाई हो। हड़ताल के कारण इरादतनगर, किरावली, सैंया, लादूखेड़ा, बाह, अकोला सहित पूरे जिले में किसान चिंतित हैं। इरादतनगर सहकारी समिति पर पहुंचे किसान बनवारी लाल त्यागी और अकोला की समिति पर पहुंचे शैलेंद्र सिंह ने बताया कि ऐसे समय पर हड़ताल से फसल पूरी तरह बर्बाद हो जाएगी। लादूखेड़ा समिति से जुड़े किसान शंकर सिंह व विजय सिंह ने बताया समिति पर पिछले चार दिनों से खाद नहीं है। समिति पर ताला लटका है। निजी दुकानदारों से 1350 रुपये की डीएपी 1700 से 1800 रुपये प्रति कट्टा खरीदनी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश सहकारी समिति कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष नरसिंह भदौरिया ने कहा कि विभिन्न संगठनों से जुड़े आगरा के करीब 70 समिति कर्मचारी लखनऊ आए हैं। सहकारिता मंत्री ने 20 दिन का समय मांगा है। हड़ताल खत्म करने की अपील की है। आज सुबह शीर्ष नेतृत्व की बैठक होगी उसमें हड़ताल पर आगे का निर्णय लिया जाएगा।- , पीईटी परीक्षा के चलते कल 12वीं तक के स्कूल बंद- प्रशासन ने जारी किया छुट्टी का आदेश, सभी बोर्डों के विद्यालयों पर लागू उत्तर प्रदेश संयुक्त सहकारी समिति कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष मुकेश चौधरी ने बताया कि सरकार कर्मचारियों के नियमित वेतन और बकाया भुगतान की व्यवस्था नहीं करती तब तक समितियों में तालाबंदी और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

मुख्यमंत्री ने कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला गुढ़मुक्तेश्वर तथा तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की



लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज अपने सरकारी आवास पर आहूत एक उच्चस्तरीय बैठक में कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेला गुढ़मुक्तेश्वर तथा तिगरी मेले की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में मेरठ, बरेली, अमरोहा, हापुड़, मुरादाबाद आदि मण्डलों/जनपदों के प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े। मुख्यमंत्री जी ने मेले की समयबद्ध तैयारियों के निर्देश देते हुए कहा कि 'वेस्टर्न उत्तर प्रदेश का मिनी कुम्भ' यह मेला श्रद्धा, अनुशासन व स्वच्छता का प्रतीक बनेगा। उन्होंने अधिकारियों को श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित, सुगम यातायात व स्वच्छता की सुदृढ़ व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आगामी 17 से 26 नवम्बर तक लगने वाले इस मेले में 25 से 30 लाख श्रद्धालु शामिल होंगे। कार्तिक पूर्णिमा 24 नवम्बर को मुख्य स्नान पर्व होगा। यहां आस्था, परम्परा व सुव्यवस्था का संगम होगा, इसलिए किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। सभी तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर ली जाएं। यहां सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल समेत समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बिल्कुल न हो। मुख्यमंत्री ने शासन के गृह, लोक निर्माण विभाग, परिवहन, सिंचाई, नगर विकास, ऊर्जा, पंचायती राज, स्वास्थ्य समेत सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को मेला प्रारम्भ से पहले स्थलीय निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मेले के कमाण्ड एरिया में शराब व नशे की वस्तुओं की बिक्री न होने दी जाए और न ही मेला स्थलों पर आस्था के विपरीत कोई आचरण होने पाये। घाटों पर स्नान के लिए पर्याप्त सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। मेले के दौरान प्रत्येक घाट पर जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। पर्याप्त स्वच्छता कर्मियों की तैनाती की जाए। मेला क्षेत्र में सी0एच0सी0 स्तर के अस्थायी हॉस्पिटल बनाए जाएं। पर्याप्त मैनपावर, एम्बुलेंस समेत सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध रहें। विद्युत की नियमित आपूर्ति व शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त पुलिस बल, महिला पुलिसकर्मी, एन0डी0आर0एफ0, एस0डी0आर0एफ0 की टीमें दोनों तरफ तैनात की जाएं। मेले से पहले ए0डी0जी0, आई0जी0, डी0आई0जी0, एस0एस0पी0 स्तर के अधिकारी पुलिस बल की कार्डसिलिंग कर लें। पुलिसकर्मी रील बनाने की प्रवृत्ति से दूर रहें। पब्लिक एड्रेस सिस्टम, वॉच टावर, फायर टेण्डर, सी0सी0टी0वी0, यातायात-पार्किंग प्रबन्धन, डायवर्जन आदि की समुचित व्यवस्था की जाए। मुख्यमंत्री जी ने निर्देश दिया कि मेले में खेलकूद व सांस्कृतिक गतिविधियों को प्रोत्साहित किया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्थानीय कलाकारों को मंच दिया जाए। मंच पर सभ्य कार्यक्रम ही हों, आस्था के विपरीत कोई भी कार्यक्रम न हो। स्थानीय जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित कर हर आयुवर्ग के विजेताओं को सम्मानित किया जाए। उन्होंने पर्यटन-संस्कृति विभाग को निर्देशित किया कि मेले में श्रीमद्भागवत कथा, रासलीला, रामलीला, भगवान शिव से जुड़े आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। लेजर शो, ड्रोन शो आदि भी कराए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार करने वाले अराजक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान नशे के खिलाफ अभियान चलाया जाए। बच्चों की स्लोगन, भाषण, वाद-विवाद, निबन्ध आदि प्रतियोगिताएं कराई जाएं। पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर धार्मिक व राष्ट्रभक्ति गीत बजाए जाएं और जनता के बीच अच्छे कार्यों को पहुंचाया जाए। शासन की योजनाओं व उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने सुरक्षा के दृष्टिगत निर्देश दिया कि फायर टेण्डर अलर्ट मोड पर रहे। कंट्रोल रूम 24 घण्टे सक्रिय रहे। मेले में अवांछनीय तत्वों व वन्यजीवों के प्रति सतर्कता बरती जाए। परिवहन विभाग श्रद्धालुओं के आवागमन के मद्देनजर अतिरिक्त बसों की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

प्रदूषण पर पहरा लगाने वाले ही दिल्ली की हवाओं को बना रहे जहरीला, सड़कों पर धूल; उठ रहा धुआं

नई दिल्ली। दिल्ली की आबोहवा खराब होने के बाद भी सरकारी एजेंसियां ही राजधानी में कई जगहों पर हवाओं का जहरीला बना रही हैं। एमसीडी, एनडीएमसी, पीडब्ल्यूडी सरीखी जिन एजेंसियों पर प्रदूषण रोकने के नियम लागू कराने की जिम्मेदारी है, उनके कामकाज में ही धूल-धुआं रोकने के नियम-कायदों की अनदेखी आम है। फिर वह दिल्ली को चलाने वाली एमसीडी मुख्यालय सिविक सेंटर से गुजरती सड़क हो, तुर्कमान गेट, दिल्ली गेट, फिरोजशाह रोड और शिव विहार सरकारी कामों में ही धूल और मलबे को नियंत्रित करने के इंतजाम नदारद दिखे। अमर उजाला की बुधवार ग्राउंड रिपोर्ट में दिखा कि कहीं सड़क खोदकर छोड़ दी गई है, कहीं फुटपाथ पर निर्माण सामग्री बिखरी है तो कहीं खुले में सीमेंट और मिट्टी का इस्तेमाल हो रहा है।



सिविक सेंटर के सामने टैगोर रोड पर करीब चार महीने पहले निर्माण कार्य शुरू हुआ था। लेकिन मौके पर सड़क की हालत देखकर काम की रफ्तार और उसके प्रबंधन, दोनों पर सवाल उठ रहे हैं। सड़क टूटी है, जगह-जगह गड्ढे हैं और निर्माण से निकला मलबा अब तक पड़ा हुआ है। फुटपाथ पर टाइल लग रहा है। सड़क के किनारे बालू और मलबा खुले में पड़ा दिखा। पैदल चलने वालों की सुविधा के लिए बने फुटपाथ पर मलबा बिखरा हुआ है। लोगों का सवाल है कि सामग्री को ढककर रखने, निर्माण क्षेत्र को व्यवस्थित रखने और मलबे को समय पर हटाने के इंतजाम कहां हैं? दिल्ली गेट पर चौराहे के पास खुदाई का काम जारी दिखा। वहां पत्थर लगाए जा रहे थे और काम के दोनों तरफ मलबा फैला हुआ दिखाई दिया। व्यस्त सड़क और चौराहे के आसपास इस तरह की स्थिति यातायात और पैदल चलने वालों की परेशानी बढ़ा सकती है। इसके साथ ही निर्माण सामग्री और मलबे को व्यवस्थित रखने की जरूरत भी सामने आती है। फिरोजशाह रोड पर मुख्य सड़क के किनारे एक ट्रक से मिट्टी गिराई गई। कुछ घंटों बाद इसी मिट्टी को उठाकर निर्माण कार्य में इस्तेमाल किया गया। यानी मिट्टी को कुछ समय के लिए खुले में सड़क किनारे छोड़ दिया गया। यही नहीं, मिट्टी लाने, उतारने, रखने और इस्तेमाल करने का तरीका भी प्रदूषण नियंत्रण का इंतजाम नहीं था। इस दौरान धूल उड़कर आबोहवा को दमघोटू बनाती रही। पूर्वी दिल्ली के शिव विहार तिराहे पर हनुमान मंदिर के पीछे कबाड़ा जलाने का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। यहां खुले में कबाड़ा और कचरे में आग लगाए जाने से काले धुएं का गुबार उठता नजर आ रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अमूमन यहां ऐसा होता है। इसकी शिकायत के बावजूद इस पर रोक लगाने के इंतजाम नहीं किए गए हैं।

साहिबाबाद सब्जी मंडी के पास चलती कार में लगी आग, चालक ने समय रहते बाहर कूदकर बचाई जान

गाजियाबाद। साहिबाबाद सब्जी मंडी के पास बुधवार सुबह एक कार में अचानक आग लग गई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए आग पर काबू पा लिया। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। सीएफओ सौरभ कुमार सिंह ने बताया कि फायर स्टेशन साहिबाबाद के कंट्रोल रूम को बुधवार सुबह 10:33 बजे चार्ली-2 कंट्रोल रूम से आरटी सेट के माध्यम से सूचना मिली कि साहिबाबाद सब्जी मंडी के पास एक कार में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही प्रभारी के नेतृत्व में फायर सर्विस यूनिट तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हो गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि दिल्ली निवासी आखिरुद्दीन खान की कार में आग लगी हुई थी। फायर सर्विस यूनिट ने एमएफई से पंपिंग कर आग बुझाने का कार्य शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर प्रभावी रूप से काबू पा लिया गया और आग को पूरी तरह बुझा दिया गया। अग्निशमन कार्य पूरा होने के बाद दमकल कर्मियों ने मौके पर मौजूद लोगों को आग से बचाव और सुरक्षा संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके बाद फायर सर्विस यूनिट वापस फायर स्टेशन के लिए रवाना हो गई। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। शुरुआती जांच में सामने आया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी है। हालांकि, मामले की जांच की जा रही है।



ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत, मजदूरी कर लौट रहे थे दोनों

पीलीभीत। पीलीभीत के न्यूरिया थाना क्षेत्र में सड़िया नहर पुल के पास बुधवार रात करीब नौ बजे ट्रैक्टर और बाइक की भिड़ंत में दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहे युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। सैजनिया गांव निवासी भानू प्रताप (28 वर्ष) पुत्र नंदलाल और तंशुक (35 वर्ष) पुत्र ईश्वरी प्रसाद बाइक से अपने गांव जा रहे थे। सड़िया नहर पुल के पास न्यूरिया की ओर से आ रहे ट्रैक्टर से उनकी बाइक की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में बाइक चला रहे भानू की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, तंशुक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल भेजा गया। वहां उपचार के दौरान उसकी भी मौत हो गई। हादसे की सूचना पर थाना प्रभारी दिगंबर सिंह और उपनिरीक्षक जगदीश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। दुर्घटनाग्रस्त ट्रैक्टर और बाइक को भी कब्जे में ले लिया गया है।

कुत्ते को बचाने के चक्कर में ऑटो अनियंत्रित होकर पलटा

गाजियाबाद। पाइपलाइन मार्ग पर लांघई कॉलोनी कट के पास सोमवार सुबह अचानक सड़क पर आए कुत्ते को बचाने के प्रयास में ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में ऑटो चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, लोनी के बंथला फ्लाईओवर के पास रहने वाले सोनू कुमार (36) पुत्र बाबू सोमवार सुबह करीब 8:25 बजे ऑटो लेकर पाइपलाइन मार्ग से गुजर रहे थे। लांघई कॉलोनी कट के पास अचानक ऑटो के सामने कुत्ता आ गया। उसे बचाने के लिए ब्रेक लगाने पर ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में सोनू गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल को तत्काल सीएचसी मुरादनगर ले जाया गया। वहां से उन्हें जिला अस्पताल गाजियाबाद रेफर कर दिया गया।

शराब और बंदूकों का शौकीन है ट्रिपल मर्डर का आरोपी, सांप को गले में लपेट कर घूमता था इलाके में

लखनऊ। साअदतगंज में सोमवार को हुए तिहरे हत्याकांड का आरोपी ऋषभ मोहल्ले में फिल्मी अंदाज में लोगों पर दबंगई दिखाता था। कई बार तो वह बिना वजह घर के बाहर फायरिंग करता था। दबंगई दिखाना, बंदूकों के साथ फोटो खिंचवाना, शराब और पार्टी करना उसका शगल था। उसकी इंस्टाग्राम आईडी उसके शगल की फोटो से पटी हुई हैं। वह बेखौफ होकर मोहल्ले में फायरिंग करता था। उसका निशाना अचूक था। इतना ही नहीं वह कभी-कभी सपेरों से सांप लेकर अपने गले में लपेट कर घूमता था। उसका यह सब करने का सिर्फ उद्देश्य लोगों के मन में अपना डर बैठाना था। इसलिए उसने शिवाजी के भाई और बेटे की हत्या सरेआम की थी। वह हत्या करने के बाद भागा तक नहीं था। निशाना इतना अचूक कि जब तीनों जान बचाकर भाग रहे थे तब उसने एक ही जगह से खड़े होकर उन्हें गोली मारी थी। इसके बाद उसने पिस्तौल से मैगजीन निकाली थी और अन्य लोगों को भी गोली मारने की धमकी दी थी। यह देख लोगों ने खुद को अपने कमरों में बंद कर लिया था। आरोपी के इंस्टाग्राम पर 38 हजार फॉलोअर हैं। जबकि उसने 69 लोगों को फॉलो कर रखा है। वहीं करीब 50 फोटो पोस्ट हुई हैं। इनमें से अधिकांश में वह हथियारों और महंगी कारों के साथ दिखा है। कुछ फोटो उसकी विदेश में आयोजित पार्टी की भी हैं। कुछ विडीयो भी आरोपी ने पोस्ट कर रखे हैं। सअदतगंज के नौबस्ता स्थित ब्राह्मणी टोला में हुए तिहरे हत्याकांड के तीसरे दिन बुधवार को भी तनाव के मद्देनजर कई थानों की पुलिस और पीएसी तैनात रही। मृतक शिवाजी तिवारी के परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने हंगामे की कोशिश की लेकिन पुलिस अधिकारियों ने उन्हें समझाकर शांत करा दिया। सोमवार को पार्किंग विवाद में पड़ोसी ऋषभ ने शिवाजी, उनके भाई शंभू और बेटे सुयश की गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस ने आरोपी ऋषभ समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया था। मंगलवार रात एलडीए ने दीवार का एक हिस्सा गिराकर रास्ता बंद किया तो परिजनों ने आरोपी का पूरा मकान गिराने की मांग करते हुए हंगामा किया था। बुधवार को डीसीपी पश्चिम जितेंद्र श्रीवास्तव के निर्देश पर एसीपी बाजारखाला रंजीत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर मौजूद रहे। इलाके में गश्त भी की गई।6 दोपहर में कांग्रेस दक्षिणी क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. सहजाद आलम के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर सांत्वना दी। साथ ही हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। शहर अध्यक्ष लखनऊ कांग्रेस कमेटी अमित श्रीवास्तव ने घटना की निंदा की।



भोजपुर से अगवा 20 वर्षीय छात्रा पिलखुवा से बरामद

गाजियाबाद। गाजियाबाद के भोजपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी 20 वर्षीय छात्रा को अगवा कर बंधक बनाने और दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने युवती को बरामद कर मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मामले में शामिल दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। पुलिस के अनुसार एक युवती 20 अक्तूबर को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई थी। परिजनों ने अपहरण का आरोप लगाते हुए भोजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। युवती की तलाश में पुलिस टीमों को लगाया गया था। दो दिन पहले पुलिस ने उसे बरामद कर लिया। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज कराए गए बयानों में युवती ने आरोप लगाया कि मूलचंद्र ने अपने दोस्त कलुआ के साथ मिलकर उसे पिलखुवा स्थित एक कमरे में बंधक बनाया और दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट भी की जाती थी। पुलिस ने रविवार को आरोपी मूलचंद्र निवासी पिलखुवा, जिला हापुड़ को गिरफ्तार कर लिया। दूसरे आरोपी कलुआ की तलाश में पुलिस टीम जुटी हुई है।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, पैर में लगी गोली; दर्ज हैं 16 मुकदमे

गाजियाबाद। शालीमार गार्डन थाना पुलिस ने सोमवार रात मुठभेड़ के दौरान 25 हजार रुपये के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लगी। घायल बदमाश को प्राथमिक उपचार दिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से .315 बोर का एक तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, चोरी की एक स्कूटी और एक आईफोन बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 27 अक्तूबर की तड़के 4 बजे डीएलएफ चौकी प्रभारी पुलिस टीम के साथ भगत सिंह चौक पर गश्त और चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान रैन बसेरा, विक्रम एन्क्लेव की तरफ से डीएलएफ क्षेत्र में एक स्कूटी सवार आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर वह स्कूटी मोड़कर भागने लगा। भागते समय उसकी स्कूटी कब्रिस्तान के मोड़ पर गिर गई, जिसके बाद वह स्कूटी छोड़कर कब्रिस्तान के अंदर वाली गली में भागने लगा। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस टीम को पीछा करते देखकर आरोपी ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पर गोली चला दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें उसके दाहिने पैर में घुटने के नीचे गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने उसे कब्रिस्तान के अंदर पकड़ लिया।पकड़े गए घायल आरोपी की पहचान 25 वर्षीय अमजद निवासी 20 फुटा रोड, प्रेम नगर, लोनी के रूप में हुई। पुलिस ने उसके पास से .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा कारतूस, एक खोखा कारतूस, स्कूटी नंबर और एक आईफोन बरामद किया। जांच में स्कूटी दिल्ली के थाना वजीराबाद क्षेत्र से चोरी की मिली। पुलिस के मुताबिक, अमजद के खिलाफ गाजियाबाद के विभिन्न थानों में 16 मुकदमे दर्ज हैं और उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। घटना की सूचना उच्चाधिकारियों को दे दी गई है। पुलिस मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

लाहौरी गेट में बंदूक की नोक पर 2.30 करोड़ की लूट, हथियारबंद चार बदमाश फरार

नई दिल्ली। दिल्ली में दिनदहाड़े 2.30 करोड़ रुपये की बड़ी लूट हुई है। यह वारदात लाहौरी गेट इलाके के एक कार्यालय में हुई। चर्च मिशन पुलिस पोस्ट के अधिकार क्षेत्र में चार हथियारबंद बदमाशों ने लूट को अंजाम दिया। बदमाशों ने कार्यालय में घुसकर एक कर्मचारी को बंदूक की नोक पर धमकाया और अलमारी में रखी नकदी बैगों में भर ली। लूटी गई कुल रकम 2.30 करोड़ रुपये बताई जा रही है। वारदात के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। वे ओल्ड दिल्ली रेलवे स्टेशन के ठीक सामने पहले से खड़ी एक कार में बैठकर भागे। इस मामले में लाहौरी गेट पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर लूट की धाराओं के तहत दर्ज हुई है। पुलिस ने मामले की जांच के लिए चार टीमें गठित की हैं। ये टीमें इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। संदिग्धों की पहचान और उनके भागने के रास्ते का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस टीमें विभिन्न कोणों से मामले की जांच कर रही हैं। सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों के चेहरे और वाहन की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस आसपास के इलाकों में भी पूछताछ कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास है कि बदमाशों को कार्यालय की जानकारी कैसे मिली। पुलिस जल्द ही आरोपियों को पकड़ने का दावा कर रही है।

NAME CHANGE

I, Sahabuddin S/o Rahimla R/o 202, Bajarka, Mewat Nuh, Haryana-122107, have changed my name to Sahabdin for all future purposes.

NAME CHANGE

I, JAIWANT SINGH RAWAT S/O DALIP SINGH R/O D-136, SECOND FLOOR,TAGORE GARDEN EXTN, DELHI-110027 HAVE CHANGED MY NAME TO JAIWANT SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES.

NAME CHANGE

I, Shalu Tanwar D/O Mam Chand Tanwar R/0 P4/14 Sec 75 Bptp Faridabad Haryana Have Change My Name To SHALU BHARDWAJ for all purposes.

NAME CHANGE

I, JAI PRAKASH S/O KHAIM CHANDRA R/O D-500, Gali No-13, Vikas Kunj, Loni Dehat Loni, Ghaziabad, Uttar Pradesh-201102 have changed the name of my minor son ANSHU aged 14 years and he shall hereafter be known as ANSH

NAME CHANGE

I, MOHAMMAD KHALID QURESHI S/O ABDUL RAZZAQ R/O HOUSE NO-993, WARD NO-7, THIRD FLOOR, MEHRAULI, DELHI-110030 have changed my name to MOHD KHALID QURESHI for all future purpose.

NAME CHANGE

I, Neelam Kour Rayat, W/O Sukhbir Singh, R/O House No. 3669, Near Overhead water tank, Sector-23, Cartarpuri Alias Daulatpur Nasirabad, Carterpuri, Gurgaon, Haryana- 122017 have changed my name to Neelam Rayat for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mahendra Singh S/ O Parbhati Lal R/O , Jakhopur Ward No. 9 Sohna Gurgaon Haryana Pin: 122103 Have Changed My Name To Mahender For All The Future Purposes.

NAME CHANGE

I, Ms. Khushboo D/O Mahender , Jakhopur Ward No. 9 Sohna Gurgaon Haryana Pin: 122103 Have Changed My Name To Khushboo For All The Future Purposes.

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Sumit** is purchasing the **Plot No.A-28, admeasuring 47 Sq. Yds., carved out of Khasra No.67/9/12, situated at Village Hastsal, colony known as Om Vihar, Phase-V, Block-A, Uttam Nagar, New Delhi-110059**; from **Mr. Iliyas Mohammad** who is the owner of the property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 10.12.2022 and Intend to mortgage the said property with **Truhome Finance Limited (Formerly known as Shriram Housing Finance Limited) Branch – Green Park, New Delhi.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, KAPIL LAKHCHAURA S/O DINESH LAKHCHAURA residing at G-19, BLOCK-B, KAMAL VIHAR, KAMAAL PUR, BURARI, DELHI-110084 declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as KAPIL LAKHCHAUDA, DINESH CHAND LAKHCHAUDA and RAHDA LAKHCHAUDA in my in my all educational documents. The actual name of mine, my father and my mother are KAPIL LAKHCHAURA, DINESH LAKHCHAURA and RAJESHWARI LAKHCHAURA respectively, which may be amended accordingly. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

PUBLIC NOTICE

Mr. Sanjay Kumar Agrawal & Kiran Agrawal Owner of the Residential PLOT NO-210 POCKET-J SECTOR GAMMA - II, Greater Nagar, U.P. Mr. *Sanjay Kumar Agrawal & Kiran Agrawal* have lost Original *Allotment* *letter* executed by Sanjay Kumar Agrawal & Kiran Agrawal *&* *Allocation* *letter* of the said property, for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his email - krnagr@yahoo.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc, shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage.

Sanjay Kumar Agrawal
D -235, 2nd Floor, Sarvodya Enclave, South Delhi, Malviya Nagar, Delhi, 110017
M-No 91612 08187

NAME CHANGE

I, DEEBA ALAM W/O MAHMOOD ALAM R/O H NO R-277 UPPER GROUND FLOOR FLAT NO-2 GALI NO-3 SIR SYED ROAD JOGA BAI EXTN JAMIA NAGAR OKHLA DELHI-110025, have changed my name to DEEBA RIZWAN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, NEERU W/O GUNEET KUMAR R/O H NO-8 BLOCK NO-8 3RD FLOOR SUBHASH NAGAR DELHI-110027, have changed my name to NEERU SEHGAL for all future purpose.

NAME CHANGE

I KAYRUN NESSA legally mother of Army No - 15799126Y, Rank - LHav Name - BASHIR UDDIN AHMED, Presently Residing At - VILL-BEHAIRDALA, Post - LILACHILA, Teh - RAMKRISHNA NAGAR Dist - SRIBHUMI, State - ASSAM, Pin - 788734 have changed my name from KAYRUN NESSA to KHAYRUN NESSA for all future purposes, Vide Affidavit dated 10/11/2026 before Notary Delhi.

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, SOMANATH RAMA PAWASHE Father of No-2613615N, Rank-HAV, Name-PRAVEEN PAWASHE residing at 369/A, GANESH NAGAR, ALATAGE, TQ & DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-590010, have changed my name from SOMANATH to SOMANATH RAMA PAWASHE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1959 instead of my correct date of birth as 25/03/1955 Vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Public Delhi

NAME AND DATE OF BIRTH CHANGE

I, SUMAN SOMANATH PAWASHE mother of No-2613615N, Rank-HAV, Name-PRAVEEN PAWASHE residing at 369/A, GANESH NAGAR, ALATAGE, TQ & DIST-BELAGAVI, KARNATAKA-590010, have changed my name from SUMAN to SUMAN SOMANATH PAWASHE for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1964 instead of my correct date of birth as 01/06/1962 vide Affidavit dated 19/10/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Naveen kumar S/o Dharam Pal R/ o B-550-551,3 rd Floor, Bunkar Colony, Ashok Vihar Phase -4 North West Delhi 110052 have changed to Naveen Pathak for all future purpose

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती हबीबा (पत्नी श्री ताहिर) उस संपत्ति की मालकिन हैं, जिसका विवरण इस प्रकार है- संपत्ति संख्या C-295, क्षेत्रफल 40 वर्ग गज, खसरा संख्या 1/7 का हिस्सा, जो ग्राम ज़ियाउद्दीन पुर (आबादी क्षेत्र- ब्लॉक-C, गली नंबर 6, बृज पुरी, दिल्ली) में स्थित है। यह संपत्ति उन्हें श्री ताहिर (पुत्र श्री शफीक) से प्राप्त हुई है, जिसका दस्तावेज़ संख्या 2026/12/I/3572 (BK-I, वॉल्यूम 6929, पृष्ठ 89-110) है और इसे SRO- करावल नगर, दिल्ली में दिनांक 04.11.2026 को पंजीकृत किया गया था। यह संपत्ति सभी प्रकार के भार, ग्रहणाधिकार (liens), प्रभारों, बंधक (mortgages) और किसी तीसरे पक्ष के दावों से मुक्त है। उक्त संपत्ति की प्रस्तावित खरीद के लिए %वास्तु फिनसर्व इंडिया प्राइवेट लिमिटेड% (शाखा- नोएडा, उत्तर प्रदेश) द्वारा वित्तपोषण (financing) किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति को इस संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति है, तो कृपया नोटिस की तिथि से 7 दिनों के भीतर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति को कृपया नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक द्वारा और ईमेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजें। ऐसा न करने पर, उक्त दावा संबंधित संपत्ति के संबंध में अमान्य माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw@wvashwani@gmail.com

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लो

संक्षिप्त डायरी

सोसाइटियों में गोवर्धन पूजन की धूम

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। शहर में गोवर्धन पूजा का पर्व सोमवार को पारंपरिक तरीके से मनाया गया। कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में महिलाओं ने सुबह घरों की साफ-सफाई कर गोबर से गोवर्धन की आकृति बनाई। शाम को परिवार के सदस्यों और आसपास के लोगों ने एकत्र होकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ स्थानों पर मंगलवार को गोवर्धन पूजा की जाएगी। शहर के सेक्टर बीटा-1, अल्फा-1, अल्फा-2, गामा-1, डेल्टा-1 और डेल्टा-2 सहित विभिन्न सेक्टरों में गोवर्धन पूजन किया गया। कई मंदिरों में भी गोवर्धन की आकृति बनाकर सामूहिक पूजा का आयोजन हुआ। गोवर्धन के पास दूध, घी, खील, खिलौने और बताशे रखकर पूजा की गई। इसके बाद भक्तों को कचौड़ी, खीर और अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया गया। सेक्टर शिव मंदिर में भी सोमवार को गोवर्धन पूजन हुआ। इस दौरान बड़ी संख्या में सेक्टरवासी मंदिर में एकत्र हुए और सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना की। वहीं, कुछ सेक्टरों और सोसाइटियों में मंगलवार को गोवर्धन पर्व मनाया जाएगा। इसके लिए लोगों ने तैयारियां की हैं।

भगवान महावीर के निर्वाण कल्याणक पर लड्डू

न्यूज स्पीक्स

नोएडा। दीपावली के अवसर पर जैन समाज द्वारा भगवान महावीर स्वामी का 2552वां निर्वाण कल्याणक सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। सेक्टर-27 और सेक्टर-50 स्थित जैन मंदिर में जैन मंदिर में इस मौके पर विशेष धार्मिक आयोजन हुए। भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस पर लड्डू चढ़ाने की परंपरा निभाई गई। श्रद्धालुओं ने 11, 21, और 41 किलो के लड्डुओं सहित विभिन्न आकार के लड्डू भगवान को समर्पित किए। इससे पहले भगवान महावीर स्वामी का विशेष अभिषेक किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर घी से बने लड्डुओं का भोग लगाया गया। श्रद्धालुओं ने समर्पित किए निर्वाण लाडू मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। भगवान महावीर स्वामी के अभिषेक और शांतिधारा के बाद धार्मिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने निर्वाण लाडू समर्पित किए। मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में जैन समाज के लोग मौजूद रहे। सभी ने एक-दूसरे को भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण कल्याणक की शुभकामनाएं दीं और पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया। जैन समाज द्वारा इस अवसर पर सामूहिक निर्वाण लाडू समर्पण एवं चातुर्मास कलश वितरण समारोह का भी आयोजन हुआ। इसमें आर्यिका 105 आर्यमति माताजी ससंघ के सानिध्य में धार्मिक प्रवचन हुए। इसके साथ ही चातुर्मास के लिए कलश आरक्षित कराने वाले श्रद्धालु परिवारों को कलश वितरित किए गए। निर्वाण महोत्सव का आयोजन जैन धर्म में मान्यता है कि दीपावली के दिन भगवान महावीर स्वामी ने पावापुरी में निर्वाण प्राप्त किया था। इसी की स्मृति में जैन समाज दीपावली को निर्वाण महोत्सव के रूप में मनाता है। इस दिन मंदिरों में भगवान महावीर की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है और निर्वाण लाडू चढ़ाया जाता है। श्रद्धालु लड्डू अर्पित कर भगवान महावीर को बताए अहिंसा, सत्य और संयम के मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।

मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर तैनात अधिशासी अभियंता विद्युत अजीत भाई पटेल ने बेटी के जन्मदिवस के अवसर पर अपने पैतृक गांव बरनपुर के प्राथमिक विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान कक्षा-5 में पहला स्थान प्राप्त करने वाले छात्र और छात्रा को एक साइकिल पुरस्कार स्वरूप दी गई। इसके साथ ही गांव की गरीब विधवा महिलाओं, दिव्यांगजनों को जरूरत की सामग्री जैसे कंबल, कपड़े, शॉल आदि सामान उपहार के रूप में वितरित की गई। प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी ब्रदर्स परिवार बरनपुर की ओर से पिछले 10 साल से चली आ रही परंपरा को आगे बढ़ाया गया। अजीत भाई पटेल ने बताया कि यह परंपरा उनके दादा इंद्रकरण सिंह पूर्व प्रधानाचार्य ने शुरू की थी। इस मौके पर ग्रामीणों ने परिवार की इस परंपरा की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन से बच्चों में पढ़ाई के प्रति प्रेरणा और समाज में सहयोग की भावना बढ़ती है।

ग्रेटर नोएडा की तीन सड़कें चमकेंगी

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। शहर की तीन महत्वपूर्ण सड़कों की मरम्मत कर चमकाने का काम किया जाएगा। इसके लिए निविदा जारी कर कंपनियों से आवेदन मांगे गए हैं। प्राधिकरण इस काम पर लगभग सात करोड़ रुपये खर्च करेगा। यह काम पूरा होने पर आम लोगों को जाम और गड्ढे की समस्या से राहत मिलेगी। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर यातायात नियंत्रण के लिए इंटरलॉकिंग टाइल्स वाली सड़क का निर्माण होगा। इस पर 1.64 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। यह कार्य वर्क सर्किल-4 द्वारा कराया जाएगा। इससे एक्सप्रेसवे पर वाहनों की आवाजाही सुगम होगी और जाम की समस्या कम होगी। वहीं, सेक्टर ओमिक्रॉन-3 में 18 मीटर और 12 मीटर चौड़ी सड़क के साथ डी-ब्लॉक की आंतरिक सड़कों की भी मरम्मत की जाएगी। इस काम पर 1.77 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह काम वर्क सर्किल-6 द्वारा किया। इससे सेक्टर की टूटी सड़कों को नया रूप मिलेगा और लोगों को धूल और गड्ढों से निजात मिलेगी। अधिकारी के मुताबिक अंसल गोल्फ लिंक-1 सोसाइटी के ब्लॉक-ए और ब्लॉक-सी में भी विकास कार्य कराए जाएंगे। यहां आंतरिक सड़कों की मरम्मत पर 3.31 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

अन्नकूट महोत्सव का आयोजन

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-34 स्थित अरावली अपार्टमेंट के पार्क में सोमवार को आठवें गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया। जहां श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से भगवान कृष्ण और गोवर्धन पर्वत की पूजा-अर्चना की। भगवान को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया। इसके बाद श्रद्धालुओं ने गोवर्धन की परिक्रमा कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भजन-संध्या का आयोजन किया, जिसमें भजन गायकों ने भगवान श्रीकृष्ण के भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भक्तिरस में सराबोर किया। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

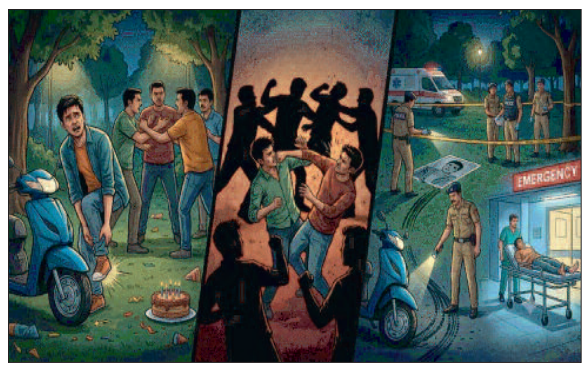
सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। भगवान सूर्य की उपासना के महापर्व छठ पूजा की तैयारी शुरू कर दी गई है। प्राधिकरण ने ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 से अधिक छठ घाटों पर साफ सफाई, सौंदर्यीकरण और प्रकाश व्यवस्था का काम किया जा रहा है। शुक्रवार यानी 13 नवंबर से नहाय खाय के साथ महापर्व की शुरूआत होगी। प्राधिकरण के साथ छठ आयोजन समितियों ने भी अपने स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। चार दिवसीय महापर्व की शुरूआत नहाय खाय से होगी। चार दिन तक चलने वाले इस महापर्व के दौरान भोजपुरी लोक संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों की धूम रहेगी। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक चेरी काउंटी टेकजोन-4 ग्रेटर नोएडा वेस्ट, आईईसी कॉलेज नॉलेज पार्क-दो के पास स्थित पार्क, नवादा गांव के पास स्थित शनि मंदिर, सेक्टर पाई दो स्थित काली बाड़ी मंदिर, कासना, कुलेसरा पुस्ता, सेक्टर म्यू दो, जू तीन आदि स्थानों पर छठ व्रतियों के लिए विशेष रूप से घाट की व्यवस्था की है। प्राधिकरण के परियोजना, विद्युत अभियांत्रिकी, स्वास्थ्य आदि विभागों द्वारा घाट की साफ-सफाई और मरम्मत का कार्य किया जा रहा है। सुरक्षा को लेकर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था दुरुस्त की जा रही है। वहीं, कृत्रिम तालाबों में पानी भरने की तैयारी की जा रही है। अधिकारी के मुताबिक 10 से अधिक स्थानों पर बड़े स्तर पर छठ पूजा का आयोजन किया जाता है। इसके अलावा विभिन्न सोसाइटी के स्विमिंग पूल और सेक्टरों के पार्कों में भी लोग छठ पूजा करते हैं।

नोएडा में बर्थडे पार्टी के दौरान स्कूटी टकराने पर खूनी संघर्ष में युवक की मौत, दोस्त की हालत गंभीर

न्यूज स्पीक्स



नोएडा। नोएडा के थाना फेज-1 क्षेत्र के अंतर्गत नयाबांस गांव के पास एक पार्क में जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्कूटी टकराने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई जबकि उसका एक दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 8 और 9 नवंबर की मध्यरात्रि को नयाबांस गांव के पास स्थित एक पार्क में अमित (25) अपने दोस्तों शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद के साथ मौजूद था। बताया जा रहा है कि देर रात जब सभी युवक स्कूटी से वहां से जाने लगे तो उनकी स्कूटी पार्क में मौजूद एक अन्य युवक के पैर से टकरा गई। उक्त युवक अपने कुछ साथियों के साथ पार्क में ही एक दोस्त का जन्मदिन मना रहा था। स्कूटी टकराने की बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते कहासुनी ने विवाद का रूप ले लिया और दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान हमलावरों की मारपीट में अमित के सिर पर गंभीर चोट लग गई। वहीं, उसके दोस्त शिवम के सिर में भी चोट आई। घटना के बाद दोनों घायलों को उनके दोस्त तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टरों ने अमित की जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, शिवम की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया। पुलिस के मुताबिक, फिलहाल शिवम की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है और उसका उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही थाना फेज-1 पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने मौके से संबंधित जानकारी जुटाने के साथ ही पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कर दी है। मृतक अमित के शव का पंचायतनामा भरने की कार्रवाई की जा रही है। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जाएगा, जिससे मौत के कारणों की विधिवत पुष्टि हो सके। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। घटना में शामिल आरोपियों की पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए चार अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि शुरूआती जानकारी में विवाद की वजह स्कूटी का एक युवक के पैर से टकराना सामने आया है। मामूली बात पर शुरू हुए इस विवाद में एक युवक की जान चली गई।

छत से युवक के सिर पर गिरा पत्थर, अस्पताल ले जाते समय मौत



न्यूज स्पीक्स

गुरुग्राम। मनोहर नगर में दिवाली की रात सिर पर पत्थर गिरने से 30 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह दोस्तों के साथ त्योहार मनाने आया था और छत पर एक कॉल सुनने गया था। इसी दौरान एक पत्थर उसके सिर पर लगा और वह वहीं गिर गया। दोस्त उसे अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया मूल रूप से बिहार का रहने वाला मिथुन अर्जुन नगर में रहता था और प्लंबर का काम करता था। रात करीब 11 बजे उसके मोबाइल पर कॉल आई। इसके बाद वह दोस्तों के साथ बैठना छोडकर छत पर फोन सुनने चला गया। इसी दौरान पास की दूसरी छत से एक भारी पत्थर उसके सिर पर गिरा। मिथुन घायल होकर वहीं गिर पड़ा। उसे स्थानीय सिविल अस्पताल ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर किया, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर न्यू कॉलोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। शुरूआती जांच के दौरान पुलिस अधिकारियों ने मीडिया से बात नहीं की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और पत्थर फेंकने वाले अज्ञात व्यक्ति की तलाश में जुटी है।

नोएडा में बंद मकान में आग लगने से घर का सामान जलकर राख, कोई हताहत नहीं



न्यूज स्पीक्स

नोएडा। नोएडा के थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर-110 में सोमवार सुबह एक बंद मकान में आग लगने से घर का पूरा सामान जलकर राख हो गया। घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। दमकल विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि सेक्टर-110 निवासी धर्मेंद्र गुप्ता अपने परिवार के साथ दीपावली मनाने के लिए घर बंद करके गए हुए थे। सोमवार सुबह उनके मकान में अचानक आग लग गई। उन्होंने बताया कि पड़ोसियों ने आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी, जिसके बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाया। इस घटना में घर का सारा सामान जल गया, हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ। चौबे ने बताया कि आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आग लगने की एक अन्य घटना में रविवार रात सेक्टर-22 स्थित एक किराना दुकान में बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। सूचना मिलने पर दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाई। इस घटना में भी कोई जनहानि नहीं हुई।

गुरुग्राम में दिवाली की रात प्रदूषण से हुई जहरीली, एक्यूआई स्तर हुआ 900 पार

न्यूज स्पीक्स



गुरुग्राम। गुरुग्राम दिवाली की रात पटाखों के धुएं से गुरुग्राम की हवा बेहद खराब हो गई। देर रात तक शहर धुएं की चादर में लिपटा रहा। इससे बीमारों, बुजुर्गों और छोटे बच्चों को सांस लेने में परेशानी हुई। अस्थमा और सांस के मरीजों को सबसे ज्यादा दिक्कत का सामना करना पड़ा। कई सोसायटियों में लोगों ने खिड़कियां बंद कर रात गुजारी। सुबह तक भी शहर में प्रदूषण का स्तर ऊंचा बना रहा। पर्यावरण विशेषज्ञ डा. राम सिंह का कहना है कि पटाखों से निकले जहरीले कण कई दिनों तक हवा में बने रह सकते हैं।गुरुग्राम में जुलाई 2025 में सबसे कम प्रदूषण स्तर 81 एक्यूआई था, जो नवंबर 2026 में दिवाली की रात 900 को पार कर गया। गुरुग्राम में दिवाली की रात पूजा-पाठ करके लोग पटाखे जलाने में जुट गए थे। रात 07:30 बजे एक्यूआई 261 था, जो अगले आधे घंटे में ही बढकर यानी आठ बजे 303 हो गया। 08:31 बजे 374, 09:01 बजे 464, 09:31 बजे 608, रात 11:01 बजे प्रदूषण का स्तर 955 एक्यूआई तक पहुंच गया, जो सबसे अधिक रहा। यानी इस समय में लोगों ने ताबड़तोड़ पटाखे फोड़े और प्रदूषण के स्तर को जानलेवा बना दिया। सोमवार की सुबह 07:01 बजे प्रदूषण का स्तर घटकर 400 एक्यूआई तक पहुंचा। सुप्रीमकोर्ट की ओर से दिवाली पर पटाखे जलाने के लिए समय और दिन तय किए गए थे। सात और आठ नवंबर को सुबह छह से सात बजे तक और रात आठ से 10 बजे तक का समय सिर्फ ग्रीन पटाखे जलाने का तय किया गया था। लोगों ने कई दिन पहले से ही गोदामों से पटाखों की खरीदारी शुरू कर दी थी। यानी ग्रीन से अधिक सामान्य पटाखों की बिक्री पहले ही हो चुकी थी। लोगों ने दिवाली की पूरी रात पटाखे जलाए। नया हो या पुराना गुरुग्राम, हर जगह पर लोगों ने सुप्रीमकोर्ट के आदेशों की परवाह किए बिना ही खूब पटाखे जलाए। इसलिए दिवाली के मौके और उसके बाद गुरुग्राम में प्रदूषण का स्तर बेहद खतरनाक और गंभीर श्रेणी में पहुंच गया है। हवा में पीएम 2.5 और पीएम 10 कणों की मात्रा बहुत अधिक बढ़ गई है, जिससे लोगों को सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पुराने गुरुग्राम के रिहायशी इलाकों में देर रात तक पटाखों की आवाज गूंजती रही। आसमान में रंग-बिरंगी रोशनी के बीच धुएं का गुबार फैलता चला गया।

स्कूटी टच होने पर विवाद, युवक की मौत, दोस्त घायल

न्यूज स्पीक्स

ग्रेटर नोएडा। सेक्टर-15 स्थित एक पार्क में रविवार रात जन्मदिन की पार्टी के दौरान स्कूटी की टक्कर लगने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। एक पक्ष के युवकों ने दिल्ली के अशोकनगर निवासी 25 वर्षीय अमित और उसके दोस्त शिवम के साथ मारपीट की। सिर में गंभीर चोट लगने से अमित की मौत हो गई, जबकि शिवम घायल हो गया। एसीपी मयंक तिवारी ने बताया कि सेक्टर-15 स्थित पार्क में अमित अपने दोस्त शिवम, यशपाल, आकाश और विनोद समेत अन्य युवकों के साथ मौजूद था। इसी दौरान सभी स्कूटी से वहां से जाने लगे। शिवम की स्कूटी पार्क में जन्मदिन मना रहे आफताब के पैर से छू गई। इस बात को लेकर आफताब और शिवम के बीच कहासुनी हो गई। आफताब ने शिवम को थप्पड़ मार दिया। इसके बाद विवाद बढ़ गया। विवाद के बाद शिवम ने भी अपने साथियों को मौके पर बुला लिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच मारपीट शुरू हो गई। इस दौरान अमित और शिवम के सिर में चोट लग गई। अमित को गंभीर चोट आई। दोनों को उनके दोस्त अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने अमित को मृत घोषित कर दिया। शिवम को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। फिलहाल उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलने पर फेज-1 थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने अमित के शव का पोस्टमार्टम कराया और बाद में शव परिजनों को सौंप दिया। अमित के पिता संजय की तहरीर पर पुलिस ने गोलू, अभिषेक पंडित और आफताब समेत चार आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या समेत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। मामले में एक आरोपी नाबालिग बताया गया है। पुलिस का दावा है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे को पहले से जानते थे। ऐसे में पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि स्कूटी की टक्कर से शुरू हुआ विवाद किस तरह इतना बढ़ गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चार टीमों का गठन किया गया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि मारपीट की पूरी घटना और उसमें शामिल लोगों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। आरोपियों के मोबाइल फोन बंद वारदात के बाद आरोपी पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए मोबाइल फोन बंद कर फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश में उनके संभावित ठिकानों पर पहुंची तो वे नहीं मिले। उनके मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन बंद मिले। पुलिस आरोपियों के परिचितों और रिश्तेदारों से भी जानकारी जुटा रही है। इसके अलावा उनकी लोकेशन और आपसी संपर्कों का पता लगाने के लिए तकनीकी साक्ष्य खंगाले जा रहे हैं। आरोपियों के नशे में होने का अंदेशा पार्क में जन्मदिन की पार्टी के दौरान शराब पीने की बात भी सामने आई है। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि घटना के समय कौन-कौन शराब के नशे में था।

गुरुग्राम में पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी ने दी शिकायत

न्यूज स्पीक्स

गुरुग्राम। बागेश्वर धाम प्रमुख पंडित धीरेंद्र शास्त्री के खिलाफ पूर्व सैन्य अधिकारी मेजर (सेवानिवृत) टी.सी. राव ने उद्योग विहार पुलिस थाना में शिकायत दी है। आरोप है कि पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में अहीर समाज पर आपत्तिजनक टिप्पणी की है। टी.सी. राव का आरोप है कि धीरेंद्र शास्त्री अपने प्रवचनों और बयानों के माध्यम से अहीर समाज में कथित रूप से सौहार्द बिगाड़ने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस को दी गई शिकायत में उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रमों पर रोक लगाने और उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। थाने में दी शिकायत में कहा है कि तीन नवंबर को शाम एक राष्ट्रीय चैनल पर डिबेट शो चल रहा था। आरोप है कि बहस में शामिल पैनलिस्ट प्रो. संगीत रागी द्वारा चर्चा के दौरान यादव-अहीर समाज, उनकी गौरवशाली भाषा और सम्मानित पूर्वजों को लेकर कथित रूप से बेहद आपत्तिजनक, अमर्यादित और समाज को नीचा दिखाने वाले शब्दों का इस्तेमाल किया गया। पूर्व सैन्य अधिकारी ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में प्रत्येक नागरिक को अपनी बात रखने और वैचारिक असहमति जताने की पूरी स्वतंत्रता है। विचारों की इस आजादी और असहमति की आड़ में किसी पूरे समाज, उसकी ऐतिहासिक पहचान और करोड़ों लोगों के सम्मान को सरेआम ठेस पहुंचाना किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं है। मेजर डॉ. टी.सी. राव ने पुलिस प्रशासन से बेहद स्पष्ट और निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने पुलिस से अनुरोध किया है कि संबंधित समाचार चैनल से तीन नवंबर के उस कार्यक्रम की बिना किसी कांट-छांट वाली पूरी रिकॉर्डिंग आधिकारिक तौर पर मंगवाई जाए। वीडियो और ऑडियो के एक-एक हिस्से की बारीकी से जांच हो, ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो सके। डॉ. राव ने कहा कि इस मामले में केवल विवादित टिप्पणी करने वाले व्यक्ति की ही जवाबदेही तय न हो, बल्कि कार्यक्रम का संचालन कर रहे एंकर, चैनल की संपादकीय टीम और लाइव प्रसारण से जुड़े सभी जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस से यह भी अपील की है कि डिजिटल साक्ष्यों को नष्ट होने से बचाने के लिए संबंधित वीडियो और ऑडियो रिकॉर्ड को तुरंत सुरक्षित (प्रिजर्व) किया जाए और आवश्यक गवाहों के बयान दर्ज किए जाएं। डा. टी.सी. राव ने पुलिस के आला अधिकारियों से आग्रह किया है

गुरुग्राम में गैंगवार, कार से जा रहे युवक की 15 गोलियां मारकर हत्या

न्यूज स्पीक्स



गुरुग्राम,। जिला के सिधरावली गांव में सोमवार की सुबह बदमाशों ने सिधरावली गांव के ही दीपक उर्फ दीपू (35) की गोलियां मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने दिल्ली-जयपुर एक्सप्रेसवे की सर्विस लेन पर गांव के बस अड्डे के पास उसकी स्विफ्ट कार को दूसरी गाड़ी से ओवरटेक कर रोका और ड्राइविंग सीट पर बैठे दीपक पर फायरिंग की। बताया जा रहा है कि दीपक को करीब 15 गोलियां लगी हैं। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह करीब आठ बजे राहगीरों ने कार में उसका लहूलुहान शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। दीपक अशोक राठी गैंग का सक्रिय सदस्य था और उस पर गैंगस्टर अशोक राठी की पत्नी सुषमा की हत्या का भी आरोप था। पुलिस मामले की जांच गैंगवार के एंगल से भी कर रही है। सोमवार सुबह सिधरावली गांव के बस अड्डे के पास फुट ओवरब्रिज के निकट मारुति स्विफ्ट कार खड़ी मिली। दीपक कार की ड्राइविंग सीट पर मृत पड़ा था। बिलासपुर थाना प्रभारी सुनील ने बताया कि दीपक रात करीब 12 बजे घर से निकला था। आशंका है कि किसी ने उसे फोन करके बुलाया होगा। गांव से निकलकर जैसे ही वह एनएच-48 की सर्विस लेन पर पहुंचा, वहां पहले से मौजूद बदमाशों ने उसे निशाना बनाकर फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने दीपक पर 15 से 20 राउंड फायरिंग की। इनमें से 10 से 15 गोलियां उसे लगने की आशंका है। उसे कितनी गोलियां लगीं, इसकी पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से होगी। दीपक का नाम दिल्ली-एनसीआर के अपराध जगत में लंबे समय से जुड़ा हुआ था। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, वह कुख्यात गैंगस्टर अशोक राठी गैंग का सक्रिय सदस्य था। करीब छह साल पहले अशोक राठी की हत्या के बाद भी दीपक इस गैंग में सक्रिय रहा। बताया जा रहा है कि दीपक पर पहले भी दो से तीन आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। दीपक पर गैंगस्टर अशोक राठी की पत्नी सुषमा की हत्या का भी आरोप था। दो सितंबर 2016 को गुरुग्राम के अलीपुर गांव में सुषमा की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। उस समय हत्या के पीछे अशोक राठी का हाथ होने का शक भी जाहिर किया गया था। इस मामले में दीपक समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस पूछताछ में सामने आया था कि अशोक राठी को अपनी पत्नी सुषमा के चरित्र पर शक था। उसने सुषमा की हत्या कराने के लिए सुपारी दी थी। इसके लिए दीपक और ललित कटारिया को तैयार किया गया था।

कोचीन एयरपोर्ट बार लाइसेंस रद्द, सरकार की नई नीति बनी वजह

तिरुवनंतपुरम ।

केरलम आबकारी विभाग ने कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 'अर्थ लाउंज बार' को मिली एफएल-7 लाइसेंस की मंजूरी रद्द कर दी है। यह निर्णय राज्य सरकार के निर्देश पर लिया गया, जिसमें सभी नए लाइसेंस आवेदनों पर 2026-27 की आबकारी नीति के तहत ही विचार करने को कहा गया है। अधिकारियों ने बताया कि आबकारी आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे जयशंकर आर ने लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया। यह कदम हवाई अड्डे पर बार लाइसेंस देने को लेकर चल रहे विवादों के बीच आया है। इससे पहले, तत्कालीन आबकारी आयुक्त का तबादला भी हुआ था। विभाग ने नेदुंबस्सेरी स्थित एक निजी होटल समूह को 23 जून, 2026 को आवेदन पर टर्मिनल-3 में बार चलाने की मंजूरी दी थी, जिसके लिए सालाना दो लाख रुपये लाइसेंस शुल्क तय था।

चीन का व्यापार अधिशेष फिर 1 लाख करोड़ डॉलर के पार

उच्च प्रौद्योगिकी निर्यात से रिकॉर्ड वृद्धि, घरेलू मांग की सुस्ती को संभाला

हांगकांग ।

चीन ने लगातार दूसरे साल एक लाख करोड़ डॉलर (1 ट्रिलियन डॉलर) से अधिक का व्यापार अधिशेष दर्ज किया है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार मजबूत निर्यात और विशेषकर उच्च प्रौद्योगिकी वाले उत्पादों की बढ़ती वैश्विक मांग ने देश की अर्थव्यवस्था को स्थिरता प्रदान की है। सीमा शुल्क एजेंसी के मुताबिक जनवरी से अक्टूबर के बीच चीन का व्यापार अधिशेष 1.04 लाख करोड़ डॉलर रहा। अक्टूबर में निर्यात में सालाना आधार पर 35.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि हुई, जिसमें सेमीकंडक्टर और मोटर वाहन जैसे उच्च प्रौद्योगिकी उत्पाद प्रमुख रहे। हालांकि, आयात में भी 41.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जिसके चलते अक्टूबर का व्यापार अधिशेष सितंबर के 133.5 अरब डॉलर से घटकर 105.3 अरब डॉलर रह गया। इसके बावजूद, चीन पिछले साल के 1.2 लाख करोड़ डॉलर के रिकॉर्ड व्यापार अधिशेष को पार करने की राह पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस मजबूत निर्यात ने चीन में घरेलू मांग की सुस्ती की भरपाई की है, जिससे देश इस साल अपने 4.5 से 5 प्रतिशत के वार्षिक आर्थिक वृद्धि लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहेगा।

बिहार में वैश्विक विकास सम्मेलन जनवरी में, आर्थिक खाके पर होगा मंथन

अगले साल जनवरी में पटना में जुटेगा उद्योग जगत, शिक्षाविद व प्रवासी समुदाय

पटना ।

बिहार अगले साल जनवरी में राज्य के आर्थिक विकास का खाका तैयार करने के उद्देश्य से एक दो दिवसीय वैश्विक सम्मेलन की मेजबानी करेगा। 12 और 13 जनवरी को पटना में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में लगभग 1,500 शिक्षाविद, नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि और राज्य के प्रवासी समुदाय के सदस्य जुटेंगे। उद्योग विभाग के बयान के अनुसार बिहार के कायाकल्प पर वैश्विक सम्मेलन 2027 का आयोजन इंस्टीट्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी), बिहार फाउंडेशन और नालंदा विश्वविद्यालय के सहयोग से किया जाएगा। इसका मुख्य लक्ष्य विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाकर बिहार के लिए एक समृद्ध, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था के निर्माण हेतु साझा दृष्टिकोण तैयार करना है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने पटना में सम्मेलन के पोर्टल का शुभारंभ करते हुए कहा कि यह पहल राज्य के विकास में विभिन्न हितधारकों के योगदान के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

भारत में चीनी का कड़वा सच- बढ़ती कीमतें और चुनौतियां

नई दिल्ली ।

त्यौहारी सीजन बीत जाने के बावजूद, भारत में चीनी की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे आम आदमी की रसोई का बजट बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। खुदरा बाजारों में औसत भाव करीब 59.50 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुँच चुका है, जबकि थोक में भी यह 55.40 रुपये प्रति किलोग्राम के आसपास दर्ज हो रहा है। दुनिया के सबसे बड़े चीनी उत्पादक और उपभोक्ता देशों में से एक होने के नाते, भारत में यह स्थिति कई जटिल कारणों का परिणाम है।इस वर्ष चीनी की कीमतों में वृद्धि के मुख्य कारणों में गन्ने के उत्पादन में कमी और पेराई सत्र में देरी शामिल है। महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में अल-नीनो के प्रभाव के चलते मानसून के दौरान कम बारिश हुई, जिससे गन्ने की पैदावार पर सीधा असर पड़ा।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट

अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान से गिरी कीमतें, ब्रेंट 92 डॉलर के नीचे

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जिससे भारत जैसे प्रमुख तेल आयातक देशों को बड़ी राहत मिली है। महज दो कारोबारी दिनों में बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 6.5 प्रतिशत से अधिक टूटकर 92 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आ गया है। इस गिरावट की मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव में कमी आने की उम्मीदें हैं, जिसने वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं को कम किया है। मंगलवार सुबह ब्रेंट क्रूड 91.96 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जबकि अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई 86.07 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। पिछले शुक्रवार के बंद भाव के मुकाबले ब्रेंट करीब 6.47 फीसदी और डब्ल्यूटीआई 5.24 फीसदी सस्ता हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने संकेत दिया है कि यदि ईरान के साथ बातचीत आगे बढ़ती है तो अमेरिका की ओर से नए हमले होने की संभावना कम है, जिससे बाजार में सकारात्मक माहौल बना है। जानकारों के अनुसार, वैश्विक बाजार में पर्याप्त तेल आपूर्ति भी कीमतों पर दबाव डाल रही है, पिछले सप्ताह भी ब्रेंट क्रूड में 16 फीसदी की बड़ी साप्ताहिक गिरावट



देखी गई थी। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक जोखिम अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों पर हमलों की खबरें आपूर्ति को लेकर जोखिम बरकरार रखती हैं, और बातचीत विफल होने या संघर्ष बढ़ने पर तेल की कीमतें फिर से बढ़ सकती हैं। भारत के लिए यह गिरावट बेहद फायदेमंद है, क्योंकि यह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरतों को आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमतों में कमी से देश का तेल आयात बिल घटेगा, जिससे व्यापार और चालू खाते के घाटे को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

हिंदुस्तान यूनिलीवर ने बढ़ाए सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील के दाम

साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी एफएमसीजी कंपनियों में से एक हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड (एचयूएल) ने अपने कई लोकप्रिय घरेलू उत्पादों की कीमतों में वृद्धि की घोषणा की है, जिससे घर का बजट प्रभावित होने की आशंका है। कंपनी ने सर्फ एक्सेल, रिन और व्हील जैसे लोकप्रिय डिटर्जेंट ब्रांड्स के साथ-साथ मोती गुलाब जैसे साबुनों की कीमतों में 1 रुपये से लेकर 10 रुपये तक की बढ़ोतरी की है।

इस मूल्य वृद्धि के बाद अब कपड़े धोना और अन्य घरेलू सफाई उत्पाद खरीदना पहले से महंगा हो जाएगा। उदाहरण के तौर पर, सर्फ एक्सेल क्विक वॉश का 1 किलोग्राम पैक अब 235 रुपये के बजाय 245 रुपये में मिलेगा, जबकि इसके 500 ग्राम वाले पैक की कीमत भी 123 रुपये से बढ़कर 128 रुपये हो गई है। रिन और व्हील डिटर्जेंट पाउडर के 1 किलोग्राम पैक में भी 3 रुपये का इजाफा हुआ है। इसी तरह, मोती गुलाब साबुन का 150 ग्राम पैक अब 74 रुपये से बढ़कर 82 रुपये का हो गया है, जो लगभग 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। एचयूएल ने बढ़ती कच्चे माल की लागत और उत्पादन खर्चों के दबाव को इस मूल्य वृद्धि का मुख्य कारण बताया है। कंपनी का मानना है कि मुनाफा बनाए रखने के लिए ऐसी सीमित बढ़ोतरी आवश्यक है।

कच्चे तेल में गिरावट से बॉन्ड यील्ड लुढ़की,आरबीआई को मिलेगी राहत

वैश्विक भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और तेल कीमतों में गिरावट के चलते आया बदलाव

नई दिल्ली ।

भू-राजनीतिक चिंताओं में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के चलते भारतीय बॉन्ड बाजार में रौनक लौट आई। बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बॉन्ड की यील्ड लगभग 4 आधार अंक गिरकर 7.15 फीसदी पर बंद हुई, जबकि शुक्रवार को यह 7.19 फीसदी पर थी। डीलरों के मुताबिक, यह तेजी मुख्य रूप से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में आई भारी गिरावट के कारण देखी गई। कच्चे तेल की कीमतों में इस नरमी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के लिए आगामी बैठक में ब्याज दरों को यथास्थिति पर बनाए रखने की संभावना बढ़ा दी है। विश्लेषकों का मानना है कि दिसंबर की मौद्रिक नीति को लेकर बाजार की उम्मीदें बदल गई हैं। अब 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी के बजाय 25 आधार अंकों की बढ़ोतरी या यथास्थिति बनाए रखने की प्रबल संभावना है। कुल मिलाकर, तेल की कीमतों में नरमी, भू-राजनीतिक जोखिम प्रीमियम में कमी और मौद्रिक नीति को लेकर बदली उम्मीदें बाजार के रुझान को धीरे-धीरे सकारात्मक दिशा में ले जा रही हैं। पिछले हफ्ते भी बेंचमार्क यील्ड में 23 आधार अंक की गिरावट आई थी, जो लगभग सात वर्षों में सबसे बड़ी



साप्ताहिक गिरावट थी। यह अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद अमेरिका-ईरान संघर्ष के समाधान की उम्मीदों से जुड़ी थी। हालांकि, सकारात्मक बाजार रुझानों के बीच भारतीय रुपये में सोमवार को मामूली गिरावट दर्ज की गई। डॉलर के मुकाबले 94.83 पर खुलने के बाद, रुपया दिन के दौरान कमजोर होकर 94.14 तक आ गया, और अंततः 94.93 पर बंद हुआ, जबकि पिछली बार यह 93.91 पर बंद हुआ था।

एडवेंचर बाइक होंडा अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित

नई दिल्ली ।

होंडा ने ईआईसीएमए 2026 में अपनी लोकप्रिय एडवेंचर बाइक अफ्रीका ट्विन का 2027 मॉडल प्रदर्शित किया। नए मॉडल का ट्विन-सिलेंडर इंजन अब 1,084 सीसी के बजाय 1,131 सीसी क्षमता का है। यह इंजन 118.9 हॉर्सपावर की ताकत और 119 न्यूटन मीटर का टॉर्क पैदा करता है। इंजन क्षमता और पावर में बढ़ोतरी का उद्देश्य लंबी दूरी की यात्रा तथा कठिन रास्तों पर मोटरसाइकिल के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है।

नई अफ्रीका ट्विन के साथ कंपनी ने एंड्यूरो स्पोर्ट्स नाम का एक नया ऑफ-रोड केंद्रित संस्करण भी पेश किया है। इसे खास तौर पर उन राइडर्स को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो सामान्य सड़कों के अलावा कच्चे और पथरीले रास्तों पर भी मोटरसाइकिल चलाना पसंद करते हैं। इस संस्करण में मैन्युअल रूप से एडजस्ट किया जा सकने वाला शोआ सस्पेंशन दिया गया है। आगे की तरफ 240 मिलीमीटर और पीछे 230 मिलीमीटर का सस्पेंशन ट्रैवल मिलता है। इसके साथ 260 मिलीमीटर का ग्राउंड क्लीयरेंस दिया गया है। इन खूबियों के कारण बाइक को ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतर तरीके से चलाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अधिक ग्राउंड क्लीयरेंस से बड़े पत्थरों और रास्ते की अन्य बाधाओं से निचले हिस्से के टकराने की आशंका कम हो सकती है। वहीं, लंबे सस्पेंशन ट्रैवल से झटकों को संभालने की क्षमता बढ़ती है। होंडा वर्ष 2022 तक भारतीय बाजार में अफ्रीका ट्विन की बिक्री करती रही थी। इसके बाद से इसकी वापसी को लेकर ग्राहकों में रुचि बनी हुई है।

हिमाचल में एनपीके उर्वरक की आपूर्ति बहाल,किसानों को मिली राहत

2,700 टन एनपीके 12-32-16 पहुंचा, इफको ने की पुष्टि, बढ़ी कीमतों से किसान परेशान

ऊना ।

हिमाचल प्रदेश में गेहूं की बुवाई से पहले किसानों को बड़ी राहत मिली है। भारतीय किसान उर्वरक सहकारी लिमिटेड (इफको) ने राज्य को लगभग 2,700 मीट्रिक टन एनपीके (12-32-16) उर्वरक की आपूर्ति फिर से शुरू कर दी है, जिससे कृषि कार्यों में तेजी आने की उम्मीद है। इफको के एक प्रवक्ता ने पुष्टि की कि यह महत्वपूर्ण खेप राज्य पहुंच चुकी है और इसे किसानों के बीच वितरित भी कर दिया गया है। एनपीके 12-32-16 एक उच्च फॉस्फोरस वाला मिश्रित उर्वरक है जो पौधों के शुरुआती विकास, जड़ों की वृद्धि और फूल आने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इफको के एक अे धिकारी ने बताया कि गुजरात से आई इस पहली खेप के बाद, इतनी ही मात्रा की एक और आपूर्ति का अनुरोध किया गया है, जिसके जल्द पहुंचने की उम्मीद है। उर्वरक वितरण श्रृंखला को



मजबूत करने और यूरिया की उपलब्धता बढ़ाने के प्रयास भी जारी हैं, हालांकि यूरिया आवंटन पर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। हालांकि, इस सकारात्मक खबर के साथ एक चिंता भी जुड़ी है।

ज्योति लैब्स बायबैक की कीमत बढ़ी, शेयरों की संख्या घटी

नई दिल्ली ।

ज्योति लैब्स लिमिटेड ने अपने शेयर बायबैक प्रस्ताव में संशोधन किया है।

कंपनी ने बायबैक की प्रति शेयर कीमत को 215 रुपए से बढ़ाकर 240 रुपए कर दिया है। हालांकि, बायबैक किए जाने वाले शेयरों की अधिकतम संख्या 68.37 लाख से घटाकर 61.25 लाख कर दी गई है।

कंपनी की बायबैक कमेटी ने 9 नवंबर को इन बदलावों को मंजूरी दी।

संशोधित शर्तों के तहत, ज्योति लैब्स अब 1 रुपए फेस वैल्यू वाले 61.25 लाख तक फुली पेड-अप इक्विटी शेयरों का बायबैक करेगी, जो कंपनी की कुल पेड-अप इक्विटी शेयर कैपिटल के 1.67 फीसदी के बराबर है।

यह बायबैक टेंडर ऑफर रूट के जरिए आनुपातिक आधार पर किया जाएगा। पुराने प्रस्ताव में कुल 147 करोड़ रुपए तक के बायबैक की घोषणा की गई थी, लेकिन संशोधित प्रस्ताव में कुल बायबैक राशि का कोई विवरण नहीं दिया गया है। शेयर बायबैक में कंपनी अपने शेयरहोल्डर्स से शेयर वापस खरीदती है।

अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ी

बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मुंबई स्थित अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि एक और साल के लिए बढ़ा दी है। यह विस्तार 24 नवंबर, 2026 से प्रभावी होगा, जिससे बैंक का प्रशासन 2027 तक आरबीआई के नियुक्त प्रशासक के अधीन रहेगा। केंद्रीय बैंक ने खराब प्रशासनिक मानकों के चलते यह कदम उठाया है। आरबीआई ने जारी बयान में कहा कि समीक्षा के बाद वह इस नतीजे पर पहुंचा है कि सार्वजनिक हित में बैंक के निदेशक मंडल को भंग रखने की अवधि बढ़ाना जरूरी है। गौरतलब है कि बैंक में खराब प्रशासनिक मानकों से जुड़ी गंभीर चिंताओं के कारण आरबीआई ने नवंबर, 2023 में उसके निदेशक मंडल को हटाकर प्रशासक नियुक्त किया था। यह तीसरी बार है जब निदेशक मंडल की बहाली को टाला गया है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक प्रशासक के रूप में बने रहेंगे, जिन्हें मौजूदा सलाहकार समिति के सदस्य वेंकटेश हेगड़े, देवेंद्र कुमार और सुहास गोखले सहयोग देंगे।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया करेगा रणनीतिक विस्तार

कंपनी रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में तलाश रही है अवसर

नई दिल्ली ।

वाहन कलपुर्जे बनाने वाली अग्रणी कंपनी टेनेको क्लीन एयर इंडिया अब ऑटोमोबाइल क्षेत्र से आगे अपने कारोबार का विस्तार करने की योजना बना रही है। कंपनी इसके लिए अधिग्रहण के अवसरों की तलाश में है ताकि रेलवे, वैमानिकी और रक्षा जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में अपनी पैठ बना सके।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया अपने कारोबार में विविधता लाने और उसे बढ़ाने के लिए अधिग्रहण पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि वे संबंधित क्षेत्रों के साथ-साथ अन्य नए क्षेत्रों में भी विविधीकरण के अवसर तलाश रहे हैं। इसके साथ ही टेनेको ऐसे वाहन उत्पादों का दायरा भी बढ़ाएगी जो किसी एक पावरट्रेन पर निर्भर न हों, बल्कि आंतरिक दहन इंजन (आईसीई, हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन, तीनों में उपयोग किए जा सकें।

चंद्रा ने यह भी बताया कि कंपनी की ऑर्डर बुक बढ़कर 16,500 करोड़ रुपये हो गई है, जो पिछली तिमाही में लगभग 12,000 करोड़ रुपये थी। यह कंपनी की मजबूत स्थिति और विकास क्षमता को दर्शाता है।

डीजीटीआर ने चार देशों से एल्यूमीनियम उत्पादों की डंपिंग की जांच शुरू की

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई ने घरेलू उत्पादकों को राहत देने के लिए स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली ।

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने चीन, मलेशिया, वियतनाम और थाईलैंड से आयातित एल्यूमीनियम उत्पादों की कथित डंपिंग के खिलाफ स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य घरेलू सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों को इन सस्ते आयातों से होने वाले नुकसान से बचाना है। आमतौर पर ऐसी जांच घरेलू उत्पादकों के आवेदन पर शुरू होती है, लेकिन उद्योगों के पास अक्सर आवश्यक जानकारी और विशेषज्ञता की कमी होती है। इसी वजह से डीजीटीआर ने स्वयं इस मामले को उठाया है। एल्यूमीनियम एक्सट्रूजन मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एलेमाई), जो 228 निर्माताओं का प्रतिनिधित्व करता है, के अभ्यावेदनों के आधार पर महानिदेशालय ने पाया कि डंपिंग के कारण आयात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और इससे घरेलू उद्योग को नुकसान हो रहा है। जांच के दायरे में खिड़कियों, दरवाजों, सौर ऊर्जा संयंत्रों की संरचनाओं, फर्नीचर और साइकिल के पुर्जों जैसे औद्योगिक एवं इंजीनियरिंग क्षेत्रों में उपयोग होने वाले विभिन्न एल्यूमीनियम उत्पाद शामिल हैं। डीजीटीआर डंपिंग के अस्तित्व, उसकी मात्रा और घरेलू उद्योग पर उसके प्रभाव का पता लगाएगा। यदि डंपिंग साबित होती है, तो महानिदेशालय घरेलू उद्योग को हुए नुकसान की भरपाई के लिए डंपिंग-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करेगा। इस पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। विश्व व्यापार संगठन के नियमों के तहत, देश अपने घरेलू उद्योगों को अनुचित प्रतिस्पर्धा से बचाने के लिए ऐसे शुल्क लगा सकते हैं। भारत पहले भी चीन सहित विभिन्न देशों से आने वाले कई उत्पादों पर डंपिंग-रोधी शुल्क लगा चुका है।

दिवाली पर ग्राहकों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर की ताबड़तोड़ खरीदारी

मिठाइयों, दीयों और सोने के सिक्कों की घर बैठे डिलीवरी



नई दिल्ली ।

इस दिवाली पारंपरिक बाजारों की भीड़ से बचकर लोगों ने घर बैठे त्योहार की खरीदारी को प्राथमिकता दी। क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने इस साल दिवाली पर शानदार कारोबार दर्ज किया, जो ग्राहकों की अंतिम समय की जरूरतों को पूरा करने में सफल रहे। स्विगी इंस्टामार्ट और जेप्टो जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मिठाइयों से लेकर सजावट के सामान तक की खूब बिक्री हुई, जिससे ऑनलाइन डिलीवरी का महत्व रोजमर्रा की जरूरतों से कहीं आगे निकल गया है।

जेप्टो के आंकड़ों के अनुसार, इस दिवाली फेस्टिव हैम्पर के ऑर्डरों में पिछले साल के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई। ग्राहकों ने लगभग 4.68 लाख दीयों का ऑर्डर दिया, जबकि फूलों और मालाओं की मांग ढाई गुना बढ़ी। मिठाइयों में लड्डू ने ऑर्डर संख्या में बढ़त बनाई, वहीं कुल मात्रा के लिहाज से सोन पापड़ी सबसे आगे रही। स्विगी इंस्टामार्ट पर भी खरीदारी में अच्छी तेजी दिखी, जहां पार्टी की तैयारी के सामान में सालाना आधार पर 162 फीसदी और स्नैक्स की मांग में 42 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। मिठाइयों में काजू कतली ग्राहकों की पहली पसंद बनी रही। दिलचस्प बात यह है कि दिवाली की शाम डाइट कोक इंस्टामार्ट पर सबसे ज्यादा बिकने वाला गैर-किराने का उत्पाद रहा।

बदलाव का जरिया बन सकेगी रामलीला मैदान की रैली



उमेश चतुर्वेदी

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं।

सत्ता के खिलाफ विपक्षी दल जब भी रामलीला मैदान में रैली करते हैं, उनकी स्मृति में सात फरवरी 1977 की तारीख होती है। आपातकाल के बाद दिल्ली की उतरती ठंड के बीच जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में हुई रैली में ही सत्ता परिवर्तन के बीज पड़े थे। इसे संयोग ही कहेंगे कि करीब आधी सदी बाद इसी रामलीला मैदान में आयोजित रैली के किरदार बदले हुए थे। 1977 में जिस रैली के निशाने पर कांग्रेस थी, करीब पांच दशक बाद की रैली में कांग्रेस बदली हुई भूमिका में रही। इंदिरा के पोते राहुल गांधी की अगुआई में हुई 'वोट बचाओ, देश बचाओ' रैली में निशाने पर वह भारतीय जनता पार्टी रही, जो तब जेपी की अगुआई में इंदिरा के खिलाफ खड़ी थी। यह बताने की जरूरत नहीं कि इसके कुछ ही दिनों बाद हुए आम चुनावों में सर्वशक्तिमान मानी जाने वाली इंदिरा गांधी की सत्ता का शिराजा बिखर गया था। ऐसे में सवाल यह उठना लाजमी है कि क्या राहुल की अगुआई वाली रामलीला मैदान की रैली देश की सत्ता को बदलने में कामयाब हो पाएगी? सवाल यह भी है कि क्या मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार अपने पद से हटने के लिए मजबूर हो जाएंगे।

केंद्रीय सत्ता पर नरेंद्र मोदी के काबिज होने के बाद विपक्षी दल बदलाव के प्रतीक माने जाने वाले रामलीला मैदान पर पांच और रैलियां आयोजित कर चुके हैं। हर रैली में मोदी को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया गया। लेकिन कुछ-एक राज्यों की सत्ता को छोड़ दें तो विपक्षी दलों की रैलियां 1977 की तरह कामयाब नहीं रहीं। हालांकि सरकार को अपने कुछ कदम जरूर पीछे खींचने पड़े। नरेंद्र मोदी के सत्ता में आए अभी एक साल भी पूरा नहीं हुआ था, जब 19 अप्रैल 2015 को कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने %किसान-खेत मजदूर% रैली आयोजित की थी। मोदी सरकार द्वारा लाए गए %भूमि अधिग्रहण अध्यादेश% के विरोध में आयोजित इस रैली के बाद सरकार को अपने कदम पीछे खींचने पड़े थे। कांग्रेस की ही अगुआई में विपक्षी दलों ने 14 दिसंबर 2019 को इसी रामलीला मैदान में %भारत बचाओ% रैली की थी। जिसका मकसद, देश की आर्थिक स्थिति, गिरते जीडीपी, बेरोजगारी और नागरिकता संशोधन कानून जैसे मुद्दों पर मोदी सरकार को घेरना रहा। इस रैली का असर यह हुआ कि नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ देश के कई हिस्से महीनों तक आंदोलनरत रहे।

कांग्रेस की अगुआई में विपक्षी दलों ने रामलीला मैदान में चार सितंबर 2022 को %महंगाई पर हल्ला बोल% रैली के जरिए मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। इस रैली में बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और आवश्यक वस्तुओं पर जीएसटी लगाने का विरोध किया गया। 'वोट बचाओ, देश बचाओ'



रैली में राहुल गांधी के भाषण की खूब चर्चा है। कुछ इसी तरह इस रैली में भी राहुल गांधी ने जो कहा था, उसे लेकर कई दिनों तक चर्चा और विमर्श जारी रहा। पिछले आम चुनाव के ठीक पहले 31 मार्च 2024 को फिर कांग्रेस ने विपक्षी दलों की %लोकतंत्र बचाओ% महारैली आयोजित की। इस रैली का मकसद शराब घोटाले में दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और भूमि घोटाले में झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी का विरोध करना रहा। इस रैली मोदी सरकार के विरोध में गठित विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ताकत दिखाना भी रहा।

मोदी सरकार के गठन के बाद कांग्रेस की अगुआई में आयोजित हुई रामलीला मैदान की रैलियों के परिणामों पर नजर डालें तो देखेंगे कि 2024 की रैली के अलावा किसी दूसरी रैली का मोदी सरकार की सेहत पर खास असर नहीं दिखा। 2024 के आम चुनावों में बीजेपी का बहुमत के आंकड़े से दूर होने के पीछे इस रैली के असर को देखा-समझा जा सकता है। फिर भी कहा जा सकता है कि इस रैली ने मोदी के अजेयता के मिथ को चोट जरूर पहुंचाई। यह बात और है कि इससे बीजेपी निराश नहीं हुई। अगर वह निराश हुई होती तो वह बिहार, असम, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र के चुनाव नहीं जीत सकती थी। विपक्ष चाहे लाख दावा करे कि इन राज्यों में एसआईआर के बहाने वोटों की चोरी हुई, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि मोदी की अगुआई में बीजेपी निराशा झाड़कर उठ खड़ी होती रही और चुनाव-दर-चुनाव सफलताएं हासिल करती रही।

राहुल गांधी के निशाने पर इन दिनों चार लोग हैं और अपने हर भाषण और प्रेस कांफ्रेंस में वह अशोभन ढंग से इन नामों पर हमला करते रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, संघ प्रमुख मोहन भागवत और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का नाम लेकर राहुल टिप्पणियां कर रहे हैं। रामलीला मैदान में भी उन्होंने अशोभन तरीके से नाम लिए, लेकिन लगे हाथों यह कहने से भी नहीं चूके कि वे किसी से नफरत नहीं करते। राहुल का यह रूप दिलचस्प ही कहा जाएगा कि नफरत नहीं भी करते, लेकिन उनके शब्दों में नकारात्मकता ठीक से झलकती है। कांग्रेस के रणनीतिकार मानें या न मानें, लेकिन अमर्यादित तरीके से निशाना बनाने के चलते राहुल के शब्दों को आम जन गंभीरता से नहीं ले पाता। लोकसभा के चुनाव में अभी दो साल का वक्त है, लेकिन अगले कुछ महीनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। उत्तर प्रदेश को छोड़कर हर राज्य में कांग्रेस प्रमुख प्रतिद्वंद्वी है। पंजाब में उसका मुकाबला विपक्षी खेमे के ही आम आदमी पार्टी से है। यहां उसके लिए कशमकश की स्थिति है। उत्तर प्रदेश में वह समाजवादी पार्टी की पिछलग्गू है। हालांकि वह कोशिश कर रही है कि पिछलग्गू का ठप्पा उसके दामन से साफ हो सके। बाकी तीन राज्यों में वह बीजेपी के बरक्स मुकाबले में है। रामलीला मैदान की रैली का घोषित उद्देश्य भले ही मोदी, शाह, और भागवत का विरोध एवं ज्ञानेश का इस्तीफा लेना हो। लेकिन अघोषित मकसद इन राज्यों के चुनावी समर में बीजेपी को मात देना है। इस दिशा में अभी से माहौल बनाना है।

मोदी के उभार के बाद रामलीला मैदान में आयोजित अतीत की रैलियों और एक नवंबर की रैली में एक अंतर साफ दिखता है। पहले ममता समेत कुछ विपक्षी दल राहुल को नेता मानने से कतराते थे। लेकिन इस रैली में एक तरह से राहुल की अगुआई स्वीकार कर ली गई है। राहुल निर्विवाद तौर पर विपक्षी खेमे के नेता के तौर पर उभरे हैं। विपक्षी खेमे में राहुल की यह स्वीकारोक्ति बीजेपी के लिए चिंता का सबब हो सकती है।

1977 की रैली के दौरान जेपी ने जो कहा था, जैसे शब्दों का प्रयोग उन्होंने किया था, उसे आज के दौर के नेताओं को देखना चाहिए। तब जेपी ने कहा था, कि वे स्वतंत्रता और गुलामी के बीच चुनाव के अवसर को न चूकें। जोरदार तालियों के बीच, जेपी ने जोर देकर कहा था, ÷सवाल यह नहीं है कि जनता पार्टी जीतेगी या कांग्रेस। सवाल यह है कि आप, आपके बच्चे और देश स्वतंत्र होंगे या गुलाम। जब आप अपना वोट डालेंगे, तो आप अपना और देश का भविष्य भी तय करेंगे। अगर आप इस अवसर को चूक जाते हैं, तो शायद आप दिल्ली में फिर कभी ऐसी सभा आयोजित न कर पाएं।÷ जेपी के शब्दों में चिंतन का ताप था, उनके संघर्ष और साख की छाया थी। इसीलिए उन शब्दों को देश ने सुना और उस पर गौर भी किया। उस रैली में जेपी के साथ ही मोरारजी देसाई, चरण सिंह, अटल बिहारी वाजपेयी और अकाली नेताओं ने भी भाषण दिया था। तब सबके भाषण के निशाने पर इंदिरा थीं और सबके सुर एक थे। रामलीला मैदान की एक नवंबर की रैली में उसी तरह राहुल, खड़गे, अखिलेश, तेजस्वी, फारूख आदि ने आज की सत्ताधारी बीजेपी को निशाने पर तो जरूर लिया, लेकिन उनके भाषणों में अपनी-अपनी राजनीतिक विवशताएं भी नजर आ रही थीं। 1977 में जेपी के भाषणों से जनता जाग उठी थी, 2026 में राहुल आदि के भाषणों से लोक किस हद तक प्रभावित हो पाता है, इसे विधानसभा चुनावों के नतीजों में देखा जा सकेगा। अगर बीजेपी को नुकसान हुआ तो माना जाएगा कि रामलीला मैदान के मुद्दे कामयाब रहे, अगर बीजेपी अपने गढ़ बचाए रखने में कामयाब रही, तब राहुल को फिर नया मुद्दा खोजना होगा।

संपादकीय

लालच की मिलावट

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण द्वारा त्योहारी सीजन में मिलावटी खाद्य-डेयरी उत्पादों की गुणवत्ता जांच-पड़ताल के लिये राष्ट्रव्यापी अभियान चलाया गया। इस देशव्यापी मुहिम में करीब 3,280 टन खाद्य उत्पाद जब्त किए गए। जिसकी अनुमानित कीमत 81.8 करोड़ रुपये बतायी जाती है। ये अभियान गत एक सितंबर से पांच नवंबर के बीच चलाया गया। नियामक संस्था ने 56,000 अधिक प्रतिष्ठानों की जांच पड़ताल की। इस दौरान खाद्य पदार्थों के 43,939 नमूने भरे गए। दस हजार कारोबारियों को स्थिति में सुधारों के लिये नोटिस जारी किए गए। करीब 1,133 लोगों के लाइसेंस निलंबित किए गए। कुल 52 लोगों के लाइसेंस रद्द किए गए। साथ ही 410 के खिलाफ मामले दर्ज किए गए। भारत जैसे विशाल देश में ये बरामदगी मिलावट के समुद्र में एक टापू जितनी है। ये आंकड़े बताते हैं कि स्थिति बेहद जटिल है और रोकने के प्रयास कितने कम। सवाल ये भी है कि ये कार्रवाई त्योहारी सीजन में ही क्यों? क्यों यह एक्शन साल भर नहीं चलना चाहिए? दोषी पाये जाने पर सख्त सजा का प्रावधान क्यों नहीं है? अक्सर लाइसेंस के निलंबन या रद्द करने के बाद आरोपी लोग दूसरे संस्थान व परिवार के अन्य सदस्य के नाम से संस्थान खोलकर फिर मिलावट के खेल में लग जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, ये नतीजे पंजाब और हरियाणा के लिये भी बेहद चिंताजनक हैं, जहां खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण इस क्षेत्र की बड़ी डेयरी अर्थव्यवस्था में उपभोक्ताओं का भरोसा डिग रहा है। इसका खमियाजा उन निर्दोष लोगों को भुगतना पड़ता है, जो नहीं जानते कि वे एक धीमा जहर खरीद रहे हैं। पंजाब में दूध व डेयरी उत्पादों के नमूनों में भारी कमियां पाई गई हैं। हरियाणा में करीब पचास हजार किलोग्राम मिलावटी मिठाइयां और पनीर नष्ट किया गया है। नूंह में मिलावटी व हानिकारक पनीर की बरामदगी चिंता बढ़ाने वाली है। जो बताता है कि मुनाफा कमाने के लिये कुछ लोग किस हद तक गिर सकते हैं। निस्संदेह, ऐसी कार्रवाई को त्योहारी सीजन तक या फिर लोगों की शिकायत करने तक ही सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सही मायने में दूध व उससे बने उत्पादों, खाद्य तेल, मसालों और पैकेटबंद खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच के लिये सालभर अभियान चलाये जाने चाहिए। साथ ही राज्यों में खाद्य सुरक्षा से जुड़े विभागों को बेहतर सुविधा वाली आधुनिक प्रयोगशालाएं उपलब्ध करायी जानी चाहिए। जांच-पड़ताल के लिए पर्याप्त संख्या में कर्मचारियों की नियुक्तियां हों, उनके कानूनी अधिकार बढ़ाए जाएं तथा जांच के बाद तय समय-सीमा के भीतर कानूनी कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। रडार पर वे लोग रहें जो ऐसे अपराध बार-बार करते हैं। इसके अलावा संबंधित विभागों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई में जो सैंपल फेल हुए, जिन प्रतिष्ठानों ने मिलावट की और जिनके खिलाफ कार्रवाई हुई, उस जानकारी को उपभोक्ताओं के हित में सार्वजनिक किया जाना चाहिए। निस्संदेह, ये घटिया काम जनस्वास्थ्य से अक्षम्य खिलवाड़ हैं, दोषियों को गंभीर अपराध जैसा दंड भी मिलना चाहिए। जब हम भारत को वैश्विक खाद्य-प्रसंस्करण केंद्र बनाने के सपने देखते हैं तो खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के मानक भी भरोसेमंद होने चाहिए। साथ ही मानकों को सख्ती से लागू भी किया जाना चाहिए। सरकारों व नियामक संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उपभोक्ता की थाली में जो भी खाना पहुंचे, वह सुरक्षित हो।

चिंतन-मनन

निष्ठावान बने रहें

एक किसान शहर में आया। गहनों की दुकान पर गया। गहने खरीदे, सोने के गहने, चमकदार। दुकानदार ने मूल्य मांगा। किसान ने कहा, मेरे पास मूल्य नहीं है, रूपए नहीं हैं। घी का भरा हुआ घड़ा है। आप इसे ले लें और गहने मुझे दें। सौदा तय हो गया। दुकानदार भी प्रसन्न और किसान भी प्रसन्न। किसान घर गया। अपने गांव के सुनार को गहने दिखाए। उसने परीक्षण कर कहा, तुम ठगे गए। नीचे पीतल है और ऊपर स्वर्ण का झोल। किसान ने सोचा, मैंने सेठ को ठगा, तो सेठ ने मुझे ठग लिया। सेठ घर गया। घी को दूसरे बर्तन में डालना चाहा। ऊपर घी था, नीचे कंकड़-पत्थर। माथे पर हाथ रख सोचा, ठगा गया। मैंने किसान को ठगा और किसान ने मुझे ठग लिया। किसान सोचता है, मैंने सेठ को ठग लिया। सेठ सोचता है, मैंने किसान को ठग लिया। कोई नहीं ठगा गया। सौदा बराबर हो गया। जब पूरा समाज अनैतिक होता है, तो कौन किसको ठगेगा? कौन ठगा जाएगा? सभी सोचते हैं, मैंने उसको ठग लिया, पर ठगे सभी जाते हैं। बेईमानी जब व्यापक होती है, तब सब ठगे जाते हैं। अकेला कोई नहीं ठगा जाता। समाज में ईमानदार लोग भी हैं। इस ईमानदारी के कंधे पर चढ़कर बेईमानी चल रही है।

कैंसर की दवाओं पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती से मरीजों को मिली बड़ी राहत



सौरभ वार्ष्णेय

कैंसर का नाम सुनते ही किसी भी परिवार के सामने सबसे पहले जिंदगी और मौत का सवाल खड़ा हो जाता है। यह ऐसी बीमारी है, जिसका इलाज न केवल मरीज को शारीरिक और मानसिक रूप से तोड़ता है, बल्कि पूरे परिवार की आर्थिक कमर भी तोड़ देता है। इलाज की लंबी प्रक्रिया, महंगी जांच, अस्पतालों का खर्च और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतें पहले से परेशान परिवारों के लिए किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होतीं। ऐसे में कैंसर की 137 दवाओं की कीमतों में भारी कटौती होना निश्चित रूप से लाखों मरीजों और उनके परिजनों के लिए राहत भरी खबर है। लेकिन इस फैसले के पीछे छिपी सच्चाई देश की स्वास्थ्य व्यवस्था और दवा कारोबार पर गंभीर सवाल भी खड़े करती है।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कैंसर की 137 दवाओं की कीमतें कम की गई हैं। दवा कंपनियों ने 121 दवाओं के 1,364 फॉर्मूलेशन की नई कीमतें जारी की हैं। इनमें 679 ब्रांड की दवाओं के दाम 50 प्रतिशत से अधिक घटाए गए हैं। कुछ दवाओं की कीमतों में तो 96.45 प्रतिशत तक की कमी की गई है। अनुमान है कि इस कदम से मरीजों को सालाना करीब 3,540.38 करोड़ रुपये की बचत होगी। यह आंकड़ा अपने आप में बताता है कि अब तक कैंसर के इलाज के नाम पर आम आदमी की जेब पर कितना बड़ा आर्थिक बोझ पड़ रहा था। इस पूरे मामले में सुप्रीम कोर्ट की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। 22 सितंबर को सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कैंसर की दवाओं की रिटेल कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच भारी अंतर पर गंभीर सवाल उठाए थे। अदालत की टिप्पणी थी कि 2,700 रुपये की दवा मरीज को 27,000 रुपये में मिलना दिनदहाड़े डकैती और नरसंहार जैसा है। न्यायालय की यह नाराजगी केवल दवाओं की कीमतों को लेकर नहीं थी, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल था, जिसमें गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीजों की मजबूरी को कारोबार और मुनाफे का अवसर बना लिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी के बाद 17 अक्टूबर को नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर कंपनियों का ट्रेड मार्जिन 30 प्रतिशत निर्धारित किया। इसी निर्णय के बाद कीमतों में कमी का रास्ता साफ हुआ। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत गठित विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों ने भी इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। समिति में देश के प्रमुख कैंसर विशेषज्ञों, चिकित्सकों, अस्पतालों के प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों को शामिल किया गया था। इसका उद्देश्य दवाओं की कीमतों और व्यापारिक मार्जिन को तर्कसंगत बनाना था।

यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर जीवन बचाने वाली दवाओं के कारोबार में इतना अधिक मुनाफा कैसे संभव हुआ? क्या किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे मरीज की विवशता का फायदा उठाना उचित है? दवा उद्योग का अपना आर्थिक पक्ष है। कंपनियों को अनुसंधान, उत्पादन, गुणवत्ता नियंत्रण, वितरण और नई दवाओं के विकास पर खर्च करना पड़ता है। लेकिन इन सभी खर्चों के नाम पर ऐसी कीमतें वसूलना, जिन्हें आम आदमी वहन ही न कर सके, किसी भी दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता। दवा कोई सामान्य उपभोक्ता वस्तु नहीं है। यह किसी व्यक्ति के जीवन, उसके परिवार की उम्मीद और उसके भविष्य से जुड़ी होती है।

भारत जैसे देश में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच आज भी आर्थिक स्थिति से प्रभावित होती है। संपन्न परिवार बेहतर अस्पतालों और महंगे उपचार का खर्च उठा सकते हैं, लेकिन मध्यमवर्गीय और गरीब परिवारों के सामने अक्सर इलाज जारी रखने या घर की आर्थिक स्थिति बचाने के बीच कठिन चुनाव करने की नौबत आ जाती है। कई बार लोग जमीन, मकान और पुश्तैनी संपत्ति तक बेच देते हैं। कुछ परिवार कर्ज में डूब जाते हैं तो कुछ आर्थिक असमर्थता के कारण उपचार अधूरा छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे हालात में दवाओं की कीमतों पर नियंत्रण केवल आर्थिक नीति का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनशीलता का प्रश्न है।

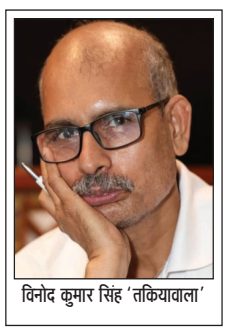
हालांकि, केवल कीमतें घटा देना ही पर्याप्त नहीं होगा। सरकार और संबंधित नियामक संस्थाओं को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि निर्धारित कीमतों का लाभ वास्तव में मरीजों तक पहुंचे। दवा दुकानों, अस्पतालों और वितरकों के स्तर पर नियमित निगरानी होनी चाहिए। यदि कोई कंपनी या विक्रेता निर्धारित मूल्य से अधिक वसूली करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनी रहे और कीमतों पर नियंत्रण के नाम पर उनकी आपूर्ति प्रभावित न हो।

विशेषज्ञ समिति द्वारा सुझाई गई 137 दवाओं की सूची को समय-समय पर अपडेट करने का निर्णय भी महत्वपूर्ण है। कैंसर के उपचार में लगातार नई दवाएं और तकनीकें सामने आ रही हैं। इसलिए मूल्य नियंत्रण की व्यवस्था भी समय और जरूरत के अनुसार विकसित होनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि नई और प्रभावी दवाएं भी आम मरीजों की पहुंच से बाहर न हों। सरकारी अस्पतालों में कैंसर उपचार की सुविधाओं का विस्तार, जांच की सुलभता और स्वास्थ्य बीमा योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही आवश्यक है।

दरअसल, किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने सबसे कमजोर और जरूरतमंद नागरिकों के साथ कैसा व्यवहार करता है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से लड़ रहे मरीजों के लिए दवाओं की कीमत कम होना महज एक आर्थिक राहत नहीं, बल्कि जीवन की उम्मीद को मजबूत करने वाला कदम है। सुप्रीम कोर्ट की सख्ती ने इस दिशा में महत्वपूर्ण हस्तक्षेप किया है। लेकिन इस राहत को स्थायी व्यवस्था में बदलना सरकार, दवा कंपनियों और नियामक संस्थाओं की सामूहिक जिम्मेदारी है।

जीवन बचाने वाली दवाएं मुनाफे का असीमित माध्यम नहीं बननी चाहिए। स्वास्थ्य सेवा का उद्देश्य केवल कारोबार नहीं, बल्कि मानव जीवन की रक्षा होना चाहिए। कैंसर से लड़ रहे मरीजों को बीमारी से संघर्ष करना चाहिए, दवाओं की कीमतों और आर्थिक शोषण से नहीं। यही इस फैसले का वास्तविक संदेश और एक संवेदनशील स्वास्थ्य व्यवस्था की कसौटी है।

यमुना की लहरों पर दिल्ली की नई उड़ान, पर्यटन और विरासत का नया संगम



विनोद कुमार सिंह 'तकियावाला'

'नमो यमुना रिवर सफारी' का शुभारम्भ, केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने साझा की विकास की परिकल्पना; इलेक्ट्रिक क्रूज से खुलेगा नदी पर्यटन, स्थानीय रोजगार और आर्थिक गतिविधियों का नया द्वार...

नई दिल्ली। भारतीय सभ्यता और संस्कृति की साक्षी रही यमुना नदी अब राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पर्यटन की एक नई पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। दिल्ली के पर्यटन इतिहास में 10 नवंबर 2026 का दिन एक महत्वपूर्ण पड़ाव के रूप में दर्ज हुआ, जब सोनिया विहार-जगतपुर के बीच 'नमो यमुना रिवर सफारी' क्रूज सेवा का शुभारम्भ किया गया। यमुना की लहरों पर इलेक्ट्रिक क्रूज की यह यात्रा केवल मनोरंजन की नई सुविधा नहीं, बल्कि राजधानी की ऐतिहासिक विरासत, धार्मिक आस्था, पर्यावरण अनुकूल परिवहन और पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था को एक साथ जोड़ने की पहल है। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने इस सेवा का उद्घाटन किया। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल तरणजीत सिंह संधू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर और हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, लोक निर्माण एवं सिंचाई मंत्री प्रवेश साहिब सिंह तथा सांसद मनोज तिवारी सहित केंद्र और दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इस परियोजना का महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है कि दिल्ली में यमुना का उल्लेख सामान्यतः प्रदूषण, जलस्तर और नदी की सफाई से जुड़ी चुनौतियों के संदर्भ में होता रहा है। ऐसे में नदी के एक हिस्से को पर्यटन और जनसहभागिता के केंद्र के रूप में विकसित करना एक नई सोच को सामने रखता है। भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) ने केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय के नेतृत्व में इस परियोजना को आगे बढ़ाया है। इसमें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी), दिल्ली जल बोर्ड और दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग का सहयोग शामिल है। यह केंद्र और दिल्ली सरकार के विभिन्न विभागों के बीच समन्वित विकास का उदाहरण है।

जलमार्गों के विकास में नई संभावनाएँ : केंद्रीय मंत्री का संदेश

केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने यमुना में मनोरंजक क्रूज सेवा के शुभारम्भ को भारत में अंतर्देशीय जल परिवहन और नदी पर्यटन की संभावनाओं से जोड़ते हुए जलमार्गों के बहुआयामी उपयोग पर बल दिया। उनकी इस पहल के पीछे मूल विचार नदियों को केवल जल संसाधन अथवा माल परिवहन के साधन के रूप में नहीं, बल्कि पर्यटन, यात्री सुविधा और आर्थिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित करना है। इलेक्ट्रिक क्रूज का संचालन स्वच्छ ऊर्जा आधारित जल परिवहन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण प्रयोग है। इससे दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के निवासियों को अपने ही शहर में नदी पर्यटन का नया अनुभव मिलेगा।

भारत सरकार के आधिकारिक आँकड़े इस क्षेत्र में हुए विस्तार की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। देश में राष्ट्रीय जलमार्गों की संख्या बढ़कर 111 हो चुकी है। इनकी कुल घोषित लंबाई 20,187 किलोमीटर है, जो 23 राज्यों और चार केंद्रशासित प्रदेशों में फैली है। इनमें से 32 जलमार्ग परिचालन की स्थिति में हैं। वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय जलमार्गों पर माल परिवहन 145.84 मिलियन मीट्रिक टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँचा। वित्त वर्ष 2013-14 में यह मात्रा केवल 18.10 मिलियन मीट्रिक टन थी। इसी प्रकार राष्ट्रीय जलमार्गों पर यात्री यातायात 2023-24 के 1.61 करोड़ से बढ़कर 2024-25 में लगभग 7.64 करोड़ तक पहुँच गया। ये आँकड़े बताते हैं कि देश में जलमार्गों का उपयोग परिवहन के साथ यात्री सेवाओं और पर्यटन के लिए भी तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया आस्था और आधुनिकता का संगम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन में यमुना के प्रति दिल्लीवासियों की धार्मिक आस्था, प्रेम और श्रद्धा को इस परियोजना का प्रमुख आधार बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि 'नमो यमुना रिवर सफारी' महज क्रूज अथवा नाव की सवारी नहीं, बल्कि मां यमुना के साथ लोगों के भावनात्मक और सांस्कृतिक जुड़ाव को मजबूत करने का एक अवसर है। उनके अनुसार, अब दिल्लीवासियों को अपने परिवार और बच्चों के साथ राजधानी में ही यमुना के प्राकृतिक परिवेश का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव दिल्ली के पर्यटन विकल्पों में एक नया आकर्षण जोड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन सुविधाओं के विकास के साथ नदी की स्वच्छता, सुरक्षा और नागरिक सुविधाओं पर ध्यान देने की आवश्यकता भी रेखांकित की। उनका दृष्टिकोण इस परियोजना को एक व्यापक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का है, जहाँ परिवारों के लिए मनोरंजन, प्रकृति से जुड़ाव और सांस्कृतिक अनुभव एक ही स्थान पर उपलब्ध हों। यह पहल छठ महापर्व से पहले शुरू होने के कारण विशेष महत्व रखती है। छठ पर्व में यमुना सहित नदियों और जलाशयों के प्रति पूर्वांचल तथा बिहार-झारखंड के लोगों की गहरी आस्था जुड़ी हुई है।

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा की परिकल्पना ÷क्रूज से आगे मनोरंजन परिसर

दिल्ली के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने इस परियोजना को केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और संबंधित एजेंसियों का साझा प्रयास बताया। उन्होंने सोनिया विहार में विकसित मनोरंजन क्षेत्र की सुविधाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इसका उद्देश्य केवल क्रूज यात्रा उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि इस पूरे क्षेत्र को परिवारों और पर्यटकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाना है। यहाँ बच्चों के लिए खेल और गेमिंग क्षेत्र, खानपान की सुविधा, फूड जोन, खरीदारी तथा अन्य मनोरंजन गतिविधियों की व्यवस्था विकसित की गई है। शाम के समय भगवान श्रीकृष्ण और यमुना मैया की थीम पर आधारित संगीतमय फव्वारे का आकर्षण भी इस परिसर का हिस्सा है।

मंत्री के अनुसार, पर्यटकों के लिए प्रवेश सुबह नौ बजे से शुरू करने और रात लगभग नौ बजे तक अंतिम टिकट जारी करने की व्यवस्था बताई गई है। भविष्य में पर्यटकों की संख्या और मांग को देखते हुए क्रूज नौकाओं की संख्या बढ़ाने की भी योजना है। इससे स्थानीय कारोबारियों, खानपान संचालकों, परिवहन सेवाओं और अन्य छोटे व्यवसायों के लिए रोजगार तथा आय के नए अवसर पैदा हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मिस्र में भीषण ट्रेन हादसा : दो ट्रेनों की टक्कर के बाद पटरी से उतरे डिब्बे, 7 की मौत, 125 घायल



अल-अय्यात, एजेंसी। मिस्र की राजधानी काहिरा के दक्षिण में रविवार को दो ट्रेनों की टक्कर हो गई, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई और कम से कम 125 लोग घायल हो गए. अधिकारियों ने बताया कि मरने वालों में ट्रेन का कंडक्टर भी शामिल है. हेल्थ मिनिस्ट्री ने मरने वालों की संख्या बताते हुए एक बयान में कहा कि 70 से ज़्यादा घायलों को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक यह हादसा गीजा प्रांत के अल-अय्यात जिले में हुआ, जो काहिरा से लगभग 52 किलोमीटर (32 मील) दक्षिण में है. ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के मुताबिक दक्षिण-पश्चिमी फयूम प्रांत जा रही एक ट्रेन, दक्षिणी प्रांत असवान जा रही एक ट्रेन के पिछले हिस्से से टकरा गई. चीफ प्रॉसिक्यूटर के ऑफिस ने रविवार देर रात कहा कि उनके इन्वेस्टिगेटर मौके पर पहुंच गए हैं. अधिकारियों ने कहा कि जांच से पता चला है कि क्रैश तब हुआ जब गीजा-फय्यूम ट्रेन काहिरा-असवान ट्रेन के आखिरी डिब्बे से टकरा गई, जो उसी ट्रैक पर खड़ी थी और उसी दिशा में जा रही थी. मिस्र में ट्रेन का पटरी से उतरना और क्रैश होना आम बात है, जहां रेलवे सिस्टम में मिसमैनेजमेंट और इक्विपमेंट के खराब मेंटेनेंस का इतिहास रहा है. हाल के सालों में सरकार ने मॉडर्नाइजेशन की पहल की घोषणा की है. अल-अय्यात के कफर गिरजा के रहने वाले अयमान गमाल ने कहा कि जहाँ यह हादसा हुआ आस-पास रहने वाले लोग मौके पर दौड़े, ज़िंदा बचे लोगों को बाहर निकाला और एम्बुलेंस को बुलाया. गमाल ने कहा कि उन्होंने लगभग 80 घायलों को एम्बुलेंस से पास के अस्पतालों में ले जाते देखा. उन्होंने कहा कि कुछ यात्री रुकी हुई ट्रेन के एक डिब्बे में फँस गए थे और जब उन्हें बाहर निकाला गया तो उनकी मौत हो चुकी थी. बेनी सुएफ प्रांत के अल-वस्ता सेंट्रल हॉस्पिटल के बाहर जहाँ कुछ घायलों को इलाज के लिए ले जाया गया था, बचे हुए लोगों ने कहा कि यात्री सदमे में थे और उड़ रही धूल की वजह से उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी. उन्होंने कहा कि आस-पास के गाँव वालों ने आखिरकार उन्हें बाहर निकाला. फय्यूम ट्रेन के अंदर मौजूद एक बची हुई फरहा गमाल ने कहा कि उसने कुछ यात्रियों को मरा हुआ देखा और कुछ लोग डिब्बे से बाहर निकलने के लिए जूझ रहे थे. उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, 'कुछ और गाड़ियां भी थी जो पूरी तरह से खराब हो गई थी.' प्रेसिडेंट अब्देल-फतह अल-सिसी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने क्रैश की तुरंत जांच के आदश दिए हैं. इजिप्टियन रेलवे अथॉरिटी ने कहा कि मलबा हटाने और ट्रेन सर्विस को जल्द से जल्द नॉर्मल शेड्यूल पर लाने के लिए इमरजेंसी टीम और क्रेन मौके पर भेजे गए. पिछले सितंबर में उसी जिले में दो मालगाड़ियों की टक्कर में एक ट्रेन ड्राइवर और उसका असिस्टेंट घायल हो गए थे. इजिप्ट का सबसे खतरनाक ट्रेन क्रैश 2002 में हुआ था, जब काहिरा से दक्षिणी इजिप्ट जा रही एक रात भर चलने वाली ट्रेन में आग लगने से 300 से ज़्यादा लोग मारे गए थे.

कुर्दिस्तान के गैस क्षेत्र पर ड्रोन हमला, बड़ा बिजली संकट

कुर्दिस्तान, एजेंसी। इराक के कुर्दिस्तान में खोर मोर गैस क्षेत्र पर एक ड्रोन हमला हुआ है। अल जज़ीरा के अनुसार, इस हमले से क्षेत्र में बड़ा ऊर्जा आपातकाल उत्पन्न हो गया। कुर्दिस्तान क्षेत्रीय सरकार (केआरजी) के बिजली मंत्रालय के प्रवक्ता ओमिद अहमद ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड में बिजली उत्पादन लगभग 2.8 गीगावाट कम हो गया। ड्रोन विस्फोट से गैस आपूर्ति बाधित हुई। इससे एरबिल, सुलेमानियाह, बाजियान, चमचमाल और दुहोक जैसे पांच प्रमुख शहरी केंद्रों को ईंधन नहीं मिला। अधिकारियों ने ग्रिड के पतन को रोकने के लिए आपातकालीन प्रोटोकॉल लागू किए। बिजली मंत्रालय संवेदनशील स्थलों (अस्पतालों) को बिजली देने के लिए जलविद्युत व अन्य ईंधन स्टेशनों का उपयोग कर रहा है। कुर्द सुरक्षा बलों ने हमले की पुष्टि की पर किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। यह हमला कुर्द अधिकारियों और तेहरान के बीच उच्च स्तरीय सुरक्षा वार्ता के दौरान हुआ।

ट्रंप ने वार्ता में ठोस प्रगति नहीं होने पर ईरान के 38 पुलों को निशाना बनाने की धमकी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को कहा कि यह बहुत कम संभावना है कि वह अमेरिकी सेना को ईरान के साथ लड़ाई में वापस जाने का आदेश देंगे, बशर्ते तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम और रणनीतिक होर्मुज स्ट्रेट को फिर से खोलने पर बातचीत में ठोस प्रोग्रेस हो. साथ ही उन्होंने बताया कि अमेरिका ने 38 ईरानी पुलों और मुख्य इंफ्रास्ट्रक्चर की पहचान की है जिन्हें नुकसान हो सकता है. सीएनएन ने यह जानकारी दी. सीएनएन एंकर के साथ 20 मिनट के टेलीफोन इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी बात पांच बार दोहराई, जिससे पता चला कि अगर तेहरान पूरी डिप्लोमैटिक छूट देने के लिए राजी हो जाता है, तो आगे मिलिट्री बढ़ोतरी की बात नहीं होगी.

ट्रंप ने सीएनएन से कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि वे एक बहुत मजबूत एग्रीमेंट पर साइन करते हैं या नहीं.' जवाब यह है कि इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. वे एक नाकाम देश हैं. यह अभी सामने आया है, आपने इस साल 301 फीसदी महंगाई देखी. इसकी जरूरत पड़ने की संभावना बहुत कम है. अगर जरूरत पड़ी तो मैं करूँगा, लेकिन हमने उन पर बहुत जोर से मारा है. आपको नहीं पता कि मैंने उन पर कितना जोर से मारा है.' ट्रंप ने कहा कि पिछले मिलिट्री हमलों के साथ खतरनाक आर्थिक प्रतिबंध ने तेहरान की काबिलियत को बहुत कम कर दिया है. ट्रंप ने आगे कहा, 'इसलिए इसकी बहुत कम उम्मीद है कि मुझे ऐसा करना पड़ेगा. वे फाइनेंशियली खत्म हो रहे हैं हमने उन पर मिलिट्री हमला किया है. हम उन्हें खत्म कर सकते हैं.' सीएनएन के मुताबिक ट्रंप ने आगे बताया,



'हमारी साइट पर 38 पुल हैं जिन्हें हम सचमुच एक घंटे में गिरा सकते हैं. वे सभी गिर जाएंगे.' लॉजिस्टिकल रास्तों को खत्म करने में अपनी हिचकिचाहट बताते हुए ट्रंप ने कहा, 'मैं ऐसा नहीं करना चाहता क्योंकि असल में उन्हें फिर से बनाने में 10 साल लगेंगे. मुझे पुल तोड़ना पसंद नहीं है और सबसे मुश्किल काम पुल बनाना है.

इसमें सालों लगते हैं और मैं एक अच्छा बिल्डर हूं.' इस बीच ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के एक सलाहकार ने कहा कि वॉशिंगटन में हो रहे राजनीतिक घटनाक्रम-जिसमें हाल ही में अमेरिका के मिडटर्म चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी की जीत भी शामिल है- का वॉशिंगटन के प्रति तेहरान के रुख पर कोई असर नहीं पड़ेगा, अल जजीरा ने रिपोर्ट किया. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सीनियर सलाहकार मोहम्मद मोखबर ने अमेरिकी कानूनी माहौल में बदलावों से उम्मीदें न रखने की चेतावनी दी और ईरानी प्रशासन से सिर्फ घरेलू आर्थिक मजबूती पर भरोसा करने को कहा. अल जजीरा के मुताबिक मोखबर ने लिखा कि 'अपनी किस्मत वॉशिंगटन से बांधना नादानी होगी.' उन्होंने आगे कहा, 'अपने आर्थिक रिसोर्स को जुटाना जरूरी है. समय एक राष्ट्रीय संपत्ति है. इसे बर्बाद नहीं करना चाहिए.' दिन में पहले ईरान की आर्म्ड फोर्सेज ने अमेरिका को इस्लामिक रिपब्लिक के प्रति अपनी दबदबे वाली और दुश्मनी भरी पॉलिसीज को आगे बढ़ाने के खिलाफ चेतावनी दी और कहा कि ईरान के खिलाफ खड़ी कोई भी ताकत आखिरकार खत्म और बिखर जाएगी.

ईरान की सरकारी मीडिया इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग के मुताबिक ईरान की आर्म्ड फोर्सेज के प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल शेखरची ने कहा, 'अमेरिका में राजनीतिक और चुनावी प्रगति और ट्रंप प्रशासन और अलग-अलग फील्ड्स में उनकी पार्टी के साथियों की लगातार हार, देश की घरेलू पॉलिटिक्स में ऊपरी उतार-चढ़ाव का नतीजा होने के बजाय, एक बड़ी और पक्की सच्चाई की झलक है.' शेखरची ने यह भी आरोप लगाया कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी पॉलिसी, और वेस्ट एशिया और दुनिया के दूसरे हिस्सों में लगातार मिली नाकामियों ने वॉशिंगटन की स्थिति को कमजोर कर दिया है. प्रवक्ता ने कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नेताओं की दुश्मनी भरी नीतियां, दुनिया में लगातार नाकामियां, खासकर पश्चिम एशियाई इलाके में हमलावर के मिलिट्री बेड़े और साजो-सामान का खत्म होना और उस देश की धमकियों में रुकावट ने व्हाइट

हेगसेथ को हटाने के लिए डेमोक्रेट्स लामबंद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में मध्यावधि चुनावों में जीत के बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन पर दबाव बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। हाउस में डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हकीम जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया है। उन्होंने हेगसेथ पर गंभीर कदाचार और ईरान के साथ जारी युद्ध के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया। रविवार को एबीसी न्यूज से बातचीत में जेफ्रीज ने रिपब्लिकन सांसद थॉमस मैसी की ओर से तैयार किए जा रहे महाभियोग प्रस्ताव का समर्थन किया। उन्होंने कहा, 'मैं हेगसेथ के खिलाफ प्रस्ताव का पूरी तरह समर्थन करता हूं।' जेफ्रीज ने बताया कि डेमोक्रेटिक सांसद मंगलवार को दोबारा संसद की बैठक शुरू होने पर इस प्रस्ताव पर चर्चा करेंगे।



हेगसेथ पर सत्ता के दुरुपयोग का आरोप : जेफ्रीज ने युद्ध मंत्री की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग किया है और अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है। उन्होंने कहा, 'कथित रक्षा मंत्री ने अपनी शक्तियों का दुरुपयोग किया है, हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर किया है और ईरान में इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध की योजना बनाई है। इस युद्ध के कारण अमेरिकी लोगों के लिए कीमतें बहुत बढ़ गई हैं और देश पहले से कम सुरक्षित हो गया है। पीट हेगसेथ को पद छोड़ना होगा। 'जेफ्रीज ने कहा कि जनवरी में कांग्रेस का औपचारिक नियंत्रण मिलने के बाद विपक्षी गठबंधन इस संघर्ष को खत्म करने के लिए विधायी विकल्पों पर काम करेगा। उन्होंने कहा, 'हम इस गैरजरूरी और महंगे युद्ध को खत्म करने जैसे कदम उठाना चाहते हैं, जिसने लोगों की जिंदगी को बहुत महंगा बना दिया है।' वहीं, सीएनएन के मुताबिक, हेगसेथ ने एक वीडियो बयान जारी कर महाभियोग की पहल को खारिज कर दिया। उन्होंने इसे 'व्यक्तिगत छवि खराब करने की राजनीति' बताया और कहा कि यह उनके खिलाफ कामयाब नहीं होगी।

तेहरान की मांगें अस्वीकार्य और बेतुकी': अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का बड़ा बयान, ईरान ने क्या कहा?



वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान के साथ जारी संघर्ष को समाप्त करने के लिए की जा रही कूटनीतिक कोशिशों में अब तक कोई प्रगति या सफलता नहीं मिली है। उन्होंने इसके लिए तेहरान की मांगों को जिम्मेदार ठहराया और उन्हें 'अस्वीकार्य', 'अपमानजनक' और 'बेतुका' बताया। समाचार एजेंसी अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने स्पष्ट किया कि फिलहाल दोनों देशों के बीच किसी समझौते की संभावना नजर नहीं आ रही है। फ्लोरिडा के होमस्टेड एयर रिजर्व बेस पर पेरिस रवाना होने से पहले पत्रकारों से बातचीत में रुबियो ने यह टिप्पणी की। वह जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने के लिए पेरिस जा रहे थे। इस दौरान उन्होंने अमेरिका और ईरान के बीच पर्दे के पीछे चल रही बातचीत और मध्यस्थता के प्रयासों पर भी अपनी बात रखी। रुबियो ने स्वीकार किया कि कई तीसरे देश वाशिंगटन और तेहरान के बीच मध्यस्थता कर रहे हैं और अलग-अलग प्रस्तावों के साथ दोनों पक्षों से संपर्क बनाए हुए हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि बातचीत किसी समझौते के करीब पहुंच गई है। रुबियो ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं से दुनिया को सुरक्षित रखने के लिए उसके खिलाफ युद्ध शुरू किया था। उन्होंने स्वीकार किया कि यह फैसला जरूरी नहीं कि लोकप्रिय रहा हो, लेकिन देश और दुनिया की सुरक्षा के लिहाज से इसे लेना आवश्यक था। अल जजीरा के मुताबिक, रुबियो ने कहा, 'कई देश अलग-अलग विचारों के साथ उनके (ईरान) संपर्क में बने हुए हैं, लेकिन मैं यह नहीं कहूंगा कि हम किसी बड़ी सफलता के करीब हैं।' उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अंतरराष्ट्रीय विवादों को कूटनीति के जरिए सुलझाने को प्राथमिकता देते हैं, लेकिन बातचीत के लिए ऐसी शर्तें जरूरी हैं, जिन पर व्यावहारिक रूप से सहमति बन सके। रुबियो का यह बयान ऐसे समय आया है, जब ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी बातचीत में गतिरोध की बात स्वीकार कर चुके हैं।

ब्रिटेन में नौ साल के हिंदू बच्चे को तिलक लगाने से रोका: स्कूल छोड़ने को मजबूर हुआ परिवार

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन में नौ साल के एक हिंदू बच्चे को माथे पर तिलक लगाकर स्कूल आने से रोकने का मामला सामने आया है। यह विवाद लंदन के विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल से जुड़ा है। बच्चा स्वामीनारायण संप्रदाय को मानता है और 2021 से इस स्कूल में पढ़ रहा था। वह कई वर्षों से माथे पर धार्मिक पहचान के तौर पर तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। हालांकि, 2025 के आखिर में स्कूल ने इस पर आपत्ति जताई। इसके बाद विवाद बढ़ा और आखिरकार माता-पिता ने बच्चे को स्कूल से निकाल लिया। अब परिवार ने इस मामले में ब्रिटेन के हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है।

माता-पिता ने स्कूल पर क्या आरोप लगाए?: बच्चे के माता-पिता का कहना है कि उनके बेटे को केवल अपनी धार्मिक परंपरा का पालन करने की वजह से परेशानी झेलनी पड़ी। परिवार की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अपने बेटे को सिर्फ आस्था का पालन करने के कारण इस तरह की स्थिति से गुजरते देखना उनके लिए बेहद दुखद था। माता-पिता के मुताबिक, बच्चा कई वर्षों से बिना किसी परेशानी के तिलक चंदलो लगाकर स्कूल जाता था। उन्होंने कहा कि उनके बेटे की धार्मिक पहचान से किसी को नुकसान नहीं पहुंचता था और न ही इससे उसकी पढ़ाई या स्कूल की



गतिविधियों पर कोई असर पड़ता था। परिवार ने कहा कि वे अपने बच्चों को सभी धर्मों का सम्मान करना सिखाते हैं और चाहते हैं कि उनके धर्म के प्रति भी वैसा ही सम्मान दिखाया जाए। उन्होंने उम्मीद जताई कि किसी दूसरे बच्चे को अपनी पढ़ाई और धर्म में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े।

परिवार ने हाईकोर्ट में क्या कानूनी मांग रखी है? : इस मामले में परिवार की ओर से अश्रे लॉ कानूनी लड़ाई लड़ रहा है। कानूनी टीम ने ब्रिटेन के इक्वैलिटी एक्ट 2010 के तहत धार्मिक भेदभाव और ह्यूमन राइट्स एक्ट 1998 के तहत मिले अधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया है। इंग्लैंड और वेल्स के हाईकोर्ट में दायर याचिका में परिवार ने 25 हजार पाउंड के हर्जाने की मांग की है।

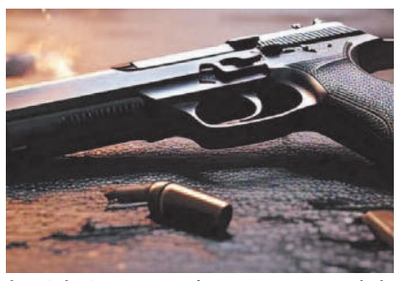
स्कूल ने अपने बचाव में क्या कहा?

स्कूल ने परिवार की ओर से लगाए गए भेदभाव के आरोपों को खारिज किया है। विकर्स ग्रीन प्राइमरी स्कूल का कहना है कि उसने परिवार की धार्मिक मान्यताओं को समझते हुए संवेदनशीलता के साथ काम किया और वैकल्पिक व्यवस्था की पेशकश भी की थी, लेकिन माता-पिता ने उसे स्वीकार नहीं किया। स्कूल ने यह भी कहा कि वह अपने समुदाय में अलग-अलग संस्कृतियों और धर्मों का सम्मान करता है। उसके मुताबिक, स्कूल की नीति का उद्देश्य आपसी मेलजोल, निष्पक्षता, समानता और सभी के साथ अपनापन बनाए रखना है। साथ ही, स्कूल समुदाय में किसी तरह के बंटवारे या व्यवधान को रोकना भी इस नीति का हिस्सा है। तिलक चंदलो स्वामीनारायण संप्रदाय को मानने वाले लोगों की धार्मिक पहचान का प्रतीक है। इसे आमतौर पर चंदन के लेप से अंग्रेजी के अक्षर 'यू' के आकार में बनाया जाता है और बीच में कुमकुम का छोटा लाल निशान लगाया जाता है। यह भगवान के प्रति भक्ति और विनम्रता का प्रतीक माना जाता है। परिवार का आरोप है कि स्कूल की आपत्ति के बाद बच्चे से उसके धार्मिक रीति-रिवाजों को लेकर बार-बार सवाल किए गए और उसे स्कूल की कुछ गतिविधियों में हिस्सा लेने से भी रोका गया।

कॉलेज के एक समारोह में गोलीबारी, जश्न के बीच अचानक हुआ हमला, एक की मौत

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना स्थित एक ऐतिहासिक अश्वेत विश्वविद्यालय में होमकमिंग समारोह के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में पुलिस ने एक 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। इस घटना में 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि 22 वर्षीय महिला घायल हो गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर हथियार रखने का मामला दर्ज किया है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। परिसर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और जांच जारी है।

विंस्टन-सलेम स्टेट यूनिवर्सिटी में शनिवार रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर गोलीबारी की आवाज सुनाई दी। इसके बाद पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। वहां उन्हें 19 वर्षीय युवक गोली लगने से घायल मिला। अधिकारियों ने उसे बचाने के लिए जरूरी कदम उठाए, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इसी जगह पुलिस को 22 वर्षीय महिला भी मिली, जिसे गोली लगी थी। उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के बाद महिला को अस्पताल



से छुट्टी दे दी गई। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में जियायरे स्पिंक्स नाम के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है।

आरोपी पर कौन-कौन से आरोप लगाए गए हैं? : पुलिस के सहायक प्रमुख जेसन स्वेम के मुताबिक, आरोपी को बिना जमानत हिरासत में रखा गया है। उसके खिलाफ हत्या और शिक्षण संस्थान की संपत्ति पर बंदूक रखने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने बताया कि गोलीबारी के पीछे की पूरी वजह अभी स्पष्ट नहीं हुई है। जांचकर्ता मामले से जुड़े तथ्यों और परिस्थितियों का पता लगा रहे हैं। हालांकि, शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस ने इसे एक अलग-थलग घटना बताया है। इसका मतलब है कि फिलहाल इस गोलीबारी को किसी दूसरी घटना से जुड़ा हुआ नहीं माना जा रहा है।

क्या विश्वविद्यालय परिसर में एक से ज्यादा बार गोलीबारी हुई थी? : पुलिस ने रविवार तड़के हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया था कि शनिवार रात विश्वविद्यालय परिसर में दो अलग-अलग जगहों पर गोलीबारी हुई थी। हालांकि, दूसरी घटना के बारे में अधिकारियों ने अभी कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी है। यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि दूसरी गोलीबारी में कोई घायल हुआ या नहीं। पुलिस ने दोनों घटनाओं से जुड़े तथ्यों की जांच जारी रखी है। अधिकारियों ने फिलहाल यह भी नहीं बताया है कि दोनों घटनाओं के बीच कोई संबंध है या नहीं। ऐसे में दूसरी गोलीबारी से जुड़ी जानकारी सामने आना अभी बाकी है। घटना के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने होमकमिंग समारोह की बाकी गतिविधियां रद्द कर दीं। इन कार्यक्रमों के स्थान पर एक स्थानीय चर्च ने विश्वविद्यालय समुदाय के लिए प्रार्थना सभा आयोजित करने की योजना बनाई।



कैलिफोर्निया : जहाज से समुद्र में गिरा पियानोवादक, नौ घंटे तक तैरता रहा, मछुआरों ने बचाई जान

कैलिफोर्निया, एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया में क्रूज शिप से गिरे एक पियानोवादक को नौ घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाला गया। वो समुद्र में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष करता रहा। करीब 20 मील दूर समुद्र में तैर रहे इस व्यक्ति को दो मछुआरों ने बचाया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसके बचने की उम्मीद है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को कैलिफोर्निया के न्यूपोर्ट बीच के पास हुई। बचाए गए व्यक्ति की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। उसने मछुआरों को बताया कि वह रॉयल कैरेबियन के 14 डेक वाले क्रूज जहाज 'ओवेशन ऑफ द सीज' में पियानोवादक के रूप में काम करता है। सीन नॉर्टन और ग्रांट गैरेट कैटालिना द्वीप के पास मछली पकड़ने के बाद अपनी नाव से लौट रहे थे। इसी दौरान दोपहर करीब 12 बजे उनकी नजर समुद्र में एक व्यक्ति पर पड़ी। उसे देखते ही उन्होंने मछली पकड़ने का सामान समेटा और नाव रोककर उसे बाहर निकालने की कोशिश शुरू की। दोनों मछुआरों ने मिलकर उसे नाव पर खींच लिया। पिपुल डॉट कॉम ने बताया कि नॉर्टन के मुताबिक, वह बेहद सदमे में था। होश संभालने के बाद उसने कहा, ''धन्यवाद, मुझे लगा था कि मैं मरने वाला हूं।'' व्यक्ति को बचाने के बाद मछुआरों ने समुद्री आपातकालीन सेवा को सूचना दी। इसके बाद न्यूपोर्ट बीच के लाइफगार्ड मौके पर पहुंचे और उसे अस्पताल पहुंचाया गया।

स्थानीय अधिकारियों का अनुमान है कि व्यक्ति शुक्रवार तड़के करीब 2:30 बजे जहाज से समुद्र में गिरा होगा। हालांकि, इसकी सटीक पुष्टि नहीं हुई है। अमेरिकी तटरक्षक बल (यूएस कोस्ट गार्ड) इस मामले की जांच कर रहा है कि वह क्रूज जहाज से समुद्र में कैसे गिरा। मछुआरों के मुताबिक, समुद्र का तापमान करीब 76 डिग्री फारेनहाइट (लगभग 24.4 डिग्री सेल्सियस) होने से उसकी जान बचने में मदद मिली हो सकती है।

पोलैंड गोलीबारी: पीड़ितों के सम्मान में आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज, क्या बोलीं यूरोपीय संघ की प्रमुख वॉन डेर?

ब्रसेल्स, एजेंसी। पोलैंड के क्राको शहर में हुई भीषण गोलीबारी के पीड़ितों और बचावकर्मियों के सम्मान में यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों के राष्ट्रीय ध्वज आधे झुका दिए गए हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने हमले पर दुख जताया। साथ ही पीड़ितों के प्रति एकजुटता दिखाई। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप ने दुख और हैरानी के साथ शनिवार को हुए इस खौफनाक हमले की खबर सुनी। उन्होंने कहा कि आधे झुके राष्ट्रीय ध्वज यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं।

उन्होंने लिखा, आज सुबह यूरोप ने कल क्राको में हुए खौफनाक हमले के बाद दुख और अविश्वास के साथ दिन की शुरुआत की। पीड़ितों और बहादुर बचावकर्मियों के सम्मान में हमारे राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके हुए हैं। ये यूरोपीय एकता और एकजुटता का प्रतीक हैं। नफरत से ज्यादा मजबूत। चरमपंथ से ज्यादा मजबूत।

गोलीबारी में कितने लोगों की गई जान?: यह बयान शनिवार को क्राको के मशहूर मेन मार्केट स्क्वायर में हुई गोलीबारी के बाद आया है। शहर के ऐतिहासिक केंद्र में एक बंदूकधारी ने गोलीबारी की थी। इसमें छह लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में दो पुलिस अधिकारी भी शामिल थे। एक दर्जन से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस बीच, पोलैंड के आंतरिक और प्रशासन मंत्रालय में सामाजिक संचार विभाग की निदेशक और प्रेस प्रवक्ता करोलिना गालेका ने



बताया कि हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। एक्स पर पोस्ट में गालेका ने बताया कि प्रभावित लोगों में ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल के नागरिक हैं।

उन्होंने लिखा, हम आपको बताना चाहते हैं कि कल क्राको में हुए हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों में पांच देशों के नागरिक शामिल हैं। ये देश हैं- ब्रिटेन, ऑस्ट्रिया, जर्मनी, रूस और पुर्तगाल।

पांच देशों के दूतावासों को दी गई जानकारी? : गालेका ने आगे बताया कि लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना की जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं।

उन्होंने कहा, लेसर पोलैंड प्रांत के गवर्नर ने उन देशों के वाणिज्य दूतावासों के प्रतिनिधियों को घटना के बारे में जानकारी दी है, जिनके नागरिक इस हमले से प्रभावित हुए हैं। पीड़ितों की निजता बनाए रखने की जरूरत पर जोर देते हुए गालेका ने कहा कि अधिकारी उनकी निजी जानकारी सार्वजनिक नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, उनकी निजता की रक्षा के लिए हम पीड़ितों की उम्र, लिंग या स्वास्थ्य की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे रहे हैं। पोलैंड के गृह मंत्री मार्सिन किएरविंस्की ने स्थानीय मीडिया को बताया कि संदिग्ध 24 साल का पोलिश नागरिक है। वह दक्षिणपंथी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित था। उसके विचार बेहद कट्टर और अति-राष्ट्रवादी थे। पुलिस के एक प्रवक्ता के मुताबिक, गोलीबारी के दौरान हमलावर ने सेना जैसी वर्दी और बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी। उसने सेना में इस्तेमाल होने वाली लंबी बंदूक से गोलियां चलाई थीं। पुलिस ने उसकी कार से कई अन्य हथियार और गोला-बारूद भी बरामद किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि खुद गोली लगने के बाद भी हमलावर पुलिस अधिकारियों पर गोलियां चलाता रहा।

प्रदूषण की वजह से न छोड़े Exercise

घर में ही कर सकते हैं ये 5 आसान वर्कआउट



बढ़ते प्रदूषण ने कहीं न कहीं हर किसी की सेहत पर असर डाला है। ऐसे में सभी की यही कोशिश रहती है कि बाहर नहीं निकलना पड़े। कुछ लोग तो ऐसे भी हैं, जो मॉर्निंग वॉक भी छोड़ रहे हैं, जिससे उनकी सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। अगर आप भी प्रदूषण की वजह से अपना वर्कआउट छोड़ बैठे हैं, तो ऐसी गलती बिल्कुल न करें, हम आपको कुछ ऐसे इनडोर वर्कआउट बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप बिना बाहर गए भी कर सकते हैं-

डांस करें

पॉल्यूशन में घर से बाहर निकलना खतरे से खाली नहीं तो आप इनडोर वर्कआट्स जैसे योगा और जुंबा ट्राई कर सकते हैं। जुंबा के अलावा आप कोई भी डांस कर सकती हैं। इससे आप फ्रेश और एनर्जेटिक महसूस करेंगी।

योग और सूर्यनमस्कार

अगर आपको योग नहीं आता, तो बेसिक योगासन जैसे सूर्य नमस्कार से शुरुआत कर सकते हैं। सूर्य नमस्कार से बॉडी की मसल्स स्ट्रेच होती हैं और आप पूरे दिन फ्रेश फील करेंगे। आप इंटरनेट पर ये आसन देख सकते हैं।

प्राणायाम करें

इसके अलावा प्राणायाम करना भी अच्छा ऑप्शन है। इसमें डीप ब्रीदिंग करनी होती है, जो कि आपके रिस्पिरेटरी सिस्टम को दुरुस्त रखता है।

ऐक्रोयोगा

घर के अंदर आप ऐक्रोयोगा भी ट्राई कर सकते हैं। यह ऐक्रोबेटिक्स और योग का मिलाजुला रूप है। मसल स्ट्रेंथ के लिए आप अपना बॉडी वेट, किताबें वगैरह यूज कर सकते हैं।

वॉल पुशअप्स

वॉल पुशअप्स, स्क्वैट्स, क्रंचेज वगैरह कुछ ऐसी एक्सर्साइज हैं, जो 15-20 मिनट में हो जाती हैं।

इन 5 चीजों से तेजी से कर सकते हैं अपना वजन कम



रोजमेरी

ज्यादातर लोगों को लगता है कि रोजमेरी सिर्फ ब्यूटी फेस पैक में ही इस्तेमाल होता है, लेकिन आपको बता दें कि खाने में रोजमेरी के नियमित इस्तेमाल से आपके पेट पर चर्बी नहीं आती।

अजवाइन

आपने सुना होगा कि पेट खराब होने पर अजवाइन का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन बहुत से लोग नहीं जानते कि खाने में अजवाइन डालने से न सिर्फ खाना आसानी से पच जाता है, बल्कि इससे फैट भी जमा नहीं होता।

ओर्गेनो

आपने पिज्जा और सैंडविच में ओर्गेनो का स्वाद चखा होगा। ओर्गेनो के इस्तेमाल से किसी भी डिश का जायका बढ़ जाता है, वहीं ओर्गेनो सिर्फ स्वाद बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि इसमें वजन कम करने के फैक्टर भी होते हैं।

पुदीना

पुदीना की चटनी और शिंकजी में इसका इस्तेमाल बहुत ही अच्छा माना जाता है। पुदीना खाने को पचाने में भी बहुत असरदायक है। आप अगर पेट पर चर्बी जमा नहीं होने देना चाहते, तो पुदीने का इस्तेमाल आज ही शुरू कर दें।

नीबू

आप अगर वजन कम करना चाहते हैं, तो नीबू पानी का इस्तेमाल आज से ही शुरू कर दीजिए। रोजाना सुबह पानी में नीबू डालकर पीने से आप न सिर्फ मोटापे को कम कर सकते हैं, बल्कि इससे आपकी पेट की कई बीमारियां भी दूर हो जाएगी।

रेसिपी



वेजिटेबल फिंगर्स

सामग्री

- **आलू:** 3 (उबले और मैश किए हुए)
- **गाजर:** 1/2 कप (बारीक कटे हुए)
- **मेथी:** 1/4 कप
- **बीन्स:** 3-4 कप (बारीक कटा)
- **नमक:** स्वाद के अनुसार
- **काली मिर्च:** स्वाद के अनुसार
- **ब्रेड क्रम्स:** 1 कप
- **तेल:** तलने के लिए

विधि

सभी सामग्री को एक साथ बाउल में मिक्स कर लें और उन्हें फिंगर्स का शेप दें। अब कढ़ाही में तेल डालें और सुनहरा होने तक तल लें। तैयार है वेजिटेबल फिंगर्स।



तवा पुलाव

सामग्री

- **चावल:** 1/2 कप
- **तेल या मक्खन:** 1 चम्मच
- **जीरा:** 1/2 चम्मच
- **प्याज बारीक काटा:** 1/4 कप
- **अदरक-लहसुन पेस्ट:** 1 चम्मच
- **टमाटर:** 1/3 कप बारीक कटे
- **पावभाजी मसाला:** 1 बड़ा चम्मच
- **लाल मिर्च पाउडर:** 1/2 चम्मच
- **शिमला मिर्च:** 1/4 कप बारीक कटी
- सीजनल सब्जियां आलू
- गाजर, बींस, मटर- 3/4 कप
- **हरी धनिया:** बारीक कटी
- **नमक:** स्वाद के अनुसार

विधि

चावल को धोकर अच्छे से पका लें। सारी सब्जियों को काटकर हल्का उबाल लें। अब एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें जीरा डालकर तड़काएं। अब इसमें प्याज डालें और उसे सुनहरा भूरा करें। इसके बाद इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालकर भूनेंगे। फिर टमाटर और नमक डालकर नरम होने तक पकाएं। अब इसमें सभी उबली हुई सब्जियों को डाल दें। ऊपर से पावभाजी मसाला डालें और पानी डालकर थोड़ी देर और पकाएं। पानी की मात्रा बहुत ज्यादा न हो। अब इसमे चावल डालेंगे और ऊपर से बारीक कटी हरी धनिया डालकर सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

अध्ययन-अध्यापन में समय गुजरेगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-2-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

महत्त्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। रूकावटें आएंगी। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। शुभांक-2-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। खान-पान में सावधानी रखें। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-1-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। साक्षात्कार के लिए दिन शुभ रहेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। निकटजनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। बुरी संगति से बचें। सुविधाओं में शनैः-शनैः बाधा आएगी। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

पूर्व में किये कार्यों से लाभ मिलेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। शांतिपूर्वक कार्य करें। धार्मिक यात्रा का योग हैं। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

दाम्पत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने में सफल होंगे। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति ठीक रहेगी। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। शुभांक-4-5-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

मनोरथ सिद्ध होंगे, पूरे मनोयोग से काम में लगे रहें। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। शुभांक-4-7-9

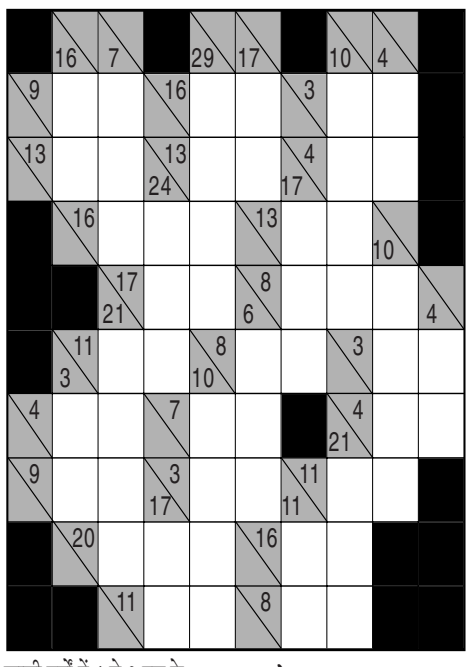
कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

स्वास्थ्य में ताजगी बनी रहने से नई ऊर्जा का संचार होगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-3-5-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

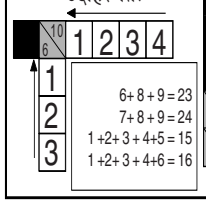
सुनियोजित तरीके से कार्य आरम्भ करें, सफल होंगे। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-3-6-8

काकुरो पहेली - 2643



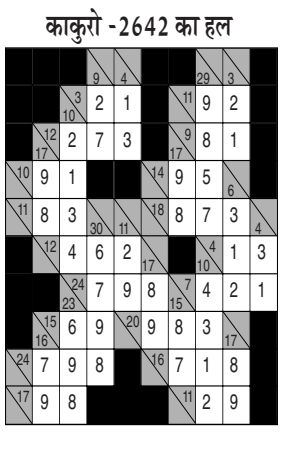
खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः



6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4=5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -2642 का हल



हंसी के फव्वारें

एक व्यक्ति ने कहा, 'आज इंसानियत है कहाँ?'

दूसरा व्यक्ति झट से बोला, 'क्यों आपके घर में 'शब्दकोश' नहीं हैं.

□ □ □

आप चार बार तलाक देने के बाद पाँचवीं बार विवाह करने क्यों जा रहे हैं? पहले व्यक्ति ने पूछा.

'क्यों, क्या पाँचों अंगुलियाँ बराबर होती हैं?' दूसरे व्यक्ति ने कहा.

□ □ □

पत्नी-'आप नींद में बहुत बोलते हैं.'

पति-'तो क्या तुम चाहती हो कि मैं नींद में भी तुम्हारी ही सुनता रहूँ.'

□ □ □

रमेश बहुत शर्मीला था.

एक दिन पार्टी में उसने अपनी प्रेमिका को फूलों का एक गुलदस्ता भेंट किया. प्रेमिका एकदम से भाव-विभोर होते हुए उससे लिपट गई और उसने उसका चुम्बन ले लिया.

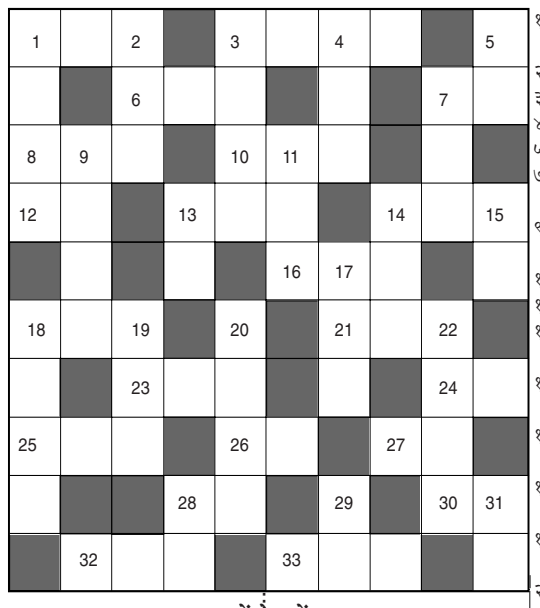
रमेश झेंपकर हॉल से बाहर जाने लगा. इस पर उसकी प्रेमिका ने डरते हुए पूछा-''नाखुश हो गए?''

''नहीं.''

रमेश जल्दी से बोला-''नाखुश होने की कोई बात नहीं है. मैं और फूल लेने जा रहा हूं.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2643



ऊपर से नीचे:-

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 2642

बै	रा	ग		स	ड़	क		आ	
जू		ज	ख्म	द		स	सु	रा	ल
बा	द	ल		मा	लि	क		ध	
व			बा		बा		बे	ना	म
रा	जा	बा	बू		स	रि	ता		हा
	ल	व		बै			ब	से	रा
इ		चीं		खु	द्दा	र			जा
क	र्ज		शा	दी		ख	ली	फा	
बा		गै	र		दा	वा			द
ल	ज्जा		दा	ग		ला	वा	रि	स

सूडोकु -2643

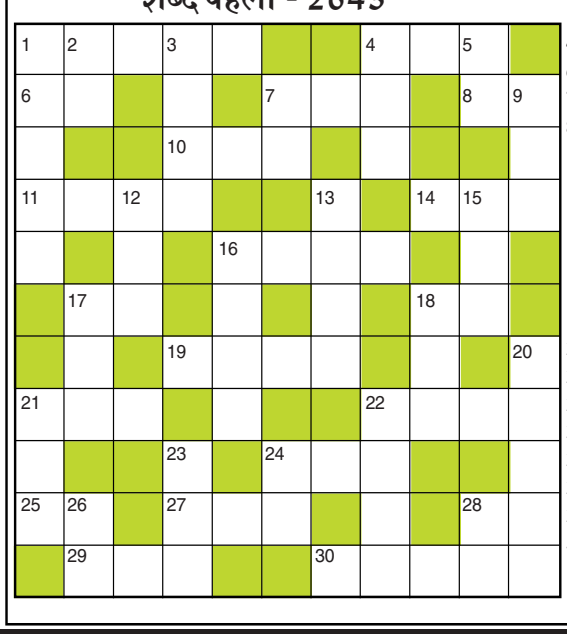
4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2642 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

शब्द पहेली - 2643



बाएँ से दाएँ

1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे

1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली -2642 का हल

	म	हा	भा	र	त		प	र	वा	ना
त	न		स्क		मा	हि	र		र	ग
न		त	र	क	श		ख	र		वा
ब	न्ध	क			बी	वी		न	ज	र
द		दी		दा	न		फां		ल	
न	ज	र	बं	द		न	सी	ब	वा	ला
	रु		दी		म	न		च		प
श	री	र		जं	हा			प	गा	र
रा		न	म		सा	ग	वा	न		वा
फ	ल		स	ज	ग		च		आ	ह
त	क्ष	शि	ला		र	ह	क	र	ना	

दीपावली पर आतिशबाजी का कहर : जूता फैक्ट्री सहित 12 जगह अग्निकांड

आगरा, एजेंसी। उत्तरप्रदेश के आगरा में दीपावली की खुशियां इस बार आतिशबाजी की चिंगारियों की चपेट में आकर तबाही में बदल गईं। रविवार की रात से सोमवार सुबह तक ताजनगरी में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर भीषण आग लगने की दर्दनाक घटनाएं सामने आईं, जिसमें जूता कारखाने, फलों की दुकानें और रिहायशी मकान शामिल हैं। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम पूरी रात लगातार आग बुझाने में जुटी रही, जिससे शहर में दहशत का माहौल बना रहा। आग की सबसे बड़ी घटना लक्ष्मी नगर में हुई, जहां पटाखों से निकली एक चिंगारी ने एक जूता कारखाने में आग लगा दी। कारखाने में रखे केमिकल और चमड़े के सामान के कारण आग देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर गई। ऊंची उठती लपटों ने पूरे इलाके में भय का माहौल पैदा किया। स्थानीय लोगों की सूचना पर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। हालांकि, तब तक कारखाने का भारी नुकसान हो चुका था। इसके अलावा, बिचपुरी रेलवे स्टेशन के पास स्थित एक फलों की दुकान भी भीषण आग की चपेट में आ गई। आग इतनी तेज थी कि पूरी दुकान जलकर राख हो गई, जिससे व्यापारी का लाखों का सामान नष्ट हो गया। वहीं, आवास विकास कॉलोनी में भी एक मकान आतिशबाजी की वजह से लगी आग से प्रभावित हुआ, जिसे दमकल कर्मियों ने समय रहते नियंत्रित कर लिया। दीपावली की रात शहर भर से आग लगने की लगातार सूचनाएं मिलती रहीं, जिसके चलते दमकल विभाग की गाड़ियां पूरी रात एक के बाद एक घटनास्थल पर दौड़ती रहीं। गनीमत यह रही कि इन दर्दनाक हादसों में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये के माल के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है, जिसने दीपावली की खुशियों को मातम में बदल दिया।

काली पूजा पर कोलकाता पुलिस का बड़ा एक्शन : 592 गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। कोलकाता में काली पूजा की रात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कोलकाता पुलिस ने कड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान कुल 592 लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से 205 ने प्रतिबंधित पटाखे जलाए थे, जबकि 387 को उपद्रव करने के आरोप में पकड़ा गया। इसके साथ ही, पुलिस ने 238.6 किलोग्राम प्रतिबंधित पटाखे भी जब्त किए। पुलिस कार्रवाई केवल यहीं तक सीमित नहीं रही। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 593 लोगों पर भी कार्रवाई की गई। इसमें 454 बिना हेलमेट वाले दोपहिया वाहन चालक और यात्री, 75 तेज व लापरवाही से वाहन चलाने वाले और 64 शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले शामिल थे। इसके अतिरिक्त, 6 लीटर अवैध शराब भी जब्त की गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने और नियमों के उल्लंघन पर नजर रखने के लिए शहर के प्रमुख स्थानों पर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था।

एक सोची-समझी साजिश के चलते पंजाब के खेतों में जानबूझकर लगाई गई आग

- दिल्ली में एक्यूआई खतरनाक स्तर पर पहुंचा, मंत्री कपिल मिश्रा ने लगाए आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। दीपावली के मौके पर तय समयसीमा के काफी बाद तक राजधानी दिल्ली में बड़े पैमाने पर पटाखे जलाए जाने के कारण सोमवार को शहर की हवा में प्रदूषण का स्तर खतरनाक हो गया। सुबह जब लोगों की आंखें खुलीं, तो पूरा शहर घनी धूसर धुंध की चादर में लिपटा हुआ था। इस बीच दिल्ली की रेखा सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा ने इसे एक बड़ी साजिश बताया है और इसका संबंध पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं से जोड़ा है। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने मीडिया से कहा कि रविवार शाम उन्हें पंजाब के किसानों के फोन आने लगे थे, जिन्होंने बताया कि रात के समय उनके खेतों में जानबूझकर आग लगाई जा रही है।

शाह ने अहमदाबाद में इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया, ट्रैफिक से मिलेगी राहत



अहमदाबाद , एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अहमदाबाद में 4.03 किलोमीटर लंबे इस्कॉन-साणंद एलिवेटेड कॉरिडोर का उद्घाटन किया। 464 करोड़ रुपये की भारी लागत से निर्मित यह छह-लेन परियोजना अहमदाबाद के सरखेज-गांधीनगर हाईवे पर लगातार बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने और सरखेज व गांधीनगर के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

नेशनल हाईवे 147 पर स्थित यह कॉरिडोर इस्कॉन जंक्शन को साणंद फ्लाईओवर से जोड़ता है, जिससे कर्णावती क्लब, प्रहलाद नगर और वाईएमसीए जैसे व्यस्त इलाकों से गुजरने वाले वाहनों की आवाजाही बहुत आसान होगी। यह एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना है जिसका उद्देश्य शहरी गतिशीलता को सुगम बनाना है। इस परियोजना से यात्रियों के यात्रा समय में महत्वपूर्ण बचत होगी, ईंधन की खपत में कमी आएगी और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। 26.8 मीटर चौड़ा यह एलिवेटेड कॉरिडोर अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए 5,880 मीटर के हिस्से में विशेष नॉइज बैरियर (शोर रोकने वाली दीवारें) लगाए गए हैं, जो आसपास के आवासीय क्षेत्रों के लिए बड़ी राहत प्रदान करेंगे। सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु इसमें 297 स्ट्रीटलाइट्स, एक एडवांस्ड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, रोड साइनबोर्ड, कैट्स आई और चकाचौंध रोकने वाले (एंटी-ग्लेयर) उपाय शामिल हैं, जो रात में ड्राइविंग को सुरक्षित और आरामदायक बनाएंगे। मुख्य कॉरिडोर के अलावा, ट्रैफिक की आवाजाही को और भी आसान बनाने के लिए 7 से 14 मीटर चौड़ी व्हाइट-टॉपिंग सर्विस सड़कें भी बनाई गई हैं। उम्मीद है कि यह कॉरिडोर सरखेज और गांधीनगर के बीच आवागमन करने वालों को अधिक सुरक्षित और निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करेगा, जिससे हाईवे पर लगने वाले भीषण जाम से प्रभावी ढंग से निजात मिलेगी और अहमदाबाद के निवासियों के जीवन में सुधार आएगा। इस महत्वपूर्ण उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, शहरी विकास राज्य मंत्री दर्शना वाघेला, अहमदाबाद के मेयर हितेश बारोट, विधायक अमित ठाकर और बाबूभाई पटेल सहित अहमदाबाद नगर निगम के पदाधिकारी, स्थानीय पार्षद और कई सामाजिक व राजनीतिक नेता भी उपस्थित रहे, जो इस परियोजना के महत्व को दर्शाता है।

किसी की इबादतगाह शहीद की जाए तो हर इंसान का दिल पसीज जाएगा, आंसू आ जाएंगे

- बाबरी मस्जिद विध्वंस पर सोनिया गांधी के बयान पर अबू आजमी का भावनात्मक बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराए जाने के मामले पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के हालिया बयान ने एक बार फिर सियासी हलचल तेज कर दी है। सोनिया गांधी ने दावा किया था कि जब उन्हें बाबरी मस्जिद विध्वंस की खबर मिली तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। इस बयान के बाद बीजेपी लगातार सोनिया गांधी पर हमलावर है। इसी बीच महाराष्ट्र के समाजवादी पार्टी विधायक अबू आजमी का बड़ा और भावनात्मक बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने सोनिया गांधी के आंसुओं की कद्र तो की, लेकिन अपनी और अपने समुदाय की पीड़ा को भी व्यक्त किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अबू आजमी ने सोनिया गांधी के आंसुओं को सम्मान देते हुए कहा कि हर सच्चा इंसान, चाहे वह किसी भी मजहब का हो, अगर किसी की इबादतगाह शहीद की जाए और गुंडागर्दी के बलबूते पर हथौड़ा लेकर उसे तोड़ा जाए तो मैं समझता हूं कि हर इंसान का दिल पसीज जाएगा और उसकी आंखों में आंसू आ जाएंगे। उन्होंने सांप्रदायिक ताकतों द्वारा बाबरी मस्जिद को शहीद करने की कड़ी निंदा की और कहा कि इससे बुरा कोई काम हो ही नहीं सकता है। आजमी ने सोनिया गांधी के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाते हुए कहा कि सोनिया गांधी के आंखों में आंसू थे, हम सब तो बहुत चिल्ला चिल्ला कर रो रहे थे उस दिन। हमारी मस्जिद को इन लोगों ने शहीद कर दिया और आज उसपर मंदिर बना दिया। उनके इस बयान में उस दिन की प्रत्यक्ष पीड़ा और गहरी भावनाएं स्पष्ट रूप से झलकती हैं, जो एक समुदाय के तौर पर उन्होंने महसूस की थी। इतना ही नहीं अबू आजमी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि कोर्ट ने यह बोलकर मंदिर बनाने की इजाजत दी थी कि बहुसंख्यक ऐसा चाहते हैं। मुसलमान हिंदुस्तान में हमेशा से माइनॉरिटी में हैं।

अखिलेश का अयोध्या दौरा- पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने किया स्वागत

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों से पहले, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का अयोध्या दौरा राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बना है। इस बहुप्रतीक्षित दौरे को लेकर जहां सियासी बयानबाजी तेज हो गई है, वहीं बाबरी मस्जिद मामले के पूर्व पक्षकार इकबाल अंसारी ने इसका गर्मजोशी से स्वागत किया है। अंसारी ने कहा कि भगवान राम की नगरी में सभी को दर्शन करने आना चाहिए। उन्होंने अयोध्या के धार्मिक महत्व पर जोर देकर कहा, यह धर्म की नगरी है, भगवान राम और हनुमान का निवास स्थान है। यहां बहने वाली सरयू नदी और प्राचीन परंपराएं देश भर से श्रद्धालुओं को आकर्षित करती हैं। अंसारी ने अपनी टिप्पणी में अयोध्या की धरती पर हर गलती को क्षमा किए जाने की बात कहकर अखिलेश के दौरे को सद्भावपूर्ण दृष्टिकोण से देखने का संकेत दिया, जहां उनका मानना है कि भगवान सभी के लिए हैं और सभी को उनका आशीर्वाद लेना चाहिए। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) अखिलेश के कदम को सीधे तौर पर चुनावी रणनीति का हिस्सा बताकर हमलावर है। बीजेपी ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल के दौरान कारसेवकों पर हुई गोलीबारी का मुद्दा फिर से उठाया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतिक्रिया देकर कहा है कि अखिलेश अयोध्या आएं, लेकिन उससे पहले उन्हें अपने पुराने कृत्यों के लिए माफी मांगनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडेय उर्फ पवन पांडेय ने दावा किया था कि अखिलेश यादव 12 दिसंबर को रामलला के दर्शन करने अयोध्या जाएंगे। इस प्रकार, अखिलेश का यह अयोध्या दौरा राजनीतिक बहसों का केंद्र बना हुआ है, जिसमें स्वागत और तीखी आलोचना दोनों एक साथ चल रही हैं।

खुशियों की ईद बयान पर घमासान, सोनिया और राहुल गांधी के मुखपत्र खरगे

गिरिराज सिंह सहित कई नेताओं ने लगाया अल्पसंयक तुष्टीकरण का आरोप

नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा दिवाली को खुशियों की ईद बताने वाले बयान ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा किया है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह सहित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई नेताओं ने बयान की कड़ी निंदा कर कांग्रेस पर अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और हिंदू विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया, वहीं कांग्रेस ने बयान को धर्मनिरपेक्षता का प्रतीक बताया।

केंद्रीय मंत्री सिंह ने खरगे के बयान को राहुल गांधी और गांधी परिवार के मुखपत्र की टिप्पणी करार दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस दशकों से देश में तुष्टीकरण की राजनीति कर रही है, जिसकी शुरुआत नेहरू ने देश के विभाजन से की थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हिंदुओं को बांटने और मुसलमानों को खुश करने की कोशिश करती है, जबकि हिंदू त्यौहारों पर उनकी जुबान पर चार अच्छी लाइनें भी नहीं होती और न ही वे कोई अच्छी बात कहते हैं।

बिहार भाजपा अध्यक्ष संजय सरावगी ने खरगे के बयान को गांधी परिवार के इशारे पर सोची-समझी साजिश बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इतनी अंधी हो गई है कि वह प्रकाश के पावन पर्व पर भी तुष्टीकरण कर रही है और उसके नेताओं के बयानों में हिंदू-विरोध का जहर खुलकर सामने आ रहा है। बिहार बीजेपी नेता सरावगी ने सवाल किया कि क्या कांग्रेस में किसी और त्यौहार को खुशियों की दीपावली कहने की हिम्मत है? उन्होंने इन बयानों को 2027 के उत्तर प्रदेश चुनावों से पहले वोट बैंक मजबूत करने की कोशिश करार दिया।

भाजपा प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी कांग्रेस को सनातन-विरोधी और हिंदू-विरोधी पार्टी बताकर कहा कि यह पूरी तरह से वोट बैंक की राजनीति है। बीजेपी प्रवक्ता भंडारी ने सोनिया गांधी के बाबरी और बाटला एनकाउंटर पर कथित रूप से रोने का जिक्र कर आरोप लगाया कि कांग्रेस केवल तुष्टीकरण की राजनीति करना चाहती है। उन्होंने बताया कि गांधी-वाड्रा परिवार या खरगे में से कोई भी अयोध्या के राम मंदिर नहीं गया और उदयनिधि स्टालिन द्वारा सनातन धर्म को डेंगू, मलेरिया कहे जाने पर भी कांग्रेस चुप रही थी।



दूसरी ओर, कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान का बचाव किया। अल्वी ने समझाया कि ईद खुशी का प्रतीक है और अक्सर इस एक रूपक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, जैसे कि ईद का चांद होना मुहावरा खुशी व्यक्त करने के लिए प्रयोग होता है। उन्होंने कहा कि अगर खरगे ने ऐसी बात कही है, तब यह एक ऐसी भावना है जो कि केवल एक धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति ही व्यक्त कर सकता है, और भाजपा या सांप्रदायिक सोच रखने वाले लोगों से ऐसी भावनाओं की उम्मीद नहीं की जा सकती।

वायु प्रदूषण से 20 लाख मौतें: फिक्की रिपोर्ट से टारगेट में मोदी सरकार

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने साधा निशाना



नई दिल्ली , एजेंसी। कांग्रेस महासचिव और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश दिवाली के बाद देश में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर मोदी सरकार पर हमलावार है। उन्होंने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) और एक हालिया विस्तृत रिपोर्ट का हवाला देकर दावा किया कि मोदी सरकार देश में वायु प्रदूषण के कारण होने वाली मौतों की गंभीरता को लंबे समय से नजरअंदाज करती रही है।

कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि मोदी सरकार ने अतीत में संसद के अंदर और बाहर कई रिपोर्टों को यह कहकर खारिज किया कि वे भारत के संदर्भ में नहीं हैं या वायु प्रदूषण से सीधी जुड़ी नहीं हैं। हालांकि, फिक्की की यह नई रिपोर्ट इन दावों को पूरी तरह से खारिज करती है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में भारत में लगभग 20 लाख मौतें जो कुल मौतों का लगभग 22 प्रतिशत है, सीधे तौर पर वायु प्रदूषण के कारण हुईं। यह आंकड़ा देश में स्वच्छ हवा के अभाव के गंभीर स्वास्थ्य प्रभावों को दिखाता है।

कांग्रेस नेता रमेश ने विश्लेषण को गहरी नींद में सोई मोदी सरकार के लिए एक और चेतावनी करार दिया। उन्होंने ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस की तुलना सांस लेने में आसानी से करते हुए कहा कि साफ हवा एक कहीं अधिक बुनियादी आवश्यकता है, इस प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि पीएम 2.5 (पार्टिकुलेट मैटर 2.5) का स्तर भारत के कई हिस्सों में जानलेवा खतरे का रूप ले चुका है, जिस पर तत्काल राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान देने की जरूरत है।

प्रदूषण की चुनौती से निपटने के लिए कांग्रेस नेता रमेश ने तीन-सूत्रीय कार्यक्रम भी साझा किया। उन्होंने कहा कि सुधार का एजेंडा काफी समय से स्पष्ट है और फिक्की की यह रिपोर्ट राष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई के लिए 10 साल का एक जरूरी और चरणबद्ध रोडमैप पेश करती है। इस पर अमल तुरंत शुरू किया जाना चाहिए। पहला बिंदु, पीएम 2.5 और ओज़ोन के मौजूदा मानकों को सख्त कर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा सुझाए गए सुरक्षित स्तरों के बराबर लाना है। दूसरा, नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम में बदलाव कर विशेष रूप से पीएम 2.5 और ओज़ोन पर केंद्रित करना। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण, वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 की जगह एक नया स्वच्छ वायु अधिनियम लाना, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य पर केंद्रित हो, क्योंकि अब वायु प्रदूषण के स्रोतों और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले उनके प्रभावों को लेकर कई नए और ठोस सबूत सामने आ चुके हैं।

जम्मू अग्निकांड: महबूबा मुफ्ती ने की व्यापारियों के लिए वित्तीय सहायता की मांग



जम्मू, एजेंसी । पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने जम्मू के आग से तबाह हुए नेहरू बाजार का दौरा किया। उन्होंने अग्निकांड में भारी नुकसान झेलने वाले व्यापारियों के लिए राज्य सरकार से पर्याप्त वित्तीय सहायता देने की जोरदार मांग की। शहर के बिक्रम चौक स्थित ऐतिहासिक थोक बाजार में रविवार देर रात लगी भीषण आग में कई दुकानें जलकर खाक हो गईं, इससे करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है।

नेहरू बाजार, जो जम्मू के सबसे पुराने कारोबारी केंद्रों में से एक है, अनाज, खाद्य तेल, दाल, आटा, चावल, घी, सूखे मेवे और अन्य आवश्यक वस्तुओं के थोक कारोबार का प्रमुख केंद्र है। दीपावली जैसे त्यौहारों के मौसम में लगी इस आग ने व्यापारियों की खुशियां छीन लीं, जिससे उनकी दिवाली एक अंधेरी और डरावनी रात में बदल गई।

प्रभावित व्यापारियों के प्रति एकजुटता जताकर पूर्व सीएम महबूबा ने कहा कि उमर सरकार की वित्तीय सहायता के बिना वे न इस अपूरणीय क्षति से उबर पाएंगे और न ही अपना कारोबार दोबारा शुरू कर सकते है। उन्होंने बताया कि इसमें से अधिकांश छोटे कारोबारी हैं जिन्होंने अपना काम शुरू करने के लिए कर्ज लिया है या अपने परिवार के गहने तक बेच दिए हैं। वे अपनी दैनिक कमाई से अपने परिवारों का पालन-पोषण करते हैं, और अब उनका सब कुछ तबाह हो गया है। उन्होंने त्यौहारों के मौसम में बाजारों में पर्याप्त सुरक्षा और अग्निशमन इंतजाम न होने पर भी सवाल उठाए।

प्रभावित व्यापारियों ने भी अग्निशमन व्यवस्था में खामियों का आरोप लगाया। उनका कहना था कि आग लगने के शुरुआती पलों में पर्याप्त इंतजाम नहीं थे, और छोटा दमकल वाहन देरी से और कम पानी के दबाव के साथ पहुंचा। उन्होंने करोड़ों के नुकसान का अनुमान लगाया और बताया कि कुछ दुकानदारों का बीमा हो सकता है, लेकिन किसी ने भी इतनी बड़ी तबाही की आशंका नहीं जाहिर थी। यह दो सप्ताह में जम्मू में आग लगने की दूसरी बड़ी घटना है। इससे पहले 25 अक्टूबर की रात शिव मार्केट में भी भीषण आग लगी थी, जिसमें 40 से अधिक दुकानें जलकर खाक हो गईं थीं। इन घटनाओं ने त्यौहारों के मौसम में बाजारों की सुरक्षा और आपातकालीन तैयारियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मुंबई के राम मंदिर में तोड़फोड़ और धमकी, दो गिरफ्तार ; राजनीतिक संरक्षण की जांच की मांग

मुंबई , एजेंसी । मुंबई के अंधेरी पूर्व स्थित मरोल नाका के राम मंदिर में घुसकर बजरंगबली के पोस्टर फाड़ने, मंदिर के बोर्ड पर काले रंग का स्प्रे पेंट करने और सुरक्षा गार्ड को जान से मारने की धमकी देने के मामले में दो आरोपी अमित पाठक और विनोद मिश्रा को गिरफ्तार किया गया है। मंदिर के ट्रस्टी जयेश पटेल की शिकायत पर आरे पुलिस ने मामला दर्ज किया है। शिकायत के अनुसार, 4 नवंबर, 2026 को पाठक ने 7 नवंबर को मंदिर में हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती की अपील की थी, जिसके बाद उसी दिन शाम को करीब 30-40 लोग मंदिर परिसर में जमा हुए। आरोप है कि इस दौरान पाठक ने सुरक्षा गार्ड नंदलाल केवट के साथ गाली-गलौज की और उसका कॉलर पकड़कर तुझे काटकर जंगल में फेंक देंगे, जैसी जान से मारने की धमकी दी।

कोसी में बाढ़ नियंत्रण को मिलेगी नई दिशा, सुपौल में बना देश का दूसरा मॉडलिंग सेंटर

सुपौल, एजेंसी । बिहार में बाढ़ और नदी कटाव की समस्या के वैज्ञानिक समाधान की दिशा में बड़ी पहल हुई है। सुपौल जिले के वीरपुर में 106 करोड़ की लागत से देश का दूसरा अत्याधुनिक फिजिकल मॉडलिंग सेंटर बनकर तैयार हो गया है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का जल्द ही मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन करने की संभावना है। उद्घाटन समारोह की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी सावन कुमार ने सोमवार को सेंटर परिसर का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, तकनीकी सुविधाओं, रिसर्च बेसिन और प्रशासनिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने मॉडलिंग सेंटर के मुख्य अभियंता को उद्घाटन से पहले सभी लंबित कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट किया कि आयोजन से पहले परिसर की व्यवस्थाएं पूरी तरह दुरुस्त होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस केंद्र की स्थापना कोसी सहित उत्तर भारत की प्रमुख नदियों के जल प्रबंधन, बाढ़ के सटीक पूर्वानुमान, तटबंधों की सुरक्षा और नदी के जलप्रवाह एवं दिशा परिवर्तन का वैज्ञानिक अध्ययन करने के उद्देश्य से की गई है। इससे बाढ़ नियंत्रण और कटाव रोकने के लिए प्रभावी योजनाएं तैयार करने में मदद मिलेगी।

विश्व बैंक के वित्तीय एवं तकनीकी सहयोग से निर्मित यह केंद्र पुणे स्थित सेंट्रल वाटर एंड पावर रिसर्च स्टेशन (सीडब्ल्यूपीआरएस) के बाद देश का दूसरा फिजिकल मॉडलिंग सेंटर है। यहां नदियों के भौतिक मॉडल तैयार कर वास्तविक परिस्थितियों में जलप्रवाह, कटाव और नदी की बदलती धारा का अध्ययन किया जा सकेगा। इससे जल संसाधन विभाग को योजनाओं के निर्माण और तकनीकी निर्णय लेने में वैज्ञानिक आधार मिलेगा। संभावित उद्घाटन कार्यक्रम को देखकर डीएम ने परिसर के सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने जंगली घास और झाड़ियों की सफाई, प्रशासनिक भवनों की रंगाई-पुताई, आंतरिक सड़कों की मरम्मत तथा छायादार एवं फलदार पौधे लगाकर ग्रीन बेल्ट विकसित करने का निर्देश दिया।

आर्यवीर सहवाग का तूफान!

यूएई के खिलाफ 168 गेंदों में ठोके 160 रन, पिता सहवाग की याद दिलाई

नई दिल्ली, एजेंसी। वीरेंद्र सहवाग के करियर का अंत आज से कई साल पहले हो गया था, लेकिन उनके परिवार में क्रिकेट की विरासत को उनके बेटे आगे बढ़ा रहे हैं। वो भी कोई छोटे मंच पर नहीं, बल्कि भारत के लिए अंडर 19 एशिया कप में शानदार खेल का मुजाहिरा पेश कर रहे हैं।

वीरेंद्र सहवाग के बड़े बेटे आर्यवीर सहवाग भारत की अंडर 19 एशिया कप टीम में चुना गया है, जहां वे शानदार प्रदर्शन करके अपनी प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। उन्होंने एशिया कप के पहले मुकाबले में नेपाल के खिलाफ तूफानी 70 रनों की पारी खेली थी, लेकिन अब दूसरे मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ शतक जड़ दिया है। उन्होंने इस मैच में परिस्थितियों को परखा, उसके बाद विकेट के अनुसार अपने शॉट्स का सिलेक्शन किया। उन्होंने आज के मुकाबले में खेल की जरूरत को समझते हुए कोई जल्दबाजी नहीं दिखाई और 131 गेंदों का सामना करते हुए शतक पूरा किया। शतक पूरा करने के लिए उन्होंने 13 चौके और 2 छक्के लगाए। आर्यवीर सहवाग ने इस मुकाबले में आउट होने से पहले 168 गेंदों का सामना करते हुए कुल 160 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 17 चौके और 7 छक्के लगे। उनका स्ट्राइक रेट 95.24 रहा।



19 साल के हैं वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर

आर्यवीर सहवाग का जन्म 19 अक्टूबर 2007 को हुआ था। वे 19 साल के हैं। उन्होंने दिल्ली प्रीमियर लीग में कुछ मैच खेले हैं। वे दाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और दाएं हाथ के ही लेग ब्रेक गेंदबाजी करते हैं। वे दिल्ली प्रीमियर लीग में सेंट्रल दिल्ली किंग्स और दिल्ली लायंस के लिए खेल चुके हैं और अब इंडिया अंडर 19 की टीम में खेल रहे हैं।भारत का यह एशिया कप अंडर- 19 2026 में दूसरा मुकाबला है और इन दोनों मैचों में वीरेंद्र सहवाग के बेटे आर्यवीर का भरपूर प्रभाव देखने को मिला है। हालांकि, बड़े मैचों में उनका प्रदर्शन अभी देखना बाकी है। उन्होंने अभी तक अपनी बल्लेबाजी संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल के सामने दिखाई है। इस मुकाबले से पहले नेपाल के खिलाफ उन्होंने 52 गेंदों में 70 रनों की पारी खेली थी। हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ वे सिर्फ 22 गेंदों में 40 रन बना सके थे। श्रीलंका और बांग्लादेश के खिलाफ उनका प्रदर्शन कैसा रहता है देखना दिलचस्प होगा। आर्यवीर सहवाग ने वैश्विक मंच पर अभी बहुत अधिक नहीं खेला है, लेकिन एशिया कप में उनकी अब तक की बल्लेबाजी देखकर बड़े- बड़े दिग्गज और क्रिकेट प्रशंसक यह कहने लगे हैं की यह लड़का अपने पिता वीरेंद्र सहवाग की तरह ही लगातार निखरता जा रहा है। उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सीनियर सहवाग की याद दिलाई है।

बारिश बनी विलेन

हैमिल्टन में भारत-न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे रद्द

टीम इंडिया का सीरीज जीतने का इंतजार बढ़ा

हैमिल्टन, एजेंसी। *भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा वनडे बारिश के कारण रद्द करना पड़ा। हैमिल्टन में मंगलवार को लगातार बारिश हो रही थी जिस कारण बिना एक भी गेंद फेंके मैच को रद्द करना पड़ा। पहले टॉस दो घंटे से भी ज्यादा देरी से हुआ जिसमें भारत ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस से पहले ही ओवरों की कटौती कर दी गई और मैच 40-40 ओवर का कराने का फैसला किया गया। हालांकि, टॉस के तुरंत बाद बारिश आ गई जिससे मैच शुरू नहीं हो सका।*



शुरुआत में बारिश हल्की लग रही थी, लेकिन बीच-बीच में तेज हो रही थी। लगातार बारिश के कारण पिच को कवर्स से ढकना पड़ा और अंपायरों ने दो-तीन बार मैदान का निरीक्षण भी किया। लेकिन रुक-रुककर हो रही बारिश के कारण मैच शुरू ही नहीं हो सका। कटऑफ टाइम में अभी समय था, लेकिन हैमिल्टन में पूरे दिन बारिश का पूर्वानुमान था, लिहाजा इसे रद्द घोषित करना पड़ा। शुरुआत से ही हैमिल्टन में बारिश का पूर्वानुमान जताया गया था। भारत पांच मैचों की वनडे सीरीज में 2-0 से आगे है। भारत के पास इस मैच को जीतकर वनडे सीरीज अपने नाम करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन टीम इंडिया का इंतजार बढ़ गया। सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को माउंट मौंगानुई में खेला जाएगा।

दर्शक हुए निराश

हैमिल्टन में भारी संख्या में दर्शक मौजूद थे। बारिश का पूर्वानुमान था, इसके बावजूद क्रिकेट फैंस को उम्मीद थी कि शायद उन्हें मैच देखने मिला। कई दर्शक रोहित शर्मा और विराट कोहली को खेलता हुआ देखने के लिए उत्सुक थे। हालांकि, उन्हें निराशा मिली। कोहली इस वक्त शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। हालांकि, पिछले मैच में वह सस्ते में आउट हो गए थे। वहीं, रोहित भी न्यूजीलैंड में एक बड़ी पारी खेलने का इंतजार कर रहे हैं।



प्लेइंग-11 में नहीं किया था बदलाव

इससे पहले, भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने तीसरे वनडे में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया था। गिल ने बताया था कि भारत ने अपनी प्लेइंग-11 में कोई बदलाव नहीं किया है। न्यूजीलैंड ने हालांकि, एकादश में एक बदलाव किया था और मैथ्यू फिशर को मौका दिया था। बारिश के कारण टॉस दो घंटे से अधिक समय की देरी से हुआ था।

कैसी थी दोनों टीमों की प्लेइंग-11

भारत : रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, अक्ष पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नमन धीर, अंशुल कंबोज, आकिब नबी, गुरनूर बराड़, अर्शदीप सिंह।

न्यूजीलैंड : विल यंग, टिम सीफर्ट, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, टॉम लाथम (विकेटकीपर), ग्लेन फिलिप्स, मिचेल सैंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, काइल जैमीसन, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर।

कंबोज बोले- नेशनल टीम के लिए खेलना हर खिलाड़ी का सपना

हैमिल्टन। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज ने कहा है कि राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनना हर खिलाड़ी का सपना होता है। मैं भारतीय क्रिकेट टीम के लिए खेल रहा हूं। यह काफी उत्साहजनक है। न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे वनडे से पहले ब्रॉडकास्टर्स से अंशुल कंबोज ने कहा, 'मैंने 13 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था। मैं हरियाणा के लिए खेलता हूं। तो यह हरियाणा में भी, जैसा मैं कह सकता हूं, मौसम और विकेट कुछ वैसे ही हैं।' भारतीय टीम के लिए खेलने की खुशी से जुड़े सवाल पर कंबोज ने कहा, 'मैं उत्साहित और बहुत खुश भी हूं, क्योंकि मैं अपनी नेशनल टीम के लिए खेल रहा हूं। अपनी नेशनल टीम के लिए खेलना हर किसी का सपना होता है, इसलिए यह काफी उत्साहजनक है।' कंबोज आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) का हिस्सा हैं। इस टीम के साथ उन्हें एमएस धोनी और स्टीफन फ्लेमिंग के साथ काम करने का अवसर पर मिला है। इस पर उन्होंने कहा, 'यह मेरे लिए सीखने का एक अच्छा अनुभव था। मैं अभी भी बहुत कुछ सीख रहा हूं। मैं बस यह पक्का कर रहा हूं कि मैं सही तरीके से सीख रहा हूं। परिणाम के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा हूं, बल्कि इस बात पर फोकस कर रहा हूं कि मुझे क्या करना है और फील्ड पर भी क्या करना है।' कंबोज ने इंडिया ए के साथ खेलने पर मिले अनुभव पर कहा, 'यह बस मौसम के हिसाब से ढलने के बारे में था। विकेट थोड़ा ठंडा था, और मैं बस सही लेंथ और सही एरिया समझना चाहता था जहां मुझे गेंदबाजी करनी है। मैं बस उसी पर फोकस कर रहा हूं। यह विकेट और सिचुएशन के हिसाब से परफेक्ट लाइन और लेंथ के बारे में है।



शतरंज: मध्य प्रदेश के अनुज बने भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के इंटरनेशनल मास्टर अनुज श्रीवात्री ने फिलीपींस में आयोजित 7वीं आसियान प्लस इंडिविजुअल ओपन चेस चैंपियनशिप जीतकर भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव हासिल किया। वह अपने राज्य से इस प्रतिष्ठित खिताब को पाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अनुज को इस उपलब्धि पर सराहा है।

टूर्नामेंट के पहले दौर में मिली हार के बाद शानदार वापसी करते हुए अनुज ने अपने अंतिम आठ मुकाबलों में सात अंक हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। भारतीय शतरंज प्रेमियों को लंबे समय से देश के 100वें ग्रैंडमास्टर का इंतजार था, जबकि मध्य प्रदेश भी अपने राज्य के पहले ग्रैंडमास्टर के मिलने की उम्मीद लगाए बैठा था। ऐसे में यह सफलता बेहद ऐतिहासिक और खास है।

ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के अध्यक्ष नितिन नारंग ने अनुज को भारत का 100वां ग्रैंडमास्टर बनने पर बधाई दी है। उन्होंने इस उपलब्धि को भारतीय शतरंज के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर और गर्व का क्षण बताया है, साथ ही यह उम्मीद जताई है कि देश जल्द ही 200 ग्रैंडमास्टर के आंकड़े तक पहुंचेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी भारत के 100वें ग्रैंमास्टर को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, भारत ने शतरंज में शतक लगा दिया है! है न कमाल की बात? अब भारत में शतरंज के 100 ग्रैंडमास्टर हो गए हैं! भारत के 100वें शतरंज ग्रैंडमास्टर बनने पर अनुज श्रीवत्री को बधाई! यह वाकई एक शानदार उपलब्धि है। भारत का 100 ग्रैंडमास्टर तक पहुंचना एक अहम पड़ाव है। यह हमारे खिलाड़ियों की जबरदस्त प्रतिभा, लगन और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। इसके साथ ही यह भी दिखाता है कि युवाओं के बीच शतरंज की लोकप्रियता कितनी बढ़ रही है। उन्होने लिखा, यह देखकर बहुत खुशी होती है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से युवा शतरंज प्रतिभाएं सामने आ रही हैं और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।



सलीमा टेटे संभालेंगी कप्तानी

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: भारतीय टीम का ऐलान



नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने मंगलवार को सलीमा टेटे की कप्तानी में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट का आयोजन 19 से 28 नवंबर तक भोपाल के नाथू बरखेड़ा में नए बने इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होगा। मिडफील्डर सलीमा टेटे पिछले महीने जापान में एशियन गेम्स में ऐतिहासिक गोल्ड मेडल जीतने के बाद अपना पहला इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेलने वाली भारतीय टीम की कप्तान होंगी। वरिष्ठ गोलकीपर सविता पुनिया, जिन्होंने 2026 एशियन गेम्स में भारत की कप्तानी की थी और भारत को ऐतिहासिक गोल्ड मेडल दिलाया था, टीम का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह बंसरी सोलंकी और बिचू देवी खारिबाम गोलकीपिंग करेंगी।

मेजबान टीम इस टूर्नामेंट में डिफेंडिंग चैंपियन और तीन बार की विजेता के तौर पर उतरेगी, जिसने 2016, 2023 और 2024 में खिताब जीता है। भारत का मकसद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखना और एशियन गेम्स में मिली सफलता से मिले आत्मविश्वास को बनाए रखते हुए टाइटल्स की हैट्रिक पूरी करना होगा।

टूर्नामेंट में चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे

टूर्नामेंट में भारत के अलावा चीन, जापान, मलेशिया, थाईलैंड और साउथ कोरिया शामिल होंगे। इंडिया की तरह, साउथ कोरिया ने भी विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी तीन बार जीती है। टूर्नामेंट राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में होगा, जिसमें हर टीम दूसरी पांच टीमों से एक बार खेलेगी। लीग स्टेज के आखिर में टॉप चार टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। चीफ कोच शोर्ड मारिन ने कहा, 'यह वह पल है जब मैं दूसरे खिलाड़ियों को इंटरनेशनल स्टेज पर अपना टैलेंट दिखाने का मौका देना चाहता हूं। कुछ प्लेयर्स नॉर्मल पोजीशन से अलग पोजीशन पर खेलेंगे, ताकि मैं देख सकूं कि वे अलग रोल में कैसा परफॉर्म करते हैं। हम घरेलू दर्शकों के सामने खेलने और बेहतर फिनिश करने के लिए उत्साहित हैं। 'पहले दिन एशिया की टॉप रैंक वाली टीम चीन का मुकाबला थाईलैंड से होगा, जबकि भारत उसी दिन ओपनिंग सेरेमनी के बाद मलेशिया के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगा।इसके बाद भारतीय महिला टीम का मुकाबला 21 नवंबर को साउथ कोरिया, 22 नवंबर को थाईलैंड, 24 नवंबर को चीन और 25 नवंबर को जापान से होगा।

भारतीय टीम

गोलकीपर : बंसरी सोलंकी, बीचू देवी खारीबाम

डिफेंडर : निक्की प्रधान, ज्योति, ज्योति सिंह, सुशीला चानू लालथंतलुआंगी, पूजा साहू

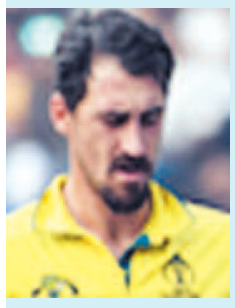
मिडफील्डर : रुतुजा दादासो पिसल, सुनीता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, साक्षी राणा, बलजीत कौर, इशिका

देश को गर्व

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा, 'मध्य प्रदेश महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी भोपाल 2026 हमारी टीम के लिए अपनी ऐतिहासिक एशियन गेम्स जीत की लय को आगे बढ़ाने का एक अहम मौका है। मुझे यकीन है कि खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे और देश को गर्व महसूस कराएंगे।'

स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के दावों को किया खारिज

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने उस्मान ख्वाजा के उन दावों को खारिज कर दिया कि 2018 में दक्षिण अफ्रीका में केपटाउन टेस्ट के दौरान पूरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को सैंडपेपरगेट के बारे में पता था। समर ऑफ द सेंचुरी के लिए कायो स्पोर्ट्स और फॉक्स क्रिकेट के लॉन्च इवेंट में मीडिया से बात करते हुए स्टार्क ने कहा कि वह 2021 में साथी गेंदबाजों पैट कमिंस, जोश हेजलवुड और नाथन लियोन के साथ जारी किए गए संयुक्त बयान पर कायम हैं, जिसमें इस बात से इनकार किया गया था कि गेंदबाजों को मैदान पर सैंडपेपरगेट के बारे में कुछ भी पता था और केप टाउन टेस्ट के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की गई थी। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के हवाले से स्टार्क ने कहा, 'मुझे लगा कि हम यहां क्रिकेट की गर्मियों के लिए आए हैं। मैंने सच में इस पर (ख्वाजा के दावों की कवरेज) ज्यादा ध्यान नहीं दिया है। जाहिर है, लगभग आठ साल पहले इस पर अलग-अलग राय थी। उस समय से हमें इस प्रक्रिया के बारे में बहुत ज्यादा समझाया गया था। अब, मुझे लगता है, मैं गेंदबाज की तरफ से नहीं बोलूंगा, लेकिन जहां मैं खड़ा हूं, मेरी राय नहीं बदली है। 2021 में हमने जो कहा था, उससे मेरी याददाश्त नहीं बदली है।' ख्वाजा के इस दावे के बारे में पूछे जाने पर कि स्कैंडल के बारे में 'सबको पता था', स्टार्क ने कहा कि वह उस बयान पर कायम हैं जो गेंदबाजों ने 2021 में जारी किया था। उन्होंने कहा, 'यह जाहिर है एक किताब में है। यह किसी को और समझाना है। जहां तक ??हमारे बयान में कहा गया है (2021 में), हमें इस बात की जानकारी नहीं थी कि इसे मैदान पर लिया जा रहा है। मैं इसे यहीं छोड़ता हूं। हमें नहीं पता था कि इसे छेड़छाड़ करने के लिए मैदान पर लिया गया था। हमने इसे केपटाउन में (पहली बार) बड़ी स्क्रीन पर देखा था।



कैरिक को झटका... क्लब कर रहा विकल्प की तलाश

नई दिल्ली। मैनचेस्टर यूनाइटेड के हेड कोच के तौर पर माइकल कैरिक के भविष्य को झटका लग सकता है। प्रीमियर लीग क्लब उनके विकल्प की तलाश कर रहा है। पिछले शनिवार को मैनचेस्टर सिटी पर नॉटिंघम फॉरेस्ट की 3-1 की जीत के बाद रेलीगेशन जोन में जाने के बाद, मैनचेस्टर यूनाइटेड रविवार को एस्टन विला के साथ 4-4 के रोमांचक ड्रॉ के बाद सबसे नीचे के क्लब क्रिस्टल पैलेस से एक पॉइंट ऊपर 18वें स्थान पर है। हालांकि मैन यूनाइटेड इस बात पर जोर दे रहा है कि अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। द एथलेटिक की रिपोर्ट के मुताबिक, 'संभावित रिप्लेसमेंट पर काम शुरू हो गया है और 13 दिनों में लिवरपूल का सामना करने के लिए एनफील्ड जाने से पहले बदलाव किया जाएगा।'

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कैरिक के भविष्य पर आखिरी फैसला को-ओनर सर जिम रैटक्लिफ और क्लब के मेजोरिटी ओनर्स, ग्लेजर फैमिली से मंजूरी की जरूरत होगी। यूनाइटेड स्टेट्स के हेड कोच मौरिसियो पोचेतीनो के कैंडिडेट्स में काफी नाम आने की उम्मीद है, जबकि न्यूकैसल यूनाइटेड के पूर्व हेड कोच एडी होवे और जर्मनी के पूर्व कोच जूलियन नेगल्समैन कैरिक की जगह लेने की रेस में हैं। पोचेतीनो ने अगस्त में यूएसए कोच के तौर पर अपने अनुबंध को बढ़ाने के लिए साइन किया था। हालांकि, माना जा रहा है कि इस डील में ऐसे क्लॉज हैं जो उन्हें खास हाई-प्रोफाइल जॉब्स के लिए जाने की इजाजत देंगे। कैरिक को मई में दो साल के अनुबंध पर मैनचेस्टर यूनाइटेड का परमानेंट हेड कोच नियुक्त किया गया था। जब वह जनवरी में हेड कोच के तौर पर यूनाइटेड लौटे थे, तब उन्होंने एक सफल अंतरिम चार्ज दिया था।



लाबुशेन को जल्द वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली। मार्नस लाबुशेन ने एक साल से ज्यादा समय में दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर किए जाने पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा कि वह नेशनल टेस्ट टीम में वापस आएंगे। ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का उनका रास्ता अपने आप बन जाएगा। लाबुशेन को 17 महीने के अंदर दूसरी बार टेस्ट टीम से बाहर कर दिया गया। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि लाबुशेन को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम में जगह नहीं मिलेगी। क्रिकेट.कॉम.एयू के हवाले से लाबुशेन ने मंगलवार को कहा, 'एक क्रिकेटर के तौर पर आप काफी जागरूक होते हैं। आप इसे जांच से पीछे हटने और शायद दो साल से दबाव में रहने के मौके के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। 'लाबुशेन को उनके खराब फॉर्म की वजह से बाहर किया गया। उनकी खराब फॉर्म का सिलसिला 2023 एशेज से शुरू हुआ था। यह आखिरी सीरीज थी जिसमें उन्होंने सेंचुरी बनाई थी। पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की तीन टेस्ट मैचों की सीरीज से बाहर होने के बाद से, उन्होंने 10 टेस्ट मैचों की 19 पारियों में दो अर्धशतक लगाए हैं। 32 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी पिछली 16 पारियों में कोई अर्धशतक नहीं लगाया है। दाएं हाथ का यह खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में वापसी करेगा और क्वींसलैंड की कप्तानी करेगा, जिसका अगला शेफील्ड शील्ड राउंड बुधवार से शुरू होगा।उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी का मेरा रास्ता अपने आप बन जाएगा। मैंने पहले भी ऐसा किया है, और मुझे कोई शक नहीं है कि मैं वहां वापस आऊंगा। कब? कौन जानता है, लेकिन यही तो मेरी ख्वाहिश और इच्छा है। अभी, मेरे पैर क्वींसलैंड के साथ मजबूती से जमे हुए हैं और एक कप्तान, बल्लेबाज, फील्ड में और गेंद के साथ मैं जो कुछ भी कर सकता हूं, वह कर रहा हूं ताकि हम मैच जीत सकें।'



रवि दुबे ने 21 साल के लंबे इंतजार के बाद बड़े पर्दे पर रखा कदम

रवि दुबे ने नितेश तिवारी के निर्देशन में बनी फिल्म रामायण में लक्ष्मण का रोल अदा किया है. रवि दुबे को बड़े पर्दे पर देख उनकी पत्नी सरगुन मेहता के उत्साह का ठिकाना नहीं रहा है. सरगुन ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर कर अपने पति पर प्यार लुटाया है.



रवि दुबे और सरगुन मेहता टीवी जगत के सबसे पॉपुलर कपल्स में शुमार रहे हैं. दोनों की पहली मुलाकात टीवी सीरियल के सेट पर हुई थी. कई साल तक डेट करने के बाद कपल शादी के बंधन में बंधा. रवि और सरगुन अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ लवी-डबी पोस्ट शेयर करते रहते हैं. दिवाली के मौके पर भी दोनों ने अपने कपल गोल्स वाली फोटोज शेयर की हैं. रवि और सरगुन ने धूम-धाम से दिवाली मनाई. उनकी खूबसूरत फोटोज चर्चा का विषय बनी हुई हैं.

फैंस इनपर दिल खोलकर प्यार लुटा रहे हैं. सरगुन ने अपने इंस्टाग्राम पर रवि के साथ दिवाली सेलिब्रेशन की फोटोज शेयर की हैं जिनमें उनका पेट डॉग भी दिख रहा है. सरगुन ने ब्लू कलर का सूट पहना है जिसे उन्होंने पर्पल रंग की चुन्नी के साथ पेयर किया है. वहीं रवि दुबे ने व्हाइट रंग का सिंपल कुर्ता पहना था जिसमें वो काफी चार्मिंग लग रहे थे. एक तस्वीर में कपल को फुलझड़ी जलाते देखा जा सकता है. दोनों की शानदार केमिस्ट्री इन तस्वीरों में साफ झलक रही है. रवि दुबे और सरगुन की मुलाकात साल 2009 में टेलीकास्ट होने वाले सीरियल '12/24 करोल बाग' के सेट पर हुई थी. ये सीरियल सिर्फ एक साल ही टेलीकास्ट हुआ था लेकिन इसके सेट पर दोनों का प्यार परवान चढ़ा जो आज भी कायम है.

दिवाली पर बारिश में भीगते रहे रजनीकांत के फैंस



रजनीकांत के फैंस की दीवानगी का आलम ही कुछ और है। रविवार को दिवाली के मौके पर चेन्नई में बारिश हो रही थी। लेकिन बावजूद इसके सैकड़ों फैंस उनके घर के बाहर जमा थे। टस से मस नहीं हो रहे थे। ऐसे में जब थलाइवा फैंस से मिलने पहुंचे तो उनकी एक झलके बाद जो शोर मचा, वह देखने लायक है। दिवाली का दिन सुपरस्टार रजनीकांत के फैंस के लिए दोहरी खुशियां लेकर आया। एक तरफ त्योहार का जोरदार जश्न था, वहीं दूसरी तरफ थलाइवा ने घर के बाहर रविवार को सैकड़ों फैंस जमा हुए। काफी देर इंतजार के बाद चेन्नई में घर के बाहर तब जबरदस्त शोर और उमंग की लहर दौड़ पड़ी, जब रजनीकांत बाहर आए और फैंस से मिले। उन्होंने घर के दरवाजे के पीछे कुर्सी पर खड़े होकर फैंस का अभिवादन स्वीकार किया। सभी को दीपावली की बधाई दी। इस खूबसूरत मंजर का वीडियो सामने आया है, जिसमें फैंस का उत्साह देखने लायक है। रजनीकांत के फैंस के लिए यह दिवाली इसलिए भी खास है कि सुपरस्टार की फिल्म 'जेलर 2' बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर साबित हुई है। 15 अक्टूबर 2026 को रिलीज इस सीक्वल फिल्म ने 26 दिनों में भारतीय बॉक्स ऑफिस पर 470.40 करोड़ का नेट कलेक्शन किया है। जबकि रिकॉर्डतोड़ 827.00 करोड़ की वर्ल्डवाइड कमाई कर ली है। यह तमिल सिनेमा की पहली फिल्म है, जिसने दुनियाभर में 800 करोड़ की कमाई का आंकड़ा पार किया है।

उत्तराखंड परफॉर्मेंस विवाद पर दलेर मेहंदी ने तोड़ी चुप्पी

मैंने जो झेला, वो बता नहीं सकता...

'उत्तराखंड मेला' विवाद पर पहली बार दलेर मेहंदी ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा कि मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला, जिसे बयान करना भी मुश्किल है. उन्होंने सपोर्ट के लिए सबका शुक्रिया किया. उत्तराखंड में मां कुंजापुरी टूरिज्म एंड डेवलपमेंट मेले में परफॉर्मेंस के दौरान हुए 'शराब और लिपसिंक' विवाद पर पहली बार सिंगर दलेर मेहंदी ने अपनी चुप्पी तोड़ी है. दिवाली के खास मौके पर उन्होंने उस विवाद में सपोर्ट करने के लिए तमाम फैंस, फैमिली और फिल्म इंडस्ट्री के साथियों का शुक्रिया अदा किया है. उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल ने कार्यक्रम के दौरान उनपर शराब पीकर परफॉर्म करने और खुद गाने की बजाय गानों पर लिपसिंक करने का आरोप लगाया था, जिसके बाद दलेर मेहंदी के भाई और सिंगर मीका सिंह समेत कई सितारों ने उनके लिए आवाज उठाई थी. इंस्टाग्राम पर जारी दो पन्नों के बयान में दलेर मेहंदी ने लिखा है, 'इस दिवाली मैं खास तौर पर आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं. जिस भी स्टेज पर मैं गया, मेरे संगीत की वजह से कई सालों से मुझे खूब प्यार मिला है, पर कुछ दिनों पहले मैंने जो झेला, उसने मुझपर ऐसा असर डाला है, जिसे शब्दों में बयान करना भी मुश्किल है.

'मैंने आपकी दुआओं को महसूस किया'

दलेर मेहंदी ने पोस्ट में लिखा है कि मैंने आपके संदेश पढ़े, आपकी बातें सुनीं और आपकी दुआओं को महसूस किया. इन सबके बीच मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और आपका आभारी महसूस कर रहा हूं. आगे उन्होंने कहा कि इस पूरे वक्त में उनका परिवार उनकी सबसे बड़ी ताकत की तरह उनके साथ रहा. उन्होंने मीका सिंह की तारीफ करते हुए कहा कि मेरा भाई मीका मेरे लिए एक ऐसी ताकत बनकर खड़ा हुआ, जिसका सामना करना आसान नहीं था. उन्होंने पोस्ट में अपनी पत्नी तरन, बेटे गुरदीप और बेटी रबाब, अजित और प्रभजोत की भी सराहना की. उनहोंने पोस्ट में लिखा, 'पूरी म्यूजिक और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री, भारत के कोने-कोने से मुझसे संपर्क करने वाले सभी लोगों, मेरे फैंस और पूरे देश का शुक्रिया. आपने मुझे प्यार, विश्वास और सम्मान का जो सरोपा दिया है, उसके लिए मैं आप सभी का आभारी हूं. '



सुनील ग्रोवर ने दीवाली पर सड़क किनारे बैठ बच्चियों संग बेची फूल-माला



सुनील ग्रोवर ने एक बार फिर अपने प्यारे जेस्चर से हर किसी का दिल जीत लिया है। उन्होंने सड़क किनारे तीन बच्चियों के साथ बैठकर फूल बेचा। मालाएं लेकर बैठे सुनील ग्रोवर की हर कोई तारीफ कर रहा है। कुछ लोगों ने तो उन्हें 'असली हीरो' भी कहा।

सुनील ग्रोवर ने बेचे फूल

एक्टर और कॉमेडियन सुनील ग्रोवर हमेशा ही अपनी किसी न किसी हरकत से फैंस का दिल जीत लेते हैं। एक बार फिर से दिवाली पर भी कुछ ऐसा ही हुआ और एक्टर ने फिर से अपने चाहने वालों का दिल जीत लिया। सुनील ग्रोवर ने दिवाली पर सड़क किनारे बैठकर फूल वाले दुकानदारों के साथ फूल बेचा। वो फूल-माला बेचने वाली छोटी बच्चियों संग बैठकर मालाएं बेचते हुए दिखे।

सुनील ग्रोवर ने जब से ये फोटो शेयर की है, फैंस उन्हें और भी अधिक पसंद कर रहे हैं। फूल बेचते हुए उन्होंने अपनी तस्वीर शेयर की और कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी दिवाली सबको।'

सुनील ग्रोवर के लिए फैंस का उमड़ा प्यार

फोटो पर उनके फैंस ने दिल खोलकर कमेंट्स किए और सबने तारीफ ही की। एक ने लिखा, 'एक ही दिल कितनी बार दिल जीतोगे भाई।' एक ने कहा, 'क्या चीज हो आप।' एक फैन ने कहा, वाह, 'आप कितने डाउन टू अर्थ हैं।' एक ने लिखा- आपका मुकाबला कोई नहीं कर सकता।

सुनील ग्रोवर की हिट मिमिक्री

सुनील ग्रोवर ने फिल्मों और OTT शो में अपने काम से बार-बार साबित किया है कि वे हर तरह के किरदार निभाने में माहिर हैं। हालांकि, जब भी वे 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' के मंच पर आते हैं, तो एक जादू सा बिखेर देते हैं। सलमान खान, आमिर खान, नवजोत सिंह सिद्धू, कपिल देव, गुलज़ार और कादर खान जैसी कई मशहूर हस्तियों की बेहतरीन मिमिक्री करके दर्शकों को प्रभावित करने वाले सुनील ग्रोवर, इस बार पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में नजर आए।

अटल बिहारी वाजपेयी बनकर सुनील ने जीता दिल

शो के मेकर्स ने हाल ही में आने वाले एपिसोड का एक प्रोमो जारी किया, जिसमें सुनील पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के अंदाज में 'सरल बिहारी वाजपेयी' बनकर सामने आते हैं। जैसे ही वे मंच पर आते हैं, दर्शक, जज नवजोत सिंह सिद्धू और अर्चना पूरन सिंह, वहां मौजूद मेहमान उन्हें हैरानी और तारीफ भरी नजरों से देखते रह जाते हैं।

समय रैना ने मेधा शंकर संग मनाई दिवाली



समय रैना के फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या कॉमेडियन ने मेधा शंकर के साथ अपना रिश्ता ऑफिशियल कर दिया है, क्योंकि दिवाली पार्टी में दोनों एक साथ मौज करते दिखे। यहां तक कि स्काउट की गर्लफ्रेंड काशवी को भी समय के साथ देखा गया।

पार्टी में कई जाने-पहचाने चेहरे

इस पार्टी में मनोरंजन जगत और कॉमेडी की दुनिया के कई जाने-माने चेहरे शामिल हुए, जिनमें वरुण धवन, मुनव्वर फारुकी, आशीष चंचलानी, कीकू शारदा, सिद्धांत चतुर्वेदी, वीर पहाड़िया, जाकिर खान, शेरोन वर्मा और बिग बॉस 20 के कंटेस्टेंट स्काउटओपी की गर्लफ्रेंड काशवी हीरानंदानी समेत कई अन्य लोग मौजूद थे। इस पार्टी में मेधा को भी समय की मां, स्वीटी रैना के साथ देखा गया।

समय रैना की दिवाली पार्टी

स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना ने मुंबई स्थित अपने नए घर पर रखी दिवाली पार्टी की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वे '12वीं फेल' की एक्ट्रेस मेधा शंकर के साथ नजर आ रहे हैं। इन दोनों के डेट करने की अफवाहों के बीच यह तस्वीर सामने आई है। मेधा गहरे लाल रंग के अनारकली सूट में बहुत प्यारी लग रही थीं, जिस पर सुनहरे रंग का काम था; वहीं समय ने आइवरी रंग का कढ़ाई वाला कुर्ता और सफेद पजामा पहना था। समय ने पहले ही जश्न की कुछ झलकियां शेयर की थीं, जिनसे पता चला कि उन्होंने मुंबई में अपने नए घर पर दिवाली की एक छोटी सी पार्टी रखी थी। उन्होंने लिखा, 'मुंबई में अपने नए घर पर एक घरेलू दिवाली पार्टी रखी। इसमें मैंने अपने दोस्तों और उनके माता-पिता को भी बुलाया था, बहुत बढ़िया माहौल रहा।'



फराह खान ने फर्जी वीडियो रिपोर्ट्स पर लगाई जमकर फटकार, कहा– जिम्मेदार बनें !

फराह खान ने पर अपने घर में आग लगने की फर्जी खबरों पर फटकार लगाई है। फिल्ममेकर ने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा ही वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके घर में आग लगने के फर्जी दावे किए गए थे। फराह ने दो टूक शब्दों में ऐसे रिपार्टस के लिए जिम्मेदार बनने' की सलाह दी है। बॉलीवुड की मशहूर फिल्ममेकर-कोरियोग्राफर और अब व्लॉगर फराह खान भड़क गई हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर वायरल उन रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज किया है, जिसमें दावा किया गया कि दिवाली के मौके पर उनके घर में आग लग गई है। 61 साल की फराह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक ऐसे ही वीडियो को शेयर कर फटकार लगाई है। फराह ने साफ किया कि ऑनलाइन शेयर किए जा रहे ऐसे वीडियोज असल में एक निर्माणाधीन इमारत के हैं।

क्या टूटने से बचा चीची का रिश्ता ?



पत्नी सुनीता बोलीं- 40 साल पुरानी शादी क्यों नहीं टिकेगी

अभिनेता गोविंदा और उनकी पत्नी सुनीता आहूजा के बीच का तनाव बीते दिनों काफी चर्चा का विषय रहा। कपल के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। मगर अब सुनीता ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान अपने रिश्ते को बचाने के बारे में काफी कुछ कहा।

रिश्ते पर क्या बोलीं सुनीता?

सुनीता आहूजा ने गोविंदा और उनकी को-स्टार पर अफेयर के आरोप लगाए थे। हाल ही में पिंकविला से हुई बातचीत में सुनीता ने कहा, 'यह 40 साल पुरानी शादी है, आखिर क्यों नहीं टिकेगी? सब ठीक है, वो वही कर रहे हैं, जो उन्हें पसंद है। मैं काम कर रही हूं और मेरा पूरा ध्यान काम पर ही है, लेकिन इस जन्म में हमें कोई कभी अलग नहीं कर सकता। बाकी, मैंने सब कुछ ईश्वर पर छोड़ दिया है. भगवान के अलावा मैं किसी से कुछ नहीं मांगती। उनके लिए और मेरे लिए जो भी सही होगा, भगवान हमारे साथ वही करेंगे।'



बच्चों को नहीं करना चाहती पिता से अलग

बीते दिनों सुनीता आहूजा ने टॉल टेल्स कोलकाता में सुनीता ने कहा, 'मैं ऐसी इंसान नहीं हूं, जो बच्चों से कहे कि वे अपने पिता को छोड़ दें। यह उनका अपना फैसला है। मेरा मतलब है, ऐसा कहना बेकार है क्योंकि वे उनके पिता हैं। उन्हें भी इस बारे में सोचना चाहिए। सिर्फ महिलाओं को ही क्यों सोचना चाहिए? महिलाएं डिप्रेशन में क्यों रहें?'



क्रींसटाउन

दुनिया की रोमांच राजधानी

उस शहर जाने की कल्पना ही रोमांचक हो सकती है जिसे दुनिया की एडवेंचर कैपिटल के रूप में शोहरत हासिल हो। जिन्हें हम एक्सट्रीम एडवेंचर की संज्ञा देते हैं, वे सभी यहां हैं। हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड के क्रींसटाउन शहर की। कहा जाता है कि उन्नीसवीं सदी के मध्य में जब क्रींसटाउन में शॉटओवर नदी में सोना मिलने की खबर फैली तो लोग यहां उमड़ने शुरू हो गए थे। आखिरकार जब सोना खत्म हो गया तो यहां पहुंचे लोगों का ध्यान यहां के पहाड़ों और नदियों की खूबसूरती पर गया और तब उन्होंने यही बसने का फैसला कर लिया। रोमांच में यहां शुरुआत पिछली सदी के मध्य में स्कीइंग से हुई।

1970 के दौरान जेट बोटिंग की शुरुआत हुई। यह एक तरह से विशुद्ध रूप से रोमांच की दुनिया को क्रींसटाउन की देन थी। शॉटओवर नदी की गहरी कंदराओं में से जेटबोट की राइड का रोमांच ही अलग है। कुछ ही समय बाद रिवर राफ्टिंग भी क्रींसटाउन की नदियों में शुरू हो गई। 1988 में ऐ जे हैकट ने यहां बंजी जंपिंग की शुरुआत की। क्रींसटाउन को बंजी जंपिंग का जनक माना जाता है। आज यहां बंजी जंपिंग की कई साइट हैं। एक समय तो हैकट एंड कंपनी 450 मीटर की ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से बंजी जंपिंग करा रहे थे। हालांकि सरकारी नीतियां बदलने से बाद में उसे रोकना पड़ा।

क्रींसटाउन ही टेंडम पैरापेंटिंग व कमर्शियल स्काइडाइविंग का भी मुख्य अड्डा है। इसके अलावा यहां टेंडम हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग व एब्सेलिंग जैसी गतिविधियां भी होती हैं। सैलानी क्रींसटाउन केवल एडवेंचर के लिए जाते हैं, जबकि वहां की प्राकृतिक खूबसूरती भी किसी जगह से कम नहीं।

कैसे जाएं: न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित क्रींसटाउन में हालांकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन यहां की सारी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों से होकर हैं।



खतलिंग

ग्लेशियर का नजारा

उत्तराखंड में एक वक्त 7,941 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बर्फ से ढका रहता था, जो यहाँ के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 15 प्रतिशत क्षेत्र है। यमुना, गंगा और काली नदी समेत उनकी कई सहस्त्रधाराएँ इसी क्षेत्र में जन्म लेती हैं, लेकिन यह क्षेत्र लगातार सिमट रहा है। यहाँ के तमाम ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

चार धामों की यात्रा के अलावा साहसिक पर्यटन के प्रेमियों में खतलिंग ग्लेशियर के दर्शन को पाँचवाँ धाम दर्शन माना जाता है। यहीं से केदारनाथ तक पैदल यात्रा क्षेत्र भी है। पिछले हफ्ते इसी यात्रा मार्ग पर ट्रैकिंग के लिए कुछ पर्यटकों का दल भारी बर्फबारी में फँसने से राज्य में हड़कंप मच चुका है। बमुश्किल इस यात्री दल के तीन पर्यटकों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया तो छः अन्य लोगों को दो दिन बाद त्रियुगी नारायण क्षेत्र में आईटीबीपी एवं पुलिस की गठित टीमों ने पैदल रास्ते से जाकर ढूँढ निकाला।

यही है कस्तूरी मृगों का क्षेत्र :

पाँचवें धाम खतलिंग को जाने वाले मार्ग पर फँसे इन पर्यटकों ने वन विभाग से यहाँ जाने की अनुमति नहीं ली थी। इस क्षेत्र में कस्तूरी मृग क्षेत्र होने से यहाँ जाने की पूर्वानुमति आवश्यक है। 3,700 मीटर की ऊँचाई पर खतलिंग ग्लेशियर पहुँचने के रास्ते में चौकी बुग्याल रुद्रागंगा, हिमानी गुफा, दुमलिया ताल भी दर्शनीय हैं। यहाँ से सात किलोमीटर की दूरी तय कर गंगोत्री पहुँचा जा सकता है। यहाँ से साढ़े छः हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित सतलिंग तेज चमकता है।

स्फटिक लिंग जो ग्रेनाइट धातु से बना है, पर बर्फ नहीं टिकती और भगवान शिव का आत्मलिंग का खिताब इसे प्राप्त है । 6,460 मीटर जोगिन चोटी, मयाली टॉप के रास्ते वासुकीताल होते हुए 14 किलोमीटर दूरी तय कर केदारनाथ धाम पहुँचना संभव है । मयाली टॉप की चोटी से तिब्बत का इलाका दिखाई देता है।

पिघल रहे ग्लेशियर :

हिमालय में तैंतीस हजार वर्ग किलोमीटर में ग्लेशियर फैले हैं जो पूरे हिमालय क्षेत्र के 17 प्रतिशत रहे हैं। गोमुख, मिलम, पिंडारी, खतलिंग व नामिक जैसे उत्तराखंड के हजारों ग्लेशियर पानी की मीनारों का काम करते हैं। हजारों साल पहले गौमुख ग्लेशियर गंगोत्री से मिलता था, लेकिन आज गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी 19 किलोमीटर है।

पिछले दो सौ वर्षों में गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी ही नहीं बढ़ी। ग्लेशियर का स्नाउट भी खिसकता जा रहा है। मिलम ग्लेशियर 1828 में मिलम गाँव से दो किलोमीटर पर बताया गया जो अब छः किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर है। खतलिंग ग्लेशियर का मुख जो चौकी ताल पर था, अब सात किलोमीटर दूर है। पिंडारी ग्लेशियर भी काफी पीछे चला गया।

बढ़ते लोग, बढ़ता ताप :

सन 1808 तक गंगोत्री क्षेत्र में गंगा की मूर्ति के पूजन की परंपरा थी, लेकिन यहाँ दस-पंद्रह लोग ही रहते थे। गंगा की मूर्ति के साथ ये लोग भी अपने गाँवों में वापस चले जाते थे। 1981 की जनगणना में गंगोत्री की स्थाई आबादी लगभग 125 के आसपास थी जो आज हजारों तक पहुँच चुकी है। साधु-संन्यासी ही काफी पहले पहुँचे थे। चार धामों में से बद्रीनाथ में ही यह संख्या श्रद्धालुओं के हिसाब से लाख तक पहुँचती थी। अब यहाँ एक हफ्ते में लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं।

पूर्ण कुंभकाल के वक्त ही बद्रीनाथ से ज्यादा श्रद्धालु आते थे। 1808 के पूर्ण कुंभ में 45 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुँचे थे, जबकि 2010 के पूर्ण कुंभ के बाद दो दिन में यह संख्या पार कर ली गई। 1808 में केदारनाथ की यात्रा विषम थी। उस साल केदारनाथ गए कई यात्री मारे भी गए थे। अब तमाम साधन, बढ़ते गाड़ियों व रेल नेटवर्क बढ़ने से तीर्थयात्रियों की संख्या में असाधारण वृद्धि हुई है। इसी तरह इस क्षेत्र के ग्लेशियरों में भी ट्रैक कर जाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

प्रकृति छेड़छाड़ ने पैदा किया संकट :

इसी तीर्थ क्षेत्र के आसपास बुग्यालों, ग्लेशियरों एवं तमाम खूबसूरत घाटियों व नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ से भी यहाँ के माहौल में बदलाव आया है। स्वयं चिपको नेता चंडीप्रसाद भट्ट ने भी इस तरह की गतिविधियों को विश्व धरोहर पार्कों के आसपास हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना समेत तमाम क्षेत्रों की परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध बताया है।

इस बाबत उन्होंने केंद्र को पत्र भी भेजकर इस संवेदनशील क्षेत्र में इस गतिविधि को लगाम लगाने की माँग की है। विश्व धरोहर फूलों की घाटी से सात किलोमीटर की दूरी पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना भी इस सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध जारी है। इस आदेश के अनुसार विश्व धरोहर से 10 किलोमीटर की परिधि में इस तरह की परियोजनाएँ प्रतिबंधित हैं। तथापि यहाँ इस तरह की परियोजनाओं का बेरोकटोक निर्माण इस क्षेत्र में प्रकृति प्रेमियों के रोष का कारण बन रहा है।



कला-शिल्प का अद्भुत संगम

खजुराहो

खजुराहो के मंदिर भारतीय कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। इन मंदिरों की दीवारों पर उकरी देवी-देवताओं की विभिन्न मुद्राओं की मनोहारी प्रतिमा अपने आप में दुलर्भ है, जिसके समान कोई ओर नहीं है। मध्यप्रदेश में स्थित खजुराहो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

हर साल लाखों की संख्या में देशी व विदेशी पर्यटक खजुराहों आते हैं व यहाँ की खूबसूरती को अपनी स्मृति में कैद करके ले जाते हैं। यहाँ शाम के वक्त होने वाले लाइट शो में खजुराहो के मंदिरों की खूबसूरती का चरम देखने को मिलता है, जो एक यादगार व अविस्मरणीय अनुभव होता है।

भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान आदि स्थल है। खजुराहो को प्यार का प्रतीक भी कहा जाता है। यहाँ काम मुद्रा में मग्न देवताओं की भी मूर्तियाँ है, जो अश्लीलता नहीं बल्कि सौंदर्य और प्यार की प्रतीक हैं। प्यार के साक्षी इन्हीं मंदिरों में प्रतिवर्ष कई जोड़े परिणय सूत्र में बँधकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत करते हैं।

खजुराहो एक पर्यटक स्थल होने के साथ-साथ मंदिरों के गाँव के रूप में भी विख्यात है। यहाँ के मंदिर लगभग 1000 सालों से भी अधिक पुराने हैं, जिन्हें मध्यभारत के चंदेल राजपूत राजाओं ने बनवाया था।



वर्तमान में प्राचीन 85 मंदिरों में से मात्र 22 मंदिर ही सुरक्षित बचे हैं। शेष मंदिर आज खंडहर के रूप में तब्दील होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर पूर्वी, पश्चिमी व दक्षिणी आदि तीन भागों में विभाजित हैं।

पश्चिमी भाग के मंदिर :- खजुराहो में पश्चिमी भाग के मंदिरों में प्रमुख मंदिर कंडरिया महादेव मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर (ग्रेनाइट से बना सुंदर मंदिर), काली माँ का मंदिर, देवी जगदंबा मंदिर आदि प्रमुख हैं। इन मंदिरों के उत्तर में चित्रगुप्त मंदिर (सूर्य देवता का मंदिर), विश्वनाथन मंदिर (तीन मुखी ब्रह्मा की प्रतिमा तथा 6 फीट ऊँची नंदी प्रतिमा), मटंगेश्वर मंदिर (8 फीट ऊँचा शिवलिंग) आदि स्थित है।

मंदिरों में स्थित प्रतिमाओं की जर्जर स्थिति को देखते हुए इनमें से कई मंदिरों में पूजा करना प्रतिबंधित है। इनमें से केवल ममटंगेश्वर मंदिर में ही अब तक पूजा करना जारी है।

पूर्वी भाग के मंदिर :

इस भाग में हिंदू व जैन दोनों के देवी-देवताओं की दुर्लभ प्रतिमाएँ स्थित हैं। मंदिरों का यह भाग खजुराहो गाँव के समीप स्थित है। पूर्वी भाग का सबसे बड़ा मंदिर जैन तीर्थंकर 'भगवान पार्श्वनाथ जी का मंदिर' है। इसके बाद दूसरा जैन मंदिर 'घाटी मंदिर' है। इस मंदिर के उत्तर में 'आदिनाथ मंदिर' हैं। मंदिरों के इस समूह में ब्रह्मा, वामन आदि हिंदू देवताओं के मंदिर भी शोभायमान है।

दक्षिणी भाग के मंदिर :

मंदिरों का यह समूह खजुराहो गाँव से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इनमें सबसे अच्छा मंदिर 'चित्रभुज मंदिर' है। इस भाग के मंदिरों से कुछ दूरी पर सड़क के उस पार जैन मंदिरों का एक समूह है, जिनमें कई जैन तीर्थंकरों के सुंदर व आकर्षक मंदिर है।

खजुराहो के आसपास: भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (34 किमी दूर) आदि रमणीय स्थल हैं।

भारत की इस विरासत को देखना मात्र ही अपने आप में भारतीय कला से रूबरू होना है, जो अपने आप में अनूठी है, प्राचीन है व गौरवशाली है। आप भी मंदिरों के इस गाँव की सुंदरता को निहारने एक बार अवश्य खजुराहों जाएँ।